समाचार पचीसा

।। संगछध्वम् संवदध्वम् ।।

राजनीति का जनपक्षकार

● वर्ष-4 ● अंक-71 ● रायपुर, गुरुवार 31 अक्टूबर 2024 ● पृष्ठ-8 ● मूल्य-3 रु. samacharpacheesa@gmail.com

महाराष्ट्र में भाजपा ने बदली रणनीति, मोदी नहीं

मोदी नहीं पार्टी के प्रमुख नेता करेंगे सबसे ज्यादा रैलियां

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा ने अपनी रणनीति बदल ली है। नामांकन समाप्त होने के बाद चुनाव प्रचार जोर पकड़ने लगा है। महा विकास अघाड़ी और महायुति दोनों ही दलों की ओर से प्रमुख नेताओं की बड़ी रैलियां आयोजित की जा रही हैं। सूत्रों से पता चला है कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा के प्रमुख नेताओं की 50 से अधिक जनसभाएं होंगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई बड़े नेताओं के राज्य भर में जनसभाएं करने की उम्मीद है। हालांकि, भाजपा राज्य में हरियाणा वाली रणनीति के तहत ही चुनाव लड़ेगी और पार्टी को पूरा फोकस स्थानिय मुद्दों पर रहेगा। सूत्रों के मुताबिक, पीएम मोदी पश्चिम महाराष्ट्र, विदर्भ, मुंबई-कोंकण, उत्तर महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में कुल आठ जनसभाएं करने की योजना बना रहे हैं। इनमें से ज्यादातर जनसभाओं की जिम्मेदारी देवेंद्र फडणवीस, नितिन गडकरी और चंद्रशेखर बावनकुले को दी गई है। भाजपा से जुड़े सूत्रों ने बताया कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अलग-अलग जिलों में 15 रैलियां करेंगे। हरियाणा की तरह महाराष्ट्र में भी सीएम योगी भाजपा और एनडीए उम्मीदवारों के लिए वोट मांगते नजर आएंगे। योगी के अलावा भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री भी चुनाव प्रचार के लिए महाराष्ट्र आएंगे।

सूत्रों के मुताबिक, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 20 रैलियां करेंगे और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी 40 रैलियां करेंगे। वहीं, महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस 50 रैलियों का नेतृत्व करेंगे और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले 40 रैलियां करेंगे। इनके अलावा स्थानीय नेता भी रैलियां करेंगे। गौरतलब है कि हरियाणा चुनाव में भी पीएम मोदी और अमित शाह ने कम रैलियां की थीं और ज्यादातर रैलियां स्थानीय नेताओं ने की थीं। इसी तरह की रणनीति पर चलते हुए भाजपा ने महाराष्ट्र में भी अपनी रणनीति बनाई है। हरियाणा में भाजपा ने अनुमान से ज्यादा सीटें जीतकर लगातार तीसरी बार रिकॉर्ड सरकार बनाई है।

माहिम सीट पर अमित ठाकरे के पीछे ही जोर लगाना चाहती है भाजपा

महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को कहा कि भाजपा माहिम सीट पर अमित ठाकरे के पीछे अपना जोर लगाना चाहती है। इस सीट पर सत्तारूढ़ शिवसेना भी चुनाव लड़ रही है। अमित महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे के बेटे हैं। फडणवीस ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि इस स्थिति का समाधान ढूंढने के प्रयास किए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि भाजपा अपने विद्रोही नेताओं को नाम वापस लेने के लिए मनाने की कोशिश करेगी। लेकिन कुछ सीटों पर दोस्ताना मुकाबला होगा। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने माहिम से मौजूदा विधायक सदा सर्वांकर को उम्मीदवार बनाया है। जबकि पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) ने महेश सावंत को इसी सीट पर उम्मीदवार बनाया है।

राज ठाकरे की मनसे सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन का हिस्सा नहीं है। महायुति में भाजपा, शिवेना और उपमुख्यमंत्री अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी शामिल हैं। हालांकि, मनसे ने इस साल लोकसभा चुनावों में सत्तारूढ़ गठबंधन का समर्थन किया था।

फडणवीस ने बताया कि भाजपा और मुख्यमंत्री शिंदे के बीच अमित ठाकरे का समर्थन करने पर सहमति बनी है। लेकिन शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के नेताओं का कहना है कि अगर पार्टी चुनाव में नहीं उतरेगी, तो उनके मतदाता उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) में चले जाएंगे। भाजपा अमित ठाकरे का समर्थन करने के लिए तैयार है और अभी भी अपने रुख पर कायम है।

जब उनसे इस स्थिति के समाधान के बारे में सवाल किया गया तो फडणवीस ने कहा, जब हम (महायुति के नेता) मिलेंगे, तो इस पर चर्चा करेंगे और समाधान ढूंढने की कोशिश करेंगे। राज्य में अगले महीने 20 नवंबर को एक चरण में मतदान होगा। इसके तीन दिन बाद 23 नवंबर को मतगणना होगी।

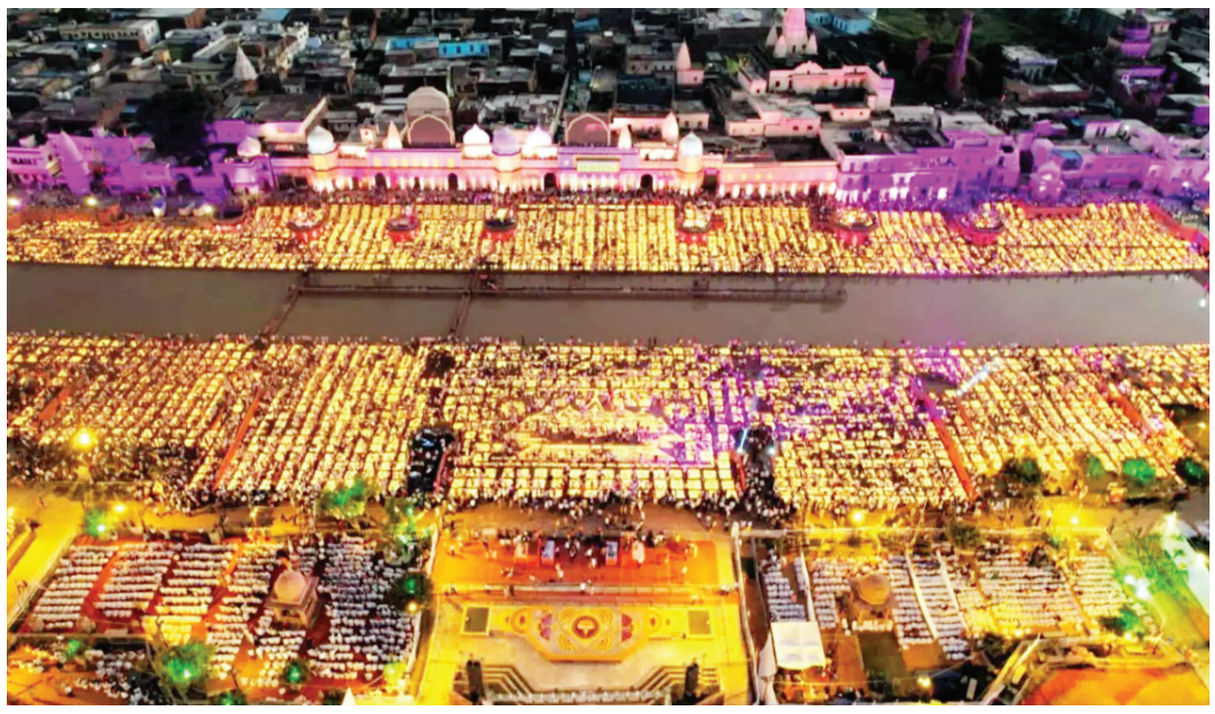

25 लाख दीयों से जगमग हुई अयोध्या, बना नया रिकॉर्ड

अयोध्या। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने अयोध्या में सरयू नदी के तट पर आरती की। योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर में पूजा की, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक भी मौजूद रहे। भव्य दीपोत्सव के जहत अयोध्या आज पूरी तरह से जगमग है। दीपोत्सव समारोह के तहत अयोध्या में सरयू नदी के तट पर 25 लाख दीये जलाए गए। इसके साथ ही लेजर और लाइट शो देखने को मिला है। साउंड-लाइट शो के ज़रिए रामलीला का वर्णन किया गया। वहीं, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने अयोध्या में सरयू नदी के तट पर आरती की। योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर में पूजा की, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक भी मौजूद रहे।

लद्दाख का मामला सुलझने के बाद अब रक्षा मंत्री सैनिकों के साथ मनाएंगे दिवाली

नई दिल्ली। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान वहां तैनात सैनिकों के साथ उत्सव में भाग लेने के लिए अंडमान और निकोबार में होंगे। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी गुजरात के पोरबंदर में नौसेना सैनिकों के साथ जश्न मनाएंगे, जबकि भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के एयर चीफ मार्शल एपी सिंह जम्मू-कश्मीर में सैनिकों के साथ जश्न मनाएंगे। प्रधान मंत्री के रूप में अपनी पहली दिवाली में, मोदी ने सियाचिन का दौरा किया, जबकि अगले वर्ष, वह पंजाब के अमृतसर में थे। 2016, 2017 और 2018 में वह क्रमशः हिमाचल प्रदेश के किन्नौर, गुरेज़ सेक्टर (जम्मू और कश्मीर) और उत्तराखंड के हर्षिल गए।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के नेतृत्व में देश के शीर्ष रक्षा अधिकारी गुरुवार को देश के विभिन्न हिस्सों में सैनिकों के साथ दिवाली मनाएंगे। सिंह और अरुणाचल प्रदेश से आने वाले केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू, रोशनी के त्योहार की पूर्व संध्या पर बुधवार को पूर्वोत्तर राज्य के तवांग पहुंचे। वहां वे भारत-चीन सीमा पर तैनात सैनिकों के साथ त्योहार मनाएंगे। मंत्रियों के साथ थल सेनाध्यक्ष (सीओएएस), जनरल उपेन्द्र द्विवेदी भी हैं। यह परंपरा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई थी, जो 2014 से कार्यालय में आने के बाद से अपनी दिवाली सैनिकों के साथ बिता रहे हैं। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान वहां तैनात सैनिकों के साथ उत्सव में भाग लेने के लिए अंडमान और निकोबार में होंगे।

प्रमुख समाचार

मोदी ने 284 करोड़ की परियोजनाओं का किया शिलान्यास

एकता नगर (गुजरात)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को गुजरात के नर्मदा जिले के एकता नगर में स्थित स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने 284 करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं और पर्यटन स्थलों का शिलान्यास और आधारशिला रखी। मोदी दो दिवसीय गुजरात यात्रा पर हैं और इस दौरान वह राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह में भी भाग लेंगे। सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई जाती है। अहमदाबाद से करीब 200 किलोमीटर दूर एकता नगर पहुंचने के बाद मोदी ने कई नई परियोजनाओं का शुभारंभ किया। इनमें एक उप-जिला अस्पताल, स्मार्ट बस स्टॉप, चार मेगावाट की सौर उर्जा परियोजना और दो आईसीयू-ऑन-व्हील्स शामिल हैं। प्रधानमंत्री ने 22 करोड़ रुपये की लागत से बने 50 बेड के उप-जिला अस्पताल का भी शुभारंभ किया। इस अस्पताल में एक ट्रॉमा सेंटर, स्त्री रोग ऑपरेटिंग थिएटर, छोटा ऑपरेटिंग थिएटर, सीटी स्कैन सुविधा, आईसीयू, लेबर रूम, फिजियोथेरेप वार्ड, मेडिकल स्टोर और एंबुलेंस की सुविधा है। इसके अलावा, उन्होंने एकता नगर में दस स्मार्ट बस स्टॉप और पर्यटको के लिए 10 पिक-अप स्टैंड, कार चार्जिंग प्वाइंट और राज्य रिजर्व पुलिस बल के कर्मियों को दौड़ने के लिए ट्रैक का भी शुभारंभ किया।

कांग्रेस के आरोप न केवल हास्यास्पद, बल्कि संदेहास्पद

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद और राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कांग्रेस की ओर से चुनाव आयोग (ईसी) पर लगाए गए आरोपों की आलोचना की। उन्होंने कहा कि आयोग का 1,642 पन्नों का विस्तृत जवाब कांग्रेस की बदले की भावना और संदिग्ध इरादों का सबूत है। कांग्रेस द्वारा इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) की आलोचना करने पर सवाल उठाते हुए त्रिवेदी ने कहा कि ये मशीनें जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हिमाचल प्रदेश और दिल्ली में बिना किसी समस्या के काम कर रही थीं। लेकिन इन पर 2023 में राज्यस्थान और हरियाणा में सवाल खड़े किए गए। उन्होंने कहा, चुनाव आयोग का 1,642 पन्नों का विस्तृत जवाब कांग्रेस के बेतुके आरोपों का जवाब है। कांग्रेस का मानना है कि अगर मैं जीतता हूं तो मैं सही हूं और हारता हूं तो कोई और जिम्मेदार है। यह मानसिकता सिर्फ हास्यास्पद ही नहीं, बल्कि संदेहास्पद भी है। संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा पर आरोप लगाने की कांग्रेस की कोशिशें न केवल हास्यापद हैं, बल्कि विध्वंसक हैं। लोकसभा चुनाव में 99 लोकसभा सीटों पर कांग्रेस की जीत का जिक्र करते हुए भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि इस आत्मविश्वास ने उस ने हरियाणा में हराया।

जिनपिंग- मोदी की मुलाकात बहुत महत्वपूर्ण

कोलकाता। चीन के राजदूत शू फीहोंग ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हाल ही में हुई बैठक बहुत महत्वपूर्ण है। दोनों नेताओं के बीच यह बैठक रूस के कजान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से इतर हुई थी। राजदूत ने कहा कि दोनों नेताओं के बीच पांच वर्षों के बाद यह पहली औपचारिक बैठक थी। इस दौरान कई महत्वपूर्ण समझौते हुए और दोनों देशों के बीच संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए दिशा-निर्देश तय किए गए। राजदूत फीहोंग कोलकाता में मर्चेंट चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की ओर से आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। चीनी राजदूत ने कहा कि दोनों नेताओं ने भारत-चीन संबंधों को सुधारने और उनको विकसित करने पर महत्वपूर्ण आम सहमति हासिल की और द्विपक्षीय संबंधों को स्थिर विकास की दिशा में ले जाने का रास्ता तय किया। मोदी और शी की बैठक 23 अक्टूबर को रूस के कजान में हुई थी। पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर गश्त के समझौते पर पूछे गए सवाल के जवाब में फीहोंग ने कहा, मुझे उम्मीद है कि इस समझौते के मार्गदर्शन में भविष्य में संबंध सुचारू रूप से आगे बढ़ेंगे।

दिवाली जरूरतमंदों की मदद करने और खुशियां बांटने का अवसर

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को दिवाली की पूर्व संध्या पर नागरिकों को शुभकामनाएं दीं और कहा कि यह त्योहार वंचितों और जरूरतमंदों की मदद करने और उनके साथ खुशियां बांटने का भी अवसर है। उन्होंने कहा कि दिवाली के पावन अवसर पर, हमें अपनी अंतरात्मा को प्रकाशित करना चाहिए, प्रेम और करुणा के गुणों को अपनाना चाहिए और सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देना चाहिए। वहीं राष्ट्रपति भवन की तरफ से जारी एक संदेश में राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि दिवाली खुशी और उत्साह का त्योहार है। उन्होंने कहा, यह त्योहार अज्ञान पर ज्ञान और बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। भारत और विदेशों में कई समुदाय इस त्योहार को बड़े उत्साह के साथ मनाते हैं। उन्होंने कहा कि यह त्योहार एक उज्जवल भविष्य की आशा भी जगाता है। राष्ट्रपति मुर्मू ने देश और विदेश में रहने वाले सभी भारतीयों को दिवाली की शुभकामनाएं देते हुए कहा, आइए हम भारत की गौरवशाली विरासत पर गर्व करें। अच्छाई में विश्वास के साथ, आइए हम प्रदूषण मुक्त दिवाली मनाएं और एक स्वस्थ, समृद्ध और जिम्मेदार समाज के निर्माण का संकल्प लें।

हमारे पक्ष में चुनावी माहौल 360 डिग्री बदला

मुंबई। मुंबई भाजपा अध्यक्ष आशीष शेलार ने दावा किया है कि लोकसभा चुनाव के बाद राजनीतिक स्थिति सत्तारूढ़ महायुति के पक्ष में 360 डिग्री का बदलाव कर चुकी है, जहां सत्तारूढ़ गठबंधन ने निराशाजनक प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे की भी आलोचना की और उन्हें अहंकारी और स्वार्थी नेता करार दिया और कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अपने हाथीदांत टॉवर से बाहर आने के लिए तैयार नहीं हैं। जब उनसे पूछा गया कि विधानसभा चुनावों में भाजपा की संभावनाओं को वह कैसे देखते हैं, तो आशीष शेलार ने कहा कि पिछले चुनावों के आंकड़े विश्लेषण के लिए संदर्भ बिंदु हो सकते हैं, लेकिन जमीनी लड़ाई के लिए नहीं। हम मौजूदा स्थिति की तुलना ज्यादा से ज्यादा 2024 के लोकसभा चुनावों से कर सकते हैं, क्योंकि वे सिर्फ छह महीने पहले हुए थे। लेकिन उस चुनाव की तुलना में, 360 डिग्री का बदलाव है। पेंडुलम हमारे पक्ष में बदल गया है। यह एक व्यावहारिक बदलाव है। लोग हमारे साथ हैं। हर चुनाव अलग होता है - कारण, प्रतिद्वंद्वी और परिस्थितियां अलग होती हैं।

ब्रिक्स समूह देशों के सम्मेलन में बढ़ा है भारत का कद

प्रह्लाद सबनानी

हाल ही में ब्रिक्स समूह के देशों का सम्मेलन रूस के कजान शहर में सम्पन्न हुआ। इस सम्मेलन में रूस ने भारतीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का गर्मजोशी से स्वागत तो किया ही, साथ ही, चीन के राष्ट्रपति के साथ भी भारत के प्रधानमंत्री की द्विपक्षीय वार्ता सम्पन्न हुई। इस वार्ता में चीन ने भारत की सीमा के पास जमा कर रक्खे अपने सैनिकों को पीछे हटाकर, सीमा पर वर्ष 2020 की स्थिति बहाल करने की घोषणा की है। भारत को भी अपने सैनिकों को सीमा पर पीछे की ओर ले जाना होगा। इससे भारत एवं चीन की सीमा पर पिछले कुछ वर्षों से लगातार बढ़ रहे तनाव को कम करने में सफलता हासिल होगी। इस संदर्भ में विभिन्न समाचार पत्रों में छपी जानकारी के अनुसार चीन एवं भारत ने अपने 80 से 90 प्रतिशत सैनिकों को वापिस पीछे की ओर हटा लिया है। चीन और भारत के आपस में सम्बंध सुधरने का असर केवल इन दोनों देशों के आपसी तनाव को ही कम नहीं करेगा बल्कि इन सम्बन्धों में सुधार का असर आर्थिक क्षेत्र में भी देखने को मिलेगा। दरअसल चीन आज आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहा है, चीन में आर्थिक विकास की दर तिमाही दर तिमाही कम हो रही है। चीन के अमेरिका के साथ सम्बंध बहुत अच्छे नहीं रहे है। अमेरिका एवं कई यूरोपीयन देशों ने चीन से विभिन्न वस्तुओं के आयात पर करों को बढ़ा दिया है ताकि चीन से आयात को कम किया जा सके। चीन की आंतरिक अर्थव्यवस्था में भी उत्पादों की मांग लगातार कम हो रही हैं। साथ ही, चीन के भवन निर्माण क्षेत्र एवं बैंकिंग क्षेत्र में भी कई प्रकार की समस्याएं खड़ी हो गई हैं। चीन के अपने पड़ोसी देशों, ताइवान, फिलिपींस, जापान, भारत आदि के साथ भी सम्बंध लगातार तनावपूर्ण बने हुए हैं। इस सबका असर यह रहा है कि चीन ने भारत के साथ अपने सम्बन्धों को सुधारने की पहल शुरू की है ताकि वह भारत के साथ अपने व्यापार को बढ़ा सके एवं अपनी आर्थिक स्थिति को कुछ हद तक सुधार सके। हालांकि चीन के विस्तरवादी नीतियों पर चलने के कारण चीन पर तुरंत विश्वास करना बहुत कठिन है। इस संदर्भ में चीन का इतिहास भी इस बात का साक्षी नहीं रहा है कि चीन के सम्बंध किसी भी देश के साथ स्थायी रूप से बहुत अच्छे रहे हों।

ब्रिक्स देशों में विश्व की 45 प्रतिशत आबादी निवास करती है, पूरे विश्व की 33 प्रतिशत भूमि इन देशों के पास है एवं वैश्विक अर्थव्यवस्था में 28 प्रतिशत हिस्सेदारी ब्रिक्स के सदस्य देशों की है। ब्रिक्स समूह ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह गैर पश्चिमी देशों का एक समूह जरूर है, परंतु वह पश्चिमी देशों के विरुद्ध नहीं है। ब्रिक्स समूह को स्थापित करने वाले देशों में ब्राजील, रूस, भारत एवं चीन थे एवं वर्ष 2009 में दक्षिणी अफ्रीका को भी इस समूह में शामिल कर इस ब्लॉक का नाम दिया गया। आगे चलकर मिश्र (ईजिप्ट), ईथीयोपिया, ईरान, सऊदी अरब एवं यूनाइटेड अरब अमीरात को भी ब्रिक्स समूह में शामिल कर इस समूह का विस्तार किया गया। आज विश्व के कई अन्य देश भी ब्रिक्स समूह के सदस्य बनकर ग्लोबल साउथ की आवाज बनना चाहते हैं। हाल ही में रूस के कजान शहर में सम्पन्न ब्रिक्स समूह के सम्मेलन में स्थायी, अस्थाई एवं आमंत्रित 36 देशों ने भाग लिया। ब्रिक्स के इस सम्मेलन में इस विषय पर भी विचार किया गया कि ब्रिक्स देशों के पास एक अपना पेमेंट सिस्टम होना चाहिए एवं वैश्विक स्तर पर हो रहे व्यापार में अमेरिकी डॉलर पर अपनी निर्भरता को कम करना चाहिए। पश्चिमी देश वर्तमान में पूरे विश्व में लागू स्विफ्ट सिस्टम का दुरुपयोग कर रहे हैं एवं इसके माध्यम से अन्य देशों पर अपनी चौधराहट स्थापित करने का प्रयास कर रहे हैं। स्विफ्ट सिस्टम के माध्यम से पूरे विश्व के देशों के बीच धन सम्बंधी व्यवहारों को सम्पन्न किया जाता है। यदि किसी देश को इसकी सदस्यता से हटा लिया जाता है तो वह देश विश्व के अन्य देशों के साथ आर्थिक (धन सम्बंधी) व्यवहार नहीं कर सकता है। रूस यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी देशों ने जब रूस पर सैंक्शन लगाए थे तब रूस को स्विफ्ट सिस्टम से हटा दिया गया था जिससे रूस को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने व्यापार के लेनदेनों का निपटान करने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ा था। इस संदर्भ में, भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भारत में लागू यूनिफाईड पेयमेंट सिस्टम (यूपीएस), जिसे भारत में ही विकसित किया गया है, को भी ब्रिक्स समूह के सदस्य देशों में लागू करने पर विचार करने हेतु समस्त सदस्य देशों से आग्रह किया है। अभी तक भारत के यूनीफाईड पेयमेंट सिस्टम को 7 देशों ने अपना लिया है एवं 30 से अधिक देश इसे अपनाने के लिए विचार कर रहे हैं। भारत में यह सिस्टम बहुत ही सफलता पूर्वक कार्य कर रहा है। दूसरे, पूरे विश्व में डॉलर के प्रभाव को कम करने हेतु भी ब्रिक्स समूह के सदस्य देशों के बीच चर्चा हुई है। डॉलर के स्थान पर ब्रिक्स करेन्सी को अपनाने अथवा ब्रिक्स समूह के सदस्य देशों की बीच हो रहे व्यापार सम्बंधी व्यवहारों के निपटान हेतु ये देश आपस में अपनी करेन्सी के उपयोग पर जोर देने पर भी सहमत होते दिखे हैं। ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान ही भारत एवं चीन के बीच हाल ही में सम्पन्न हुए बॉर्डर समझौते के बावजूद भारत को चीन से भारत में होने वाले प्रत्यक्ष विदेशी निवेश पर अपनी गहरी नजर बनाए रखना चाहिए। भविष्य में भी भारत को चीन से होने वाले प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की अनुमति सोच समझकर ही देना चाहिए। क्योंकि, चीन के इतिहास को देखते हुए उस पर आज भी विश्वास नहीं किया जा सकता है। भारत ने हालांकि वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए भारत में होने वाले प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के 10,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर के लक्ष्य को निर्धारित किया है।

एक इनामी महिला नक्सली समेत पांच नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में पांच लाख रुपए की इनामी महिला नक्सली समेत पांच नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। पुलिस अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि गढ़चिरौली डिवीजन के अंतर्गत अहेरी एरिया कमेटी की सदस्य (एसीएम) सुशीला उर्फ बुज्जी ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। उसके सर पर पांच लाख रुपए का इनाम था।

उन्होंने बताया कि इसके साथ ही जिले में चार अन्य नक्सलियों सुखराम मोड़ियाम, सुददू कोरसा, लक्खू फरसा और सन्नू माड़वी ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण किया है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि नक्सलियों ने माओवादियों की भेदभाव पूर्ण नीति, उपेक्षा तथा विचारधारा से क्षुब्ध होकर और राज्य शासन की नियद नेल्ला नार (आपका अच्छा गांव) योजना से प्रभावित होकर आत्मसमर्पण किया है।

उन्होंने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों के खिलाफ पुलिस दल पर हमला, हत्या और शासकीय संपत्ति को नुकसान पहुंचाने समेत अन्य कई नक्सली

घटनाओं में शामिल होने का आरोप है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को उत्साहवर्धन के लिए राज्य शासन की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति के तहत 25-25 हजार रुपए नगद प्रदान किये गये हैं।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2024 में जिले में अब तक कुल 185 माओवादियों ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किया है तथा विभिन्न माओवादी घटनाओं में शामिल 411 माओवादियों को गिरफ्तार किया गया है।

नक्सलियों ने मुखबिरी के आरोप में एक शख्स को उतारा मौत के घाट

बीजापुर। जिले के थाना बासागुड़ा क्षेत्र अंतर्गत उसूर ब्लाक के ग्राम पुतकेल में मुखबिरी के शक में नक्सलियों ने एक युवक दिनेश पुजारी उम्र 35 वर्ष निवासी पुतकेल की धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी है। शव के पास पामेड़ एरिया कमेटी का पर्चा भी मिला है, पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार देर रात नक्सली ग्रामीण युवक दिनेश पुजारी के घर पुतकेल से बाहर निकालकर जंगल की तरफ ले जाकर उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद शव को गांव के नजदीक लाकर फेंक दिया था। रात में ही गांव वालों ने और परिजनों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी थी। बताया जा रहा है कि आज सुबह जवान मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवाया है।

उल्लेखनिय है कि बीजापुर जिले के उसूर ब्लाक में नक्सलियों द्वारा एक सप्ताह में दूसरी घटना को अंजाम दिया है। इसके पहले 19 अक्टूबर को उसूर में ब्लाक कांग्रेस के नेता तिरूपति भंडारी की राशन दुकान में धारदार हथियार से हत्या कर दी गई थी, तिरूपति भंडारी पीडीएस राशन दुकान संचालक रहा। दूसरी घटना में बीती रात में ग्राम पुतकेल के ग्रामीण युवक दिनेश पुजारी की नक्सलियों ने हत्या कर दी ।सुरक्षाबलों द्वारा लगातार कार्रवाई के साथ बड़े नक्सलियों द्वारा अत्मसमर्पण करने से नक्सल संगठन कमजोर पड़ता जा रहा है। नक्सली चाहते हैं कि किसी क्षेत्र में उनकी उपस्थिति की जानकारी पुलिस या सुरक्षबलों को ना मिले। इसी वजह से इलाके में दहशत फैलाने के लिए वे हत्या की वारदात को अंजाम देकर अपने वजूद को बचाने का प्रयास कर रहे हैं।

बीजापुर एएसपी चंद्रकांत गवर्णा ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि शव के पास से एक पर्चा भी मिला है, जिसमें पामेड़ एरिया कमेटी के नक्सलियों ने मुखबिरी के शक में हत्या करने का जिक्र किया है, मामले की जांच की जा रही है।

दिवाली पर छत्तीसगढ़ के नक्सल एरिया में सर्च ऑपरेशन तेज, खोले 12 से ज्यादा कैंप

राजनांदगांव। नक्सल विरोधी अभियान के तहत राजनांदगांव में जवानों ने सर्च ऑपरेशन तेज कर दिया है। बीते साल भर में राजनांदगांव रेंज अंतर्गत लगभग 12 से ज्यादा कैंप पुलिस ने खोले हैं। पुलिस और सुरक्षा बलों के जवान नक्सल विरोधी अभियान के तहत लगातार काम कर रहे हैं।

अभिभाजित राजनांदगांव जिला नक्सल प्रभावित जिला है, जहां नक्सलियों की धमक रही है। इसे नक्सल मुक्त जिला बनाने की ओर लगातार काम किया जा रहा है। बीते लगभग एक साल में 12 से ज्यादा कैंप खोले गए हैं और नक्सल उन्मूलन के तहत काम किया जा रहा है। राजनांदगांव रेंज आईजी दीपक कुमार झा ने बताया कि राजनांदगांव रेंज के मोहला मानपुर, राजनांदगांव, कवर्धा, खैरागढ़ नक्सल प्रभावित जिलों में आते हैं। जिनमें मोहला मानपुर अति संवेदनशील प्रभावित जिले में शामिल है। हमारे बॉर्डर की जो जिले हैं मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के यह भी नक्सल प्रभावित जिले इन सभी चीजों को देखते हुए इस साल जो सभी जिलों में हमारे पहले से कैंप जो कैंप थे उनको उचित संसाधनों से नए जगहों पर स्थापना की है। ताकि इनके माध्यम से नक्सल विरोधी अभियान को और अच्छे से चला सके।

दीपक कुमार झा ने बताया कवर्धा जिले में 7 नए कैंप बॉर्डर इलाकों में खोले गए हैं। खैरागढ़ जिले में बगरझोला में आईटीबीपी कैंप खोला गया है। राजनांदगांव जिले में कोठीटोला में कैंप खोला गया है। मोहला मानपुर में तीन इस तरीके से पुराने कैंपों की नवीन स्थापना की गई है। एक तरफ नक्सल विरोधी अभियान चलाया जा रहा है और दूसरी तरफ कैंप भी खोले जा रहे हैं, जिससे विकास के काम हो रहे हैं। कम्यूनिटी पुलिसिंग का काम किया जा रहा है। लोगों का विश्वास पुलिस पर ज्यादा हो रहा है। गांव वाले सीआरपीएफ से अपनी समस्याएं बता रहे हैं। आने वाले समय में और कैंप खोले जायेंगे।

शहीद परिवारों के सम्मान के साथ दीपावली की शुरुआत

विधायक चंद्राकर हुए शामिल, बोले- कानून व्यवस्था बेहतर

बालोद। बालोद जिले में एक ऐसा गांव है जहां पर दीपावली की शुरुआत शहीद परिवारों के साथ की जाती है। हम बात कर रहे हैं ग्राम धनेली का यहां पर धनतेरस के दिए सहित परिवारों के साथ मिलकर चलाए जाते हैं और यह अनोखी परंपरा पिछले लगभग 6 वर्षों से चली आ रही है आयोजक समिति के सदस्यों की माने तो इस आयोजन का उद्देश्य है उन सहित परिवारों का सम्मान करना जिनके घर के दिए बुझ चुके हैं उनको हम अपनेपन का हिसाब दिलाते हैं कि यदि उनके परिवार का कोई सदस्य देश की सेवा में अपनी जान गवा बैठा है तो हम उनके परिवार हैं इस आयोजन में दुर्गा के विधायक ललित चंद्राकर शामिल हुए उन्होंने कहा कि यह अपने आप में एक अच्छी परंपरा है और मुझे जाकर काफी अच्छा लगा आपको बता दें कि यहां पर सैनिकों का भी सम्मान ग्रामीणों की तरफ से किया गया।

विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि यह एक अच्छी सोच की परिचायक है देश की सेवा में तट पर जवानों के परिवारों को अकेलापन महसूस ना हो इसके लिए यह आयोजन नील का पत्थर साबित हो रहा है ग्रामीणों ने साथ मिलकर शहीदों के परिजनों और सैनिकों के साथ मिलकर धनतेरस के दीपक जलाए हैं और उनका भव्य सम्मान किया जा रहा है यह सीना चौड़ा करने वाला विषय है तो वहीं बालोद जिला भाजपा अध्यक्ष

पवन साहू ने कहा कि अपनों के साथ तो दिवाली हर कोई मानता है परंतु जब देश के जवानों के साथ त्यौहार मनाने का अवसर मिले तो उसकी बात की कुछ और है और कुछ ऐसा ही आज हमें यहां आकर महसूस हो रहा है।

भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य कृष्णकांत पवार ने कहा कि बालोद जिले में ये पहला गांव है जहां इस तरह की पहल की गई है और बालोद जिले के इस गांव में एक अपनत्व का एहसास हो रहा है और ये अपने आप में गौरवशाली क्षण है आप सब की एकजुटता देश प्रेम को प्रदर्शित कर रही है वहीं आयोजक दुर्गानंद साहू ने कहा कि हमारे गांव के इस पहल की साक्षी आप सब बन रहे हैं युवाओं के सोच के परिणाम सवारियों यह सफल हो पाया है और आज एक भव्य आयोजन का स्वरूप ले चुका है, जिला पंचायत सदस्य ललिता साहू ने कहा कि ये वो अवसर है जहां हम देश के सभी शहीदों और उनके परिवार को याद करते हैं।

प्रदेश में कानून व्यवस्था को लेकर कांग्रेस हमलावर है ऐसे में दुर्ग विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि कांग्रेस बेवजह सरकार को बदनाम करने बहाने बना रही है जबकि मुख्यमंत्री और गृह मंत्री के नेतृत्व में पूरे प्रदेश में कानून व्यवस्था बेहतर हुआ है और यहां पर कांग्रेस के पास कोई मुद्दा नहीं है।

सैनिक सम्मान और शहीद परिवारों के साथ त्यौहार की शुरुआत के साथ ही यहां पर रात्रिकालीन रंग झरोखा कार्यक्रम भी रखा गया था जहां पर लोगों ने रात भर कार्यक्रम का आनंद लिया इस दौरान यहां पर युवाओं को नृत्य कला के लिए मंच भी उपलब्ध कराया गया था इस आयोजन में दुर्गानंद साहू ने विशेष योगदान दिया उनके साथ प्रीतम साहू पिमन साहू सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

हाथी प्रभावित गांव के ग्रामीणों ने कलेक्ट्रेट में दिया धरना

राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन, फसलों और जन हानि को लेकर रखी मांगें

गरियाबंद। मैनपुर रेंज में हाथियों के आतंक से प्रभावित गांवों के आदिवासी समुदाय के सैकड़ों लोगों ने आज ट्रैक्टर रैली के माध्यम से गरियाबंद मुख्यालय पहुंचकर कलेक्टोरेट के सामने धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपकर फसल क्षति के लिए प्रति एकड़ 75 हजार रुपये मुआवजे और जन हानि के लिए 1 करोड़ रुपये की मांग की।

आदिवासी समुदाय के लगभग 200 लोग, अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद के बैनर तले, अध्यक्ष उमेंदी कोर्राम और महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष लोकेश्वरी नेताम के नेतृत्व में धरने पर बैठे। उन्होंने एसडीएम राकेश गोलछा को ज्ञापन सौंपा, जिसमें कच्चे घरों को नुकसान पहुंचाने वाले हाथियों के कारण बढ़ी समस्या का समाधान मांगा गया।

ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि पीएम आवास योजना के तहत प्रत्येक परिवार को 5 लाख रुपये मंजूर किए जाएं। इसके साथ ही, मैनपुर रेंज के जिडार इलाके को सोनाबेड़ा अभ्यारण्य का हिस्सा बताने वाले गूगल मैप को सही करने की मांग की गई है।

पिछले डेढ़ महीने से 45 हाथियों ने इस क्षेत्र में स्थायी रूप से डेरा जमा लिया है, जिससे प्रभावित गांवों में काफी उत्पात मच रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि विभाग की अनदेखी के चलते वे मदद की गुहार लगाते रहे हैं, लेकिन केवल कागजी कार्यवाही से उनकी समस्याएं हल नहीं हुई हैं।

इस धरने के माध्यम से आदिवासी समुदाय ने अपनी हक की लड़ाई लड़ने की ठानी है। जहां एक ओर पूरा देश दीपावली मनाने में व्यस्त है, वहीं दूसरी ओर ये संकट में पड़े आदिवासी परिवार अपने अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

जशपुर पर्यटन के क्षेत्र में ले रहा नया रूप

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के सार्थक पहल से जशपुर जिला पर्यटन के क्षेत्र में नया रूप ले रहा है। इसके साथ ही व्यापक स्तर पर एडवेंचर और इको-टूरिज्म को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने टूरिज्म को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ही विगत दिवसों में मायली नेचर कैंप में सरगुजा क्षेत्र विकास प्राधिकार की पहली बैठक आयोजित किए है। छत्तीसगढ़ का जशपुर जिला सुंदर वादियों और नदी पहाड़ झरना से परिपूर्ण खूबसूरत और समृद्ध सांस्कृतिक धरोहरों में से एक है अब जिला तेजी से पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बनता जा रहा है। यहां के घने जंगल, पर्वतीय क्षेत्र, और अनोखी आदिवासी संस्कृति ने जशपुर को एक विशेष पहचान दिलाई है। जिला प्रशासन द्वारा पर्यटन के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए विशेष प्रयास किया जा रहा है। जहां विगत दिवस 4 दिवसीय देश देखा में जम्बूरी उत्सव का आयोजन किया गया है । जहां बड़ी संख्या में युवाओं ने यहां पर्यटन का आनंद लिया नजदीक से जशपुर की लोकल संस्कृति परम्परा और कर्मा नृत्य का अनुभव जाना।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

अब कावड़गांव और मुतवेन्डी में भी बजेगी मोबाइल की घण्टी

बीजापुर। बीजापुर जिले के संवेदनशील कांवड़गांव और मुतवेंडी में दीपावली के अवसर पर संचार सेवा विस्तार करते हुए मोबाईल टॉवर स्थापित कर दिया गया हैं। अब इन गांवों में भी मोबाईल की घण्टी बजनी शुरू हो जाएगी। बीजापुर जिले के संवेदनशील कांवड़गांव व मुतवेंडी गांव में दीपावली के अवसर पर संचार सुविधा का विस्तार करते हुए जिओ का मोबाइल टॉवर प्रारंभ किया गया है। इस पहल से अब इन गांवों के ग्रामीणों को मोबाइल नेटवर्क का लाभ मिलना संभव होगा। पुलिस व प्रशासन द्वारा उठाये गए इस महत्वपूर्ण कदम से इन क्षेत्रों में अब संचार की सुविधा बहाल हो चुकी है। इन गाँवो में अब स्थानीय ग्रामीणों आसानी से लोगों से संपर्क स्थापित कर पाएंगे। साथ ही कांवड़गांव व मुतवेंडी में सुरक्षा की दृष्टि से कैम्प की स्थापना भी की गई है। इससे न केवल सुरक्षा व्यवस्था में सुधार आया है, बल्कि सड़क मार्ग और आवागमन की सुविधा भी बहाल की गई है। जिससे इन क्षेत्रों का बाहरी संपर्क मजबूत हुआ हैं।

दिवाली में दंतेश्वरी मां करती हैं रोगों का नाश

दंतेवाड़ा। दंतेश्वरी मां की महिमा पूरे विश्व में विख्यात है। दिवाली के दिन इस मंदिर में विशेष पूजा अर्चना होती है। दशहरा पर्व में जगदलपुर से मां दंतेश्वरी की डोली दंतेवाड़ा लौटती है। उसके 9 दिन बाद दीपावली की शुरुआत होती है। तुड़पा समाज का सेवादार दिवाली से 9 दिन पहले से ही मां दंतेश्वरी सरोवर से रात के तीसरे पहर में पानी लाने के लिए निकल जाता है। मिट्टी के घड़े में दंतेश्वरी सरोवर से पूजा अर्चना कर 12 लकवारों के साथ जल जाता है। परंपरा मुताबिक कतियार राउत समाज के लोग जंगल से जड़ी बूटी खोजकर लाते हैं। लाई गई जड़ी बूटी को मिट्टी के हांडी में हल्की आंच पर उबाला जाता है। फिर उबाले गए जल को छानकर मां के स्नान के लिए लाए गए पानी में मिलाया जाता है। इसी जड़ी बूटी वाले पानी से मां को स्नान कराकर इसी पानी से दवाई बनाई जाती है। औषधि बनने के बाद सभी 12 लंकवार सेवादारों को मिट्टी की हांडी में ये दवा पीने के लिए परोसी जाती है। मान्यता है कि बांटी गई दवा से हर गंभीर बीमारी जड़ से खत्म हो जाती है।

वर्दी की आड़ में गांजा तस्करी जीआरपी के 4 आरक्षक गिरफ्तार

बिलासपुर। वर्दी की आड़ में युवक से गांजा तस्करी कराने वाले जीआरपी के चार आरक्षकों को साइबर थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इसमें से दो आरक्षकों को जेल भेज दिया गया है। वहीं दो आरक्षकों को पुलिस रिमांड में लेकर पूछताछ कर रही है। जानकारी के मुताबिक बीते 24 अक्टूबर को जीआरपी ने रेलवे स्टेशन में 20 किलो गांजा के साथ जबलपुर निवासी योगेश सोंधिया और खरीददार चित्रकूट निवासी रोहित द्विवेदी को पकड़ा था। पुलिस मुख्यालय से मामले की डायरी जांच के लिए बिलासपुर पुलिस अधीक्षक कार्यालय भेजी गई। बिलासपुर एसपी रजनेश सिंह के निर्देश पर साइबर थाना पुलिस ने जांच शुरू की और गांजा तस्करी के आरोप में पकड़े गए योगेश सौंधिया व रोहित द्विवेदी से सख्ती से पूछताछ की। योगेश सोंधिया ने बताया कि वह पिछले एक साल से शहर में किराए के मकान में रह रहा है और जीआरपी थाना के आरक्षक लक्ष्मण गाइन, सौरभ नागवंशी, संतोष राठौर व मन्नू प्रजापति के कहने पर ओडिशा से गांजा लाकर रेलवे स्टेशन में गांजा बेचता है।

बस्तर के सरहदी इलाके में हो रही गांजे की तस्करी

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के जगदलपुर जिले के नगरनार थाना पुलिस ने स्कूटी पर गांजा तस्करी कर रहे तस्कर को गिरफ्तार किया है। बता दें, प्रदेश को नशामुक्त बनाने के लिए पुलिस लगातार तस्करों के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई कर रही है। इसी बीच पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी जिसके आधार पर यह कार्रवाई की गई और आरोपी के कब्जे से 20.915 किलो गांजा जब्त किया गया है। जानकारी के अनुसार, नगरनार थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि एक लाल रंग की स्कूटी नंबर ओडी 10डब्ल्यू 9835 में ओडिशा से जगदलपुर की ओर गांजा तस्करी करने के लिए लेजाया जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस ने चोकावाड़ा रेलवे क्रॉसिंग के पास नाकाबंदी कर स्कूटी को रोककर की तलाशी ली जिसमें 20।915 किलो में गांजा बरामद हुआ। इसकी कीमत बाजार में लगभग 2 लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने गांजा जब्त कर तस्कर कमलोचन को गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जेल भेज दिया है।

धर्मांतरण के मुद्दे पर आदिवासी बहुल गांव में मचा बवाल

दंतेवाड़ा। धर्मांतरण के मुद्दे पर कुआकोंडा ब्लॉक के श्यामगिरी गांव में दो पक्षों के बीच मारपीट हो गया। घटना में विशेष समुदाय के चार लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिनमें दो महिलाएं शामिल हैं। स्थिति को देखते हुए गांव में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। फिलहाल, गांव में स्थिति नियंत्रण में है। जानकारी के अनुसार, गांव में धर्मांतरण के विरोध में बैठक रखी गई थी, जिस पर गांव में विवाद शुरू हो गया। एक गुट ने दूसरे गुट के सदस्यों पर हमला कर दिया, जिसमें चार लोग बुरी तरह से घायल हुए हैं, जिनमें दो महिलाएं शामिल हैं। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस बल गांव के लिए भेजा गया, लेकिन जवानों की कम संख्या देख ग्रामीणों ने उपद्रव मचाना शुरू कर दिया। इस पर आंसू गैस और तमाम सुरक्षा सामग्रियों के साथ बड़ी संख्या में जवानों को तैनात कर घायलों को गांव से बाहर निकालकर उपचार के लिए भेजा गया। फिलहाल, स्थिति नियंत्रण में बताई जा रही है। घटना की जानकारी देते हुए दंतेवाड़ा एसपी ने बताया दो पक्षों में विवाद की बात सामने आई थी।

अस्पताल में बिल भुगतान को लेकर हुआ विवाद

- **परिजनों ने जमकर हंगामा करते हुए की तोड़फोड़**

कोरबा। कोरबा न्यू कोरबा हॉस्पिटल (एनकेएच) में मंगलवार की देर रात उस समय तनावपूर्ण स्थिति बन गई, जब एक मरीज के परिजनों ने अस्पताल में बकाया बिल का भुगतान को लेकर हंगामा करते हुए तोड़फोड़ शुरू कर दी। बताया जा रहा है कि कुछ दिनों पहले कटघोरा थाना अंतर्गत रजकम्मा मुख्य मार्ग पर कार और बाइक में भिड़ंत होने के बाद कार सवार एक महिला की मौत हो गई थी। वहीं, बाइक सवार घायल था। जिसका कोरबा के न्यू कोरबा हॉस्पिटल में इलाज जारी था।

बिल भुगतान को लेकर परिजनों का अस्पताल प्रबंधन के कर्मचारियों के साथ विवाद हुआ। प्रबंधन के अनुसार, मरीज के इलाज का लगभग ढाई लाख रुपये का बिल बकाया था, जिसे चुकाने से मरीज के परिजन बचना चाह रहे थे। इस मुद्दे को लेकर हंगामा बढ़ा और इस दौरान परिजनों ने अस्पताल में

तोड़फोड़ की, जिससे वहां अफरा-तफरी का माहौल बन गया। अस्पताल प्रशासन ने इस घटना को लेकर सिविल लाइन थाना पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

एनकेएच के डायरेक्टर डॉ. एस. चंदानी ने बताया कि मरीज को 21 अक्तूबर को कटघोरा में एक सड़क हादसे में कटघोरा निवासी प्रकाश सिंह को गंभीर स्थिति में अस्पताल में भर्ती कराया गया था। दुर्घटना के बाद से ही मरीज की हालत नाजुक थी। यदि उसे तुरंत इलाज न मिलता, तो जान जाने का खतरा था। एनकेएच में भर्ती होने के बाद मरीज की स्थिति में काफी सुधार हुआ था और उसका स्वास्थ्य पहले से बेहतर हो चुका था।

डॉ. चंदानी के अनुसार, मरीज के परिजन अब उसे दूसरे अस्पताल में रेफर करने की मांग कर रहे थे और अस्पताल प्रबंधन उनकी इस मांग को मानने के लिए तैयार था। लेकिन जब उन्हें बताया गया कि रेफर करने की प्रक्रिया में कुछ समय लगेगा और पहले बकाया राशि का भुगतान करना जरूरी है तो वे उग्र हो गए। अस्पताल प्रबंधन ने परिजनों को समझाने की कोशिश की, लेकिन इसके बावजूद परिजनों ने अस्पताल में हंगामा किया और आवश्यक कागजी कार्रवाई के दौरान तोड़फोड़ की। इसके बाद वे मरीज और उसकी इलाज संबंधी फाइलें लेकर चले गए। इस मामले की शिकायत सिविल लाइन थाना पुलिस से की गई है वहीं पुलिस सीसीटीवी फुटेज और वीडियो के आधार पर आगे जांच कार्रवाई कर रही है।

पत्नी की याचिका पर हाईकोर्ट ने सुनाया तलाक पर फैसला

बिलासपुर। बिलासपुर में हाईकोर्ट ने पत्नी द्वारा धार्मिक आस्था का सम्मान न करने पर पति को तलाक लेने का अधिकारी माना है। कोर्ट ने पाया कि पत्नी द्वारा हिंदू पति के धार्मिक अनुष्ठानों और देवी देवताओं का उपहास किया जा रहा था। इसलिए कोर्ट ने पत्नी की अपील खारिज कर दी।

फैमिली कोर्ट ने पति का तलाक आवेदन स्वीकार किया था। पत्नी ने इसके खिलाफ हाईकोर्ट में अपील की। प्रकरण के अनुसार मध्यप्रदेश के डिंडोरी जिले के अंतर्गत करंजिया निवासी युवती ईसाई धर्म को मानने वाली है। उसने गाँधी नगर बिलासपुर निवासी युवक से 7 फरवरी 2016 को हिन्दू रीति रिवाज से विवाह किया था। शादी के कुछ माह बाद से ही पत्नी ने हिंदू रीति रिवाजों और देवी देवताओं का उपहास करना शुरू

कर दिया।

विकास दिल्ली में नौकरी कर रहा था। कुछ माह वहां साथ रहने के बाद वह वापस बिलासपुर आ गई और सेंट जेवियर्स स्कूल में अध्यापिका के रूप में कार्य करने लगी। उसने बाद में वापस ईसाई धर्म अपनाकर चर्च जाना शुरू कर दिया था। इन सब बातों से व्यथित होकर पति ने फैमिली कोर्ट बिलासपुर में तलाक के लिये आवेदन प्रस्तुत किया। सुनवाई के बाद कोर्ट ने 5 अप्रैल को विकास को तलाक की अनुमति देते हुए उसके पक्ष में डिक्री पारित कर दी। इस आदेश को पत्नी ने हाईकोर्ट में अपील कर चुनौती दी। जस्टिस रजनी दुबे और जस्टिस संजय जायसवाल की डिवीजन बेंच में सुनवाई हुई।

सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने कहा कि अपीलकर्ता पत्नी ने खुद स्वीकार किया है कि पिछले 10 वर्षों से उसने किसी भी तरह की पूजा नहीं की है। इसके बजाय वह प्रार्थना के लिए चर्च जाती है। पति ने बताया कि अपीलकर्ता पत्नी ने बार-बार उसकी धार्मिक मान्यताओं को अपमानित किया। ट्रायल कोर्ट द्वारा दर्ज निष्कर्ष हिंदू विवाह अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार हैं, और इसमें किसी हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

राज्यपाल डेका को मुख्यमंत्री साय ने दीपावली की दी शुभकामनाएं

रायपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका से आज यहां राजभवन में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने मुलाकात कर दीपावली की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। राज्यपाल श्री डेका ने भी उन्हें दीपोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं दी।

राज्य स्थापना दिवस पर जिला मुख्यालयों में होंगे दीप प्रज्वलन

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर 01 नवंबर को सभी जिला मुख्यालयों में एवं प्रमुख नगरों में दीप प्रज्वलन किया जाना है। इस अवसर पर सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय, रायपुर ने कलेक्टरों को जारी परिपत्र में कहा है कि नागरिकों से अपने घरों में राज्य स्थापना दिवस को दृष्टिगत रखते हुए दीप प्रज्वलन करने के लिए अपील करना सुनिश्चित करें।

राज्योत्सव एवं राज्य अलंकरण समारोह 4 से 6 नवंबर तक

रायपुर। नवा रायपुर अटल नगर के राज्योत्सव मेला ग्राउण्ड में 4 से 6 नवंबर तक आयोजित होने वाली राज्योत्सव एवं राज्य अलंकरण समारोह 2024 में रायपुर से राज्योत्सव स्थल तक आने वाले यात्रियों के आवागमन की सुविधा के लिए क्रकञ्रस् बसों की सुविधा प्रदान की गयी है। इसके अंतर्गत रायपुर-नवा रायपुर के मध्य संचालित की जाने वाली बीआरटीएस बसों को स्पेशल ड्यूटी अंतर्गत रायपुर रेलवे स्टेशन-डीकेएस भवन-तेलीबांधा-सीबीडी होते हुए राज्योत्सव मेला ग्राउण्ड तक जाने और वापसी में राज्योत्सव मेला ग्राउण्ड से सीबीडी- तेलीबांधा-डीकेएस भवन-रेलवे स्टेशन के लिये बीआरटीएस बसों का संचालन किया जायेगा। यह बसें रायपुर से प्रातः 11 बजे से रात्रि के 9 बजे तक प्रत्येक आधे घण्टे के अंतराल में चलेंगी। राज्योत्सव मेला ग्राउण्ड से रायपुर वापसी हेतु दोपहर 12.12 बजे से रात्रि के 11.12 बजे तक प्रत्येक आधे घण्टे के अंतराल में बीआरटीएस बसे उपलब्ध होगी।

मुख्यमंत्री के दीपावली मिलन समारोह में परिवार सहित शामिल हुए अंजय शुक्ला

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा

मुख्यमंत्री निवास में आयोजित दीपावली मिलन समारोह में भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य व बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ के प्रदेश संयोजक श्री अंजय शुक्ला परिवार सहित शामिल हुए और मुख्यमंत्री साय को दीपावली की शुभकामनाएं दी।

छोटी दीवाली के दिन महंगा हुआ सोना, कीमत पहुंचा 82,200

रायपुर। अगर, आप सोना खरीदने की सोच रहे हैं, तो आपको आज सोना रायपुर में प्रति दस ग्राम 82,200 रुपए पर मिलेगा। ये दोपहर की कीमत है,मतलब छोटी दीवाली के दिन सोना एक फिर महंगा हो गया और अब तक की सर्वाधिक ऊंचाई पर पहुंच गया है। हालांकि कारोबारी कहते हैं कि महंगे कीमत पर भी सोना खरीद कर आप घाटे में नहीं रहेंगे।सोने में इनवेस्ट एक बहुत अच्छा ऑप्शन है, क्योंकि यह रिस्क फ्री रिटर्न की गारंटी देता है। भारत में त्योहार के सीजन में सोने की खरीददारी बढ़ने से कीमत बढ़ जाती है। ऐसे में आपके लिए, सोने में इनवेस्टमेंट करना फायदेमंद हो सकता है। वैसे दीपावली शुभ मुहूर्त की खरीदी से सराफा बाजार गुलजार है।

वाणिज्य उद्योग और श्रम मंत्री देवांगन ने दी दीपावली की बधाई और शुभकामनाएं

रायपुर। वाणिज्य उद्योग और श्रम मंत्री श्री लखन लाल देवांगन ने

दीपावली की प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी है। इस दौरान मंत्री श्री देवांगन ने सभी की सुख-शांति और समृद्धि की कामना की है। उन्होंने सुख, समृद्धि और संपन्नता के प्रतीक दीपावली के पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुये कहा कि माँ लक्ष्मी और भगवान गणेश के आशीर्वाद से सभी के जीवन में सुख समृद्धि, शांति एवं आरोग्य का संचार हो। उन्होंने कहा कि दीपावली का पर्व मर्यादा, सत्य एवं सद्भावना का भी संदेश देता है। दीपावली का पर्व बुराई पर अच्छाई और अंधकार पर प्रकाश की विजय का प्रतीक है। दीपावली का यह पर्व हम सबके जीवन को प्रकाशमय करे इसकी भी उन्होंने कामना की है।

मिठाई दुकान में आग लगने से मचा हड़कंप

रायपुर। राजधानी के फाफाडीह स्थित एक मिठाई दुकान में आग लगने से इलाके में हड़कंप मच गया है। घटना की सूचना पर फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची है और आग पर काबू पाने की कोशिश कर रही है। बताया जा रहा कि खोडियार मिठाई दुकान के दूसरे माले पर आग लगी है। पुलिस भी मौके पर पहुंची है। आग बुझाने का काम जारी है।

प्रदीप उपाध्याय आत्महत्या मामले में गरमाई राजनीति

कांग्रेस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दोषियों पर की कार्रवाई की मांग, ब्राह्मण समाज ने राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन

रायपुर। कलेक्टर कार्यालय राजस्व विभाग में पदस्थ क्लर्क प्रदीप उपाध्याय ने 28 अक्टूबर को फांसी लगाकर आत्महत्या किया था। आत्महत्या करने से पहले मृतक ने एक सुसाइड नोट लिखा, जिसमें उन्होंने विभाग के तीन अधिकारियों तत्कालीन एडीएम गजेंद्र ठाकुर, वीरेंद्र बहादुर सिंह और एडीएम देवेंद्र पटेल पर प्रताड़ना का आरोप लगाया। इस आत्महत्या के बाद ब्राम्हण समाज में रोष हैं। आज मामले को लेकर सर्व ब्राम्हण समाज ने राजभवन पहुंचकर राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मृतक के पास से मिले सुसाइड नोट का हवाला देते हुए वरिष्ठ अधिकारियों पर प्रताड़ना का आरोप लगाया गया है। वहीं इस मामले में सियासत भी गरमा गई है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और पीसीसी चीफ दीपक बैज ने प्रेस वार्ता कर सरकार पर जमकर निशाना साधा है।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का बयान

इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि राज्य में अलग-अलग समाजों को प्रताड़ित किया जा रहा है। उन्होंने कहा, पहले सतनामी, आदिवासी फिर साहू और अब ब्राह्मण समाज को प्रताड़ित किया जा रहा है। भूपेश बघेल ने प्रदीप उपाध्याय के सुसाइड नोट का संदर्भ देते हुए कहा कि लगातार कई जिलों में कस्टोडियल डेथ हो रही है। उन्होंने इस सरकार को निकम्मी बताते हुए कहा कि उन्हें पद में बने रहने का कोई हक नहीं है।

पीसीसी चीफ दीपक बैज का बयान

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने भी मामले में रायपुर कलेक्टर को हटाने की मांग की है। प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने कहा कि प्रदीप उपाध्याय को लगातार प्रताड़ित किया जा रहा था और इस संबंध में उन्होंने कलेक्टर को भी जानकारी दी थी। लेकिन कलेक्टर ने फिर भी कोई कार्रवाई नहीं की। दीपक बैज ने कहा, जो कलेक्टर अपने कर्मचारी को न्याय नहीं दे सकता, वो आम लोगों को क्या न्याय देगा।

सुसाइड नोट में लिखी ये बात

प्रदीप उपाध्याय ने अपने सुसाइड नोट में लिखा, 'मैं प्रदीप उपाध्याय पूरे होश हवास में यह आत्महत्या पत्र लिख रहा हूं। मुझे पूरी उम्मीद है कि जिन अधिकारियों का नाम है। उन्हें भाजपा सरकार या तो कांग्रेस पार्टी जरूर सजा दिलाएगी। मैं पूरी ईमानदारी कर्तव्य निष्ठा से अपना कार्य कर रहा था।'

'मुझे डायवर्सन शाखा के साथ राजस्व आपदा का काम सौंपा गया था। मुझे परेशान करने के लिए देवेंद्र पटेल तत्कालीन स्छ्ह रायपुर आज दिनांक में कलेक्ट्रेट रायपुर में,छ्रह है। गजेंद्र ठाकुर अपर कलेक्टर के साथ मिलकर मुझे नजीर शाखा में अतिरिक्त कार्य सौंपा गया।'

'मैं अपना काम निष्ठा से कर रहा था, लेकिन अधिकारियों तत्कालीन,छ्रह गजेंद्र ठाकुर, तत्कालीन,छ्रह वीरेंद्र बहादुर और स्छ्ह देवेंद्र पटेल ने किसी नेता से मेरी फर्जी शिकायत कराकर मेरा खरोरा ट्रांसफर कर दिया। हर अधिकारी से मेरी बुराई की गई। जिससे कलेक्टर के सामने मेरी छवि खराब की गई।'

'लेकिन मेरी शिकायत प्राप्त नहीं होने पर देवेंद्र पटेल और गजेंद्र ठाकुर द्वारा भूमिका बनकर किसी नेता से तत्कालीन कलेक्टर को फोन कर शिकायत कराई गई। मुझे खरोरा ट्रांसफर कर दिया गया। देवेंद्र पटेल द्वारा किसी न किसी रूप से मुझे परेशान किया गया। मेरे खिलाफ बार-बार हर अधिकारी के पास मेरी बुराई की।'

मारवाड़ी युवा मंच व जागृति शाखा ने जरूरतमंद बच्चों के बीच मनाई दिवाली

जांजगीर। मारवाड़ी युवा मंच एवं जागृति शाखा नैला जांजगीर द्वारा हर वर्ष के भांति इस बार भी जरूरतमंदों के साथ दीपावली का पर्व आनंद सबके लिए कार्यक्रम के तहत राम सागर बस्ती में मनाया गया। इस दौरान मंच के सदस्यों के द्वारा बस्ती के बच्चों को मिठाई, चॉकलेट एवं पटाखों का वितरण किया गया।

इस अवसर पर मंच के निवृत्तमान अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य अमर सुल्तानिया ने कहा कि दीपावली खुशियों का त्यौहार है भेद भाव को मिटाकर आपसी प्रेम, भाईचारा और सौहार्द्र बढ़ाने वाले इस महत्वपूर्ण अवसर पर जरूरतमंदों के चहरे पर मुस्कान लाना और दीपावली की खुशियां बांटना हमारा उद्देश्य है। इस उत्साह के पर्व को सभी साथ मिलकर मनाये और सभी का जीवन उत्साह, उमंग की रौशनी से सराबोर हो यही हमारी कामना है। अमर सुल्तानिया ने बताया कि देश भर के 800 शाखाओं एवं प्रदेश के 75 शाखाओं के द्वारा आनंद सबके लिए, कार्यक्रम के तहत जरूरतमंदों के चेहरे पर मुस्कान लाने कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है।

आनंद सबके लिए कार्यक्रम के तहत रामसागर बस्ती में जरूरतमंदों के बच्चों के बीच मंच के निवृत्तमान अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य अमर सुल्तानिया, प्रांतीय उपाध्यक्ष कार्यालय विकांत अग्रवाल, शाखा अध्यक्ष अखिल बंसल, सचिव आकाश सिंघानिया, कोषाध्यक्ष नवदीप गुप्ता, रक्तदान संयोजक हिमांशु अग्रवाल, नारी चेतना के प्रांतीय चेयरमेन सुनिता मोदी आदि उपस्थित रहे।

राज्य स्थापना दिवस के लिए मुख्य अतिथियों की सूची जारी

मुख्यमंत्री साय रायपुर में मुख्य अतिथि के रूप में होंगे शामिल

रायपुर। राज्य स्थापना दिवस, 2024 के अवसर पर 05 नवम्बर को जिला मुख्यालयों में होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों में छत्तीसगढ़ के प्रत्येक जिले में मुख्य अतिथिगण शामिल होंगे। इस क्रम में रायपुर जिले में होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय उपस्थित रहेंगे। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में केंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू, बिलासपुर में उप मुख्यमंत्री श्री अरूण साव, बस्तर में उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा, राजनांदगांव से विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, सरगुजा में मंत्री श्री रामविचार नेताम, महासमुंद में मंत्री श्री दयालदास बघेल, दुर्ग में मंत्री श्री केदार कश्यप, कोरबा में मंत्री श्री लखन लाल देवांगन, बलौदाबाजार-भाटापारा में मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

इसी प्रकार जांजगीर-चांपा जिले के कार्यक्रम में मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी, बलरामपुर-रामानुजगंज में मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, सारंगढ़-बिलाईगढ़ में मंत्री श्री टंकराम राम वर्मा, गरियाबंद में सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल, बालोद में सांसद श्री विजय बघेल, खैरागढ़-गंडई-छुईखदान में सांसद श्री संतोष पाण्डेय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

जशपुर जिले के कार्यक्रम में सांसद श्री चिंतामणी महाराज, बेमेतरा में सांसद श्रीमती रूप कुमारी चौधरी, रायगढ़ में सांसद श्री राधेश्याम राठिया, सक्ति में सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े, दंतेवाड़ा में सांसद श्री महेश कश्यप, कांकेर में सांसद श्री भोजराज नाग, नारायणपुर में सांसद श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह, मुंगेली में विधायक श्री पुन्नु लाल मोहले, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में विधायक श्री धरमलाल कौशिक उपस्थित रहेंगे।

इसी प्रकार कबीरधाम में विधायक श्री अमर अग्रवाल, धमतरी में विधायक श्री अजय चन्द्राकर, कोरिया में विधायक श्रीमती रेणुका सिंह, सूरजपुर में विधायक श्री भैया लाल राजवाड़े, कोण्डागांव में विधायक सुश्री लता उसेंडी, बीजापुर में विधायक श्री विक्रम उसेंडी, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में विधायक श्री राजेश मूणत तथा सुकमा जिले में विधायक श्री किरण देव राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

टीबी के मरीजों के लिए एनजीओ की पहल दूरस्थ इलाकों में मौके पर ही होगी जांच

रायपुर। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया यानी फाउंडेशन ने स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों और स्थानीय एनजीओ स्कूल के साथ साझेदारी में, रायपुर, छत्तीसगढ़ में तपेदिक यानी टीबी रोगियों के लिए स्वास्थ्य और पोषण के लिए पहल की है। टीबी रोगियों को पोषण संबंधी भोजन की टोकरी का वितरण और तेजी से निदान सहायता के लिए एआई-संचालित हैंडहेल्ड चेस्ट एक्स-रे मशीन सेवा की शुरुआत की गई है।

खाद्य टोकरी वितरण कार्यक्रम का उद्देश्य टीबी रोगियों की पोषण संबंधी आवश्यकताओं का समर्थन करना है, क्योंकि उचित पोषण प्रतिरक्षा को मजबूत करने और पुनर्प्राप्ति में सहायता के लिए महत्वपूर्ण है। टोकरियों में टीबी के उपचार से गुजर रहे रोगियों की आहार संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए सावधानीपूर्वक तैयार किए गए आवश्यक खाद्य पदार्थ होते हैं, जिनमें मरीज के लिए कैलोरी रहती है।

टीबी की शीघ्र पहचान और निदान को बढ़ाने के लिए एआई-सक्षम हैंडहेल्ड चेस्ट एक्स-रे उपकरण भी बांटे गए हैं। इन पोर्टेबल, एआई-संचालित मशीनों को ग्रामीण और वंचित क्षेत्रों में इस्तेमाल किया जा सकता है।इन मशीनों से तत्काल एक्सरे प्राप्त हो सकते हैं।

मुख्य अतिथि संजय प्रकाश प्रबंध निदेशक, एसबीआई फाउंडेशन, कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ गौरव कुमार सिंह, जिला कलेक्टर, रायपुर और विशेष अतिथि विश्वदीप, जिला पंचायत सीईओ रायपुर और डॉ मिथिलेश चौधरी मुख्य चिकित्सा की उपस्थिति में इस कार्यक्रम को आयोजित किया गया था।

दीपका वासरी के कर्मचारियों ने बोनस को लेकर किया काम बंद

कोरबा। कोरबा में दीपका एसीबी इंडियन लिमिटेड दीपका वासरी के कर्मचारियों ने अपनी बोनस को लेकर काम बंद हड़ताल शुरू कर दिया वासरी के कर्मचारियों का कहना है कि हर वर्ष त्यौहार उत्सव दीपावली दशहरा होली की बोनस समय से पहले वितरण एसीबी कंपनी द्वारा कर दिया जाता था लेकिन दीपावली सर पर है और अब तक एसीबी कंपनी ने बोनस को लेकर आनाकानी किया जा रहा है जिसको लेकर एसीबी इंडियन लिमिटेड दीपिका वासरी कंपनी के कर्मचारियों ने में गेट पर काम बंद कर प्रदर्शन करने लगे उनका कहना है कि जब तक बोनस वितरण नहीं हो जाता तब तक काम बंद कर कर रखेंगे।

एसीबी इंडियन लिमिटेड दीपका वासरी कंपनी के कर्मचारियों ने काम बंद हड़ताल शुरू किया इसकी सूचना छत्तीसगढ़ ठेका कामगार यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष संतोष चौहान ने समर्थन करते हुए कहा कि जायज मांग है इनकी इनके परिवार के दीपावली त्योहार के उत्सव पर बोनस का वितरण कंपनी द्वारा नहीं किया जा रहा है और जब तक बोनस वितरण नहीं हो जाता तब तक इनकी काम बंद हड़ताल को पूरा समर्थन रहेगा।

एसईसीएल ने 13 मोबाइल मेडिकल यूनिट का किया लोकार्पण

बिलासपुर। आम जनों को स्वास्थ्य सुविधा देने के लिए एसईसीएल ने आज सर्व सुविधायुक्त मोबाइल मेडिकल यूनिट का लोकार्पण किया। इस दौरान 13 मोबाइल मेडिकल यूनिट की शुरुवात की गई। एसईसीएल सीएमडी ने हरी झंडी दिखाकर मोबाइल मेडिकल यूनिट को रवाना किया। मोबाइल मेडिकल यूनिट एसईसीएल के संचालन क्षेत्रों में आम जनों को स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने का काम करेंगे। खदान क्षेत्रों के 25 किलोमीटर के एरिया में इसकी सुविधा मिल सकेगी। मोबाइल मेडिकल यूनिट में आम बीमारियों के प्राथमिक उपचार के साथ ही संचारी और गैर-संचारी रोग, डायग्नोस्टिक्स, आरसीएच सेवाएं, स्क्रीनिंग गतिविधियां और उच्च निदान व उपचार केंद्रों में रेफरल की सुविधा उपलब्ध रहेगी।

मोबाइल मेडिकल यूनिटों की सेवाएं आम बीमारियों के लिए प्राथमिक देखभाल सेवाएं प्रदान करेंगी जिसमें संचारी और गैर-संचारी रोग, प्रजनन बाल स्वास्थ्य (आरसीएच) सेवाएं, स्क्रीनिंग गतिविधियां करना और उच्च निदान/उपचार केंद्रों में रेफरल शामिल हैं। ये एमएमयू पॉइंट ऑफ केयर डायग्नोस्टिक्स प्रदान करेंगे ।

इनमें ब्लड शुगर , गर्भावस्था परीक्षण, एल्ब्यूमिन और शर्करा, एचबी, ऊंचाई/वजन, दृष्टि परीक्षण, रैपिड डायग्नोस्टिक टेस्ट, उच्च रक्तचाप, मधुमेह और कैंसर के लिए 35 से अधिक आबादी की सालाना जांच जिसमें दवाओं की आवश्यकता वाले रोगियों को साप्ताहिक आपूर्ति (उच्च रक्तचाप, मधुमेह, मिर्गी) प्रदान करना शामिल है।

एसईसीएल सीएमडी डॉ. प्रेम सागर मिश्रा ने सुविधा को लेकर जानकारी साझा करते हुए बताया कि, एसईसीएल कोल प्रोडक्शन के साथ अपनी सामाजिक भागीदारी और जिम्मेदारी का भी निर्वहन कर रहा है। इसी के तहत क्षेत्रवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के लिए मोबाइल मेडिकल यूनिट की शुरुवात की गई है। जो खदान क्षेत्रों के साथ ही आसपास के क्षेत्रों में भी लोगों को स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराएगा। इस मौके पर कंपनी के निदेशक मंडल, सीवीओ व अन्य अधिकारी कर्मचारी भी मौजूद रहे।

महिलाओं को दीपावली से पूर्व मिली खुशियों की नोटिफिकेशन

■ **महतारी वंदन योजना की राशि से महिलाएं हो रहीं सशक्त**

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार की महतारी वंदन योजना ने राज्य की महिलाओं को न केवल आर्थिक सहायता प्रदान की है बल्कि उनके आत्मसम्मान और आत्मविश्वास को भी बढ़ाया है। इस योजना के माध्यम से महिलाएं न केवल अपनी घरेलू जरूरतों को पूरा कर रही हैं, बल्कि अपने बच्चों की पढ़ाई और स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं को भी समय पर पूरा कर रही हैं। दीपावली से पहले राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु द्वारा अपने छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान महतारी वंदन योजना के तहत राशि का अंतरण महिलाओं के लिए गर्व का क्षण था। इससे प्रदेश भर की महतारी वंदन योजना के लाभार्थियों के खाते में नौंवी किस्त की राशि अंतरित हुई, जिसमें कोण्डागांव जिले के एक लाख 39 हजार 177 महिलाओं को दीपावली पर्व के पहले न केवल आर्थिक सहयोग मिला, बल्कि यह भी एहसास हुआ कि सरकार उनके संघर्षों को समझ रही है और उन्हें सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है।

लीला बाई यादव को बेहतर जीवनयापन में मिली मदद

ग्राम बफना की रहने वाली लीला बाई यादव पेशे से मितानिन हैं और उन्हें छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा हर महीने महतारी वंदन योजना के तहत आर्थिक सहायता मिलती है। लीला बताती कहती हैं, %इस योजना से मुझे बहुत खुशी है क्योंकि सरकार हमें घर चलाने के लिए आर्थिक मदद कर रही है, जिससे हम छोटे-मोटे खर्चे आसानी से पूरा कर पाते हैं।% लीला बाई के परिवार में तीन बच्चे हैं, दो बेटियां और एक बेटा। उनका बड़ा बेटा एक शो रूम में

काम करता है, जिससे परिवार को आर्थिक मदद मिलती है, जबकि दूसरी बेटी अपने पिता के साथ मिलकर एक छोटा होटल चलाती है। वहीं, उनकी सबसे छोटी बेटी कंप्यूटर कोर्स कर रही है। घर में डेढ़ एकड़ खेत है, जहां परिवार खेती करता है। महतारी वंदन योजना की मदद से लीला बाई अपने परिवार के लिए बेहतर जीवन यापन करने में सक्षम हो पाई हैं।

घर के खर्चों में शैलेंद्री पोयाम को मिल रही राहत

ग्राम कलेकसा पारा, बफना की शैलेंद्री पोयाम गृहिणी हैं और उनका परिवार मुख्य रूप से खेती-बाड़ी पर निर्भर है। उनके परिवार में सात लोग हैं और उनके पति खेती करके परिवार का खर्च चलाते हैं। शैलेंद्री का परिवार छह एकड़ जमीन पर खेती करता है। महतारी वंदन योजना के तहत मिलने वाली सहायता से शैलेंद्री को अपने परिवार की जरूरतें पूरी करने में मदद मिलती है। इस योजना से उन्हें घर चलाने के लिए आर्थिक राहत मिली है, जिससे उनका परिवार सुखी और संतुलित जीवन बिता रहा है।

हिर्तेद्री देवांगन को बच्चों की पढ़ाई में मिल रही मदद

बफना, कलेकसा पारा की रहने वाली हिर्तेद्री देवांगन एक आंगनबाड़ी कार्यकर्ता हैं और उन्हें महतारी वंदन योजना के तहत हर महीने एक हजार रुपये मिलते हैं। हिर्तेद्री कहती हैं, इस बार दीपावली से पहले हमें राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के हाथों यह राशि मिली, जो हमारे लिए गर्व की बात है। इससे हम दीपावली में बच्चों के लिए पटाखे और मिठाई जैसी जरूरतें पूरी कर पाएंगे। हिर्तेद्री संयुक्त परिवार में रहती हैं, जिसमें 17 लोग हैं। उनका पूरा परिवार किसान है और खेती-बाड़ी से ही घर चलता है और उनकी डेढ़ एकड़ जमीन से सिर्फ खाने लायक ही उत्पादन हो पाता है। हिर्तेद्री बताती हैं कि महतारी वंदन योजना से मिलने वाली सहायता राशि से उन्हें और उनकी देवरानी एक-दूसरे की जरूरतों के समय मदद करती हैं, जिससे देवरानी जेठानी के बीच में मन मोटाव जैसे परिस्थिति नहीं रहती।

हिर्तेद्री के दो बेटियां हैं और दोनों बेटियों के लिए वह सुकन्या योजना के तहत पैसे जमा करती हैं, और जब कभी पैसों की कमी होती है, तब महतारी वंदन योजना की राशि उनके लिए सहारा बनती है। वह कहती हैं, इस योजना के कारण मुझे कभी किसी से पैसे उधार मांगने की जरूरत नहीं पड़ी। उनका परिवार गर्मी के मौसम में मक्का की खेती करता है, जिससे थोड़ी बहुत आर्थिक सहायता मिल जाती है। हिर्तेद्री ने बताया कि इस योजना ने उनके परिवार के जीवन को काफी आसान बना दिया है। पहले जहां उन्हें अपनी बेटियों की पढ़ाई और घर की अन्य जरूरतों के लिए संघर्ष करना पड़ता था, वहीं अब महतारी वंदन योजना से मिलने वाली सहायता राशि से वह छोटी जरूरतों को पूरा कर पा रही हैं।

कार्यालय, कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, रायपुर, छत्तीसगढ़

निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा क्र. 82/नि.शा./का.अ./ लो.स्वा. या./ खण्ड, रायपुर, दिनांक 22.10.2024

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती है-

स. क्र.	कार्य का नाम	ठेके की राशि (रु.लाख में)
1.	केन्द्रीय भण्डार गृह (स्टोर) लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग रायपुर में एस्बेस्टर शीट, प्लास्टर, सीमेंट कांकीट, पेंटिंग, प्लास्टर, संधारण कार्य एवं अन्य सिविल कार्य (समस्त सामग्री सहित)	2.05
2.	न्यू पंचशील नगर पीएचई कालोनी परिसर रायपुर में बाउण्ड्रीवाल निर्माण कार्य एवं अन्य सिविल कार्य (समस्त सामग्री सहित)।	2.01

उपरोक्त कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन समय में निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 06.11.2024 सायं 5.30 बजे तक प्राप्त की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड,
रायपुर छत्तीसगढ

जी-242503512/3

क्या प्रियंका गांधी कांग्रेस में नई जान फूंक सकेंगी?

पूनम आई. कौशिश

यदि भारत का लोकतंत्र एक व्यक्ति, एक वोट के सिद्धान्त पर आधारित है, तो चुनाव एक परिवार पर निर्भर है, चाहे महाराष्ट्र हो, झारखंड या कोई अन्य राज्य। किंतु इस बार सबकी निगाहें केरल की वायनाड सीट के उपचुनाव पर लगी हैं, जहां कांग्रेस ने नेहरू-गांधी परिवार की प्रियंका को चुनावी मैदान में उतारा है क्योंकि राहुल ने इस सीट से त्यागपत्र दे दिया था। 35 वर्ष बहुत लंबी अवधि होती है किंतु राजनीति में इसे लंबी अवधि नहीं माना जाता। प्रियंका गांधी 35 वर्षों से चुनाव प्रचार कर रही हैं। अपने परिचय में उन्होंने अपने लिए जन समर्थन मांगा है। वे 2019 में औपचारिक रूप से राजनीति में आईं और कांग्रेस की महासचिव बनीं तथा उसके बाद उन्हें उत्तर प्रदेश में भारी हार का सामना करना पड़ा किंतु इस वर्ष चुनाव प्रभारी के रूप में उन्हें हिमाचल में आपवादिक जीत मिली। निस्संदेह वह करिश्माई नेता हैं और उनकी सूरत अपनी दादी इंदिरा से मिलती है। उनमें स्पष्टता और आत्मविश्वास है और वह जल्दी से लोगों से जुड़ जाती हैं। गांधी परिवार के एक निष्ठावान नेता का कहना है कि वह जन्मजात राजनीतिक रूप से कुशल हैं और उनमें ऐसी क्षमता है कि भीड़ को अपनी ओर आकर्षित कर लेती हैं, जबकि राहुल गांधी सौम्य हैं। तथापि उनका राजनीतिक जीवन अभी कुछ खास उल्लेखनीय नहीं है। उन्हें कोई सक्रिय राजनीतिक अनुभव नहीं। वह सिर्फ सोनिया गांधी और राहुल गांधी की चुनाव प्रबंधक रही हैं और उन्होंने उत्तर प्रदेश, पंजाब और हरियाणा में चुनावों के दौरान कुछ भाषण दिए हैं। इससे प्रश्न उठता है कि प्रियंका का चुनाव प्रचार कितना सघन होगा? क्या उनके लिए जीत आसान होगी, विशेषकर इसलिए भी कि उनके पति राबर्ट वाड्रा कई घोटालों से जुड़े हुए हैं। क्या वह अपनी दादी इंदिरा गांधी के बेलछी नरसंहार के राजनीतिक समय की तरह लाभ उठा पाएंगी? हालांकि वायनाड उनके लिए एक सुरक्षित सीट है। वायनाड निर्वाचन क्षेत्र प्राकृतिक आपदा से ग्रस्त रहा है और वहां कठोर राजनीति की आवश्यकता है। प्रियंका को वायनाड से खड़ा करने से विशेषज्ञों का मानना है कि कांग्रेस इस अलोचना से बचना चाह रही है कि गांधी परिवार ने दक्षिण को नजरंदाज किया, हालांकि इस क्षेत्र से कांग्रेस को राजनीतिक लाभ मिल रहा है। प्रियंका के राजनीति में प्रवेश से न केवल कार्यकर्त्ताओं में जोश आएगा, अपितु वह यह भी संदेश देंगी कि वह अपने भाई के साए से बाहर निकल गई हैं और अपने भाई व मां के साथ मिलकर कांग्रेस नेतृत्व पर नेहरू-गांधी परिवार की पकड़ मजबूत तथा पार्टी का भविष्य तय करने में अपनी भूमिका की पुष्टि कर रही हैं। देखना यह है कि वह मतदाताओं का दिल जीत पाती हैं या नहीं। प्रियंका राहुल गांधी की छवि को प्रभावित किए बिना उन्हें हर संभव सहायता करने का प्रयास करेंगी। उनके विरोधी राहुल गांधी की इस टिप्पणी की आलोचना कर रहे हैं, जिसमें उन्होंने कहा था कि प्रियंका को चुनकर वायनाड के लोग यह सुनिश्चित करेंगे कि वायनाड को दो सांसद मिलेंगे एक आधिकारिक और एक अनाधिकारिक। शायद वे इस निर्वाचन क्षेत्र के प्रति भाई-बहन के समर्पण को प्रदर्शित करना चाहते हैं किंतु उनके इस वक्तव्य का तात्पर्य यह निकाला गया कि प्रियंका राहुल की प्रॉक्सी होंगी। प्रियंका के चुनावी राजनीति में प्रवेश का एक पहलू यह भी है कि यदि वह राहुल पर भारी पड़ीं और उन्होंने राहुल को निरर्थक साबित किया और एक सत्ता का केन्द्र बनीं तो यह कांग्रेस के लिए विनाशक हो सकता है। एक पुराने कांग्रेसी नेता का कहना है कि एक म्यान में दो तलवारें नहीं रह सकतीं। इसके अलावा वे न तो इंदिरा हैं और न ही सोनिया, जिन्होंने कांग्रेस के भाग्य को चमकाया था। यह सही है कि वह अभी परिवार के गढ़ में सफल रही हैं, किंतु वह गढ़ पूरे देश का प्रतिनिधित्व नहीं करता। प्रियंका को यह बात भी ध्यान में रखनी होगी कि राजनीति एक पार्ट टाइम व्यवसाय नहीं और सफलता मीडिया स्पेस से नहीं अपितु वोट से मिलती है। हालांकि वह आज कांग्रेस के राजनीतिक क्षितिज में एक इन्द्रधनुष की तरह हैं, किंतु उन्हें वास्तविकता का सामना करना पड़ेगा। राजनीति एक बड़ा जुआ है, जो किसी भी तरफ पलट सकता है। प्रियंका को हमेशा चुनाव प्रचार करने वाली बहन की भूमिका से बाहर निकलना और राजनीति में अपना स्थान सुनिश्चित करना होगा। उनसे बड़ी अपेक्षाएं हैं और उनकी क्षमताओं का निर्णय वायनाड और अन्य चुनावी जीतों द्वारा निर्धारित किया जाएगा। आप परिवार के लोगों का नाम लेकर चुनाव जीत सकती हैं, किंतु कितने चुनाव और कब तक? उन्हें एक नेता के रूप में अपने को साबित करना होगा कि वह पार्टी में एक नई जान फूंक सकती हैं।

बंटेंगे तो कटेंगे कोई नारा नहीं, सच्चाई है

ललित गर्ग

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह एवं महासचिव दत्तात्रेय होसबोले ने हिंदू समुदाय को जाति और विचारधारा के आधार पर विभाजित करने के प्रयासों के खिलाफ लोगों को आगाह करते हुए समाज और लोक कल्याण के लिए 'हिंदू एकता' के महत्व पर भी जोर दिया है। अपने को बचाये रखने एवं दूसरों के मंगल के लिये हिन्दू एकता वर्तमान की बड़ी अपेक्षा है, इसलिये उन्होंने अपना विस्तृत दृष्टिकोण पेश करते हुए न केवल हिन्दू शब्द का विरोध करने वालों पर करारा प्रहार किया है, बल्कि देश में अराजकता का माहौल पैदा करने वाले मुस्लिम संगठनों पर भी सीधी चोट की है। विशेषत: नफरती एवं विघटनकारी सोच के लिये राहुल गांधी पर भी कड़ा प्रहार किया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 'बंटोगे तो कटोगे' बयान का समर्थन करते हुए कहा कि वर्तमान हालात में हिन्दू एकता बनाए रखना आवश्यक है, क्योंकि कई जगहों पर धर्मांतरण की घटनाएं हो रही हैं। गणेश पूजा और दुर्गा पूजा के दौरान कुछ स्थानों पर हिन्दुओं पर हमले हुए हैं। बांग्लादेश में हिन्दुओं पर तरह-तरह के अत्याचार हो रहे हैं। हिन्दुओं पर लगातार हो रहे हमलों एवं उन्हें विभाजित किये जाने की साजिशों को नियंत्रित करने के लिये हिन्दू को संगठित होना ही चाहिए। दत्तात्रेय ने जहां हिन्दुओं को जगाया वहीं राजनीतिक दलों की नींद उड़ा दी, विपक्ष विशेषत: कांग्रेस की हिन्दू विरोधी सोच का पर्दापाश किया।

सरकार्यवाह होसबोले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की वार्षिक अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक में हिन्दू समाज को जाति, भाषा एवं प्रांत के भेद में बांटने के विपक्षी दलों के प्रयासों की चर्चा करते हुए कहा कि हम बंटेंगे तो निश्चित रूप से कटेंगे, इसलिये हिन्दू समाज में एकता आवश्यक है।' उन्होंने इसे जीवन मंत्र जैसा बताया। दिया। उन्होंने देश के सामने कुछ ऐसी बड़ी चुनौतियों को भी रेखांकित किया, जिसे लेकर राजनीतिक दलों एवं साम्प्रदायिक संगठनों की भृकुटि कुछ तन गई है। मथुरा स्थित गऊ ग्राम परखम के दीनदयाल उपाध्याय गौ विज्ञान एवं अनुसंधान केंद्र में आयोजित 25 और 26 अक्टूबर 2024 की इस बैठक में संघ के सभी 46 प्रांतों के प्रांत एवं सह प्रांत संघचालक, कार्यवाह तथा प्रचारकों ने हिस्सा लिया। योगी आदित्यनाथ ने हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान एक रैली में हिंदुओं को जातियों में बांटने की विपक्षी दलों की रणनीति के प्रति आगाह करते हुए कहा था कि विपक्ष चाहता है कि मुसलमान एकजुट होकर ताकतवर और हिंदू जातियों में विभाजित होकर कमजोर बने रहें। योगी आदित्यनाथ ने पड़ोसी देश में मुसलमानों के हाथों बेगुनाह हिंदुओं के मारे जाने का हवाला देकर कहा था कि बंटेंगे तो कटेंगे। इस बयान की विपक्ष ने कड़ी आलोचना की, हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने अलग-अलग तरह से इस संदेश को आगे बढ़ाया है। इसी कड़ी में सरकार्यवाह होसबाले हिन्दू एकता एवं संगठन की आवश्यकता व्यक्त की।

सरकार्यवाह होसबोले एक सक्रिय, साहसी, चिन्तनशील, राष्ट्रयोद्धा, समाजसुधारक और बदलाव लाने वाले संघ नेता हैं। वे देशहित में अच्छी रचनात्मक एवं सृजनात्मक बातें करते हैं, बदलाव चाहते हैं, राष्ट्र को तोड़ना नहीं जोड़ना चाहते हैं, अच्छी बात यह भी है कि संघ एक जागरूक संगठन है और हर समस्या पर अपना दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। हर व्यक्ति के दिमाग में एक समस्या है और हर व्यक्ति के दिमाग में एक समाधान है। एक समस्या को सब अपनी समस्या समझे और एक का समाधान सबके काम आए। समाधान के अभाव में बढ़ती हुई समस्या संक्रामक बीमारी का रूप न ले सके, इस दृष्टि से आज का समाधान आज प्रस्तुत करने के लिए आरएसएस निरन्तर जागरूक रहता है। इसीलिये हिन्दू एकता के लिये व्यापक प्रयत्नों की अपेक्षा है। बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के लोगों की परेशानियों को लेकर भारत सरकार ने कदम उठाए हैं। दुनिया में कहीं भी किसी भी हिंदू को अगर कोई परेशानी होती है तो वह मदद के लिए भारत की तरफ ही देखता है। देश एवं दुनिया में हिन्दुओं से जुड़ी परेशानियों एवं समाधान की दृष्टि से एक सशक्त वातावरण बनना अपेक्षित है। होसबाले ने ऐसी ही जटिल होती समस्याओं में लव जिहाद का मुद्दा भी उठाया और कहा कि लव जिहाद से समाज में समस्या हो रही है। उन्होंने कहा, 'लड़कियों को लव जिहाद के प्रति जागरूक करें। हमारे समाज की बहन-बेटियों को बचाना हमारा काम है।' उन्होंने दावा किया कि केरल में 200 लड़कियों को लव जिहाद से बचाया गया है। ध्यान रहे कि अभी राजधानी दिल्ली के नांगलोई इलाके में मुस्लिम लड़के सलीम ने खुद को संजू बताकर हिंदू लड़की सोनिया को प्यार के जाल में फंसाया। सलीम ने सोनिया के साथ शारीरिक संबंध बनाए और उसे गर्भवती कर दिया। सोनिया ने जब शादी दबाव बनाया तो सलीम ने दो दोस्तों के साथ उसकी हत्या कर दी और शव को हरियाणा में अपने ननिहाल के गांव में एक खेत में गाड़ दिया।

निश्चित रूप से बंटेंगे तो कटेंगे कोई नारा नहीं बल्कि सदियों की सच्चाई है। जब-जब हिन्दू कमजोर हुआ है, तब तब उस पर अत्याचार बढ़े हैं, उनका सफाया कर दिया गया है। कश्मीर में हिंदुओं ने ताकत नहीं दिखाई तो उनका नरसंहार हुआ। लाहौर की 75 प्रतिशत आबादी हिंदुओं और सिखों की थी, कराची में हिंदू, सिंधी और हिंदू पंजाबी जनसंख्या के दो तिहाई थे, काबुल में 1950 तक एक तिहाई हिंदू-सिख थे, रंगून में एक तिहाई आबादी हिंदुओं की थी, सभी जगहों पर आज हिंदुओं-सिखों का सफाया हो गया। इसीलिये सरकार्यवाह होसबोले की दृष्टि में बंटने के प्रति सचेत करने का मतलब अनेकता में एकता का मंत्र है। हम जाति, वर्ग में भले अनेक हों, लेकिन इस आधार पर हम बंटे नहीं बल्कि एकजुट रहें। बांग्लादेश के संदर्भ में भारत सरकार ने वहां हिंदुओं सहित सभी अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का आश्वासन दिया है। संघ ने उस समय भी कहा था कि हिंदू समुदाय को वहीं रहना चाहिए और पलायन नहीं करना चाहिए।

संघ की नजरों में धर्मांतरण और हिन्दुओं को विभाजित करने से हिन्दू जनसंख्या का संतुलन बिगड़ा है और वे अल्पसंख्यक होते गये हैं। इस मायने में होसबोले का उद्बोधन कोई स्वप्न नहीं, जो कभी पूरा नहीं होता। यह तो हिन्दुओं को सशक्त एवं विकसित बनाने के लिए ताजी हवा की खिड़की है। यह सामाजिक समरसता का भी जीवनमंत्र है। संघ इस संवाद को कायम रखेगा क्योंकि समाज को तोड़ने के लिए बहुत सी कोशिशें हो रही हैं, विपक्षी दल अपने राजनीतिक हितों के लिये हिन्दू समुदाय को तोड़ने एवं विभाजित करने के लिये तरह-तरह के षडयंत्र कर रहे हैं। एक बार फिर संघ ने राजनीति से परे जाकर देश को जोड़ने, सशक्त बनाने एवं नया भारत निर्मित करने का सन्देश दिया है और इस सन्देश को जिस तरह आकार दिया जाना है, उसका दिशा-निर्देश भी दिया गया है।

आरएसएस महासचिव ने कहा, महात्मा गांधी ने भी स्वराज्य का मंत्र दिया था। 'स्व' का मतलब है 'स्वाधीनता', राष्ट्रीय स्वत्व। यहां हिन्दुओं को अपनी परंपरा, अपनी सभ्यता, उसके अनुभवों के साथ व्यवहार करना है, आधुनिकता का पालन करना है, आधुनिकता में भी 'स्व' को नहीं भूलना है। इस 'स्व' को जीवंतता देकर ही हिन्दू समाज टूटने एवं बिखरने से बच सकता है। किसी भी समाज में बिखराव की स्थिति होती है तो उसकी क्षमताओं का पूरा उपयोग नहीं हो सकता। उपयोग के लिए क्षमताओं को केन्द्रित करना जरूरी है। समाज का हर व्यक्ति अपने आप में एक शक्ति है। इस शक्ति को काम में लेने से पहले उसे एकात्ममुख करना जरूरी है। होसबोले के आह्वान का हार्द हिन्दुओं को सशक्त बनाते हुए राष्ट्र को नयी शक्ल देने का है। वास्तव में यदि हम भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के अपने सपने को साकार करना चाहते हैं तो हमें अपनी सोच और अपने तौर-तरीके बदलने होंगे। जब होसबोले देश को बदलने और आगे ले जाने के लिए संकल्प व्यक्त कर रहे हैं तो फिर हिन्दुओं का भी यह दायित्व बनता है कि वह अपने हिस्से के संकल्प ले, संगठित हो।

पुराण दिग्दर्शन .... तीसरा अध्याय

वेदपुराण-परम्पराध्याय:

गतांक से आगे...

जब कि विश्वामित्र जैसे अग-णित कुलपतियों के तत्त्वावधान में - एक एक कुलपति के आश्रम में दश दश सहस्र शिष्य-प्रशिष्य वेदों का स्वाध्याय किया करते थे उस समय प्रत्येक मन्त्र से सम्बद्ध ऋषि और देवताओं के चरित्रों का विस्तार तथा वेदोक्त सृष्टि-प्रक्रिया के गूढ़तर सिद्धान्तों का पर्यालोचन- कितना प्रवृद्ध, कितना सरल और कितना लम्बायमान रहा होगा इसका ध्यान करते ही पुराणों की मौलिक सामग्री का एक अर्ब प्रमाण अतिशयोक्तिपूर्ण नहीं जान पड़ता।

जिन लोगों को कभी पढ़ाने का अवसर मिला होगा वे इस बात को अच्छी तरह अनुभव कर सकेंगे कि पुस्तक-लिखित परिमित अक्षरों का भाव शिष्यवर्ग के हृदय में बिठला देने के लिये कितनी मगजपच्ची की आवश्यकता पड़ती है, खासकर वैज्ञानिक सिद्धान्तों एवं परोक्ष विषयों की व्याख्या के लिए किस प्रकार आकाश पाताल एक करना पड़ता है। कदाचित् शिष्य-समुदाय गुरु के अनुचित दबाव से भूकप्राय, रहने वाला न हो, और उसे खुल कर अपनी जिज्ञासाओं के पूछने का अभ्यासी बनाया गया हो तो फिर देखिये कि एक सूत्र पर, एक ही फक्किका पर किस तरह समस्त दिन व्यतीत हो जाता है। कहना न होगा कि हमारे पूर्वजों में शिष्य-गुरु-सम्प्रदाय का आदर्श कितना उदार था, यह देखते ही बनता है। ऐसी दशा में शिष्य-प्रशिष्यों की जिज्ञासामय उक्ति प्रत्युक्तियों से और गुरुजनों के उत्तर प्रत्युत्तरों से आदिम पुराणों का विस्तृत हो जाना स्वाभाविक ही था। अस्तु, ब्रह्म, पद्म, विष्णु आदि नामों का व्यवहार जिस प्रकार विकीर्ण श्रुति-समुदाय में काण्डत्रय की दृष्टि से अथवा गद्य पद्य और गीति की दृष्टि से देवत्रयी का व्यवहार होने लगा था, तथा कुछ सूक्तद्रष्टा ऋषियों के नामों पर कुछ मन्त्रवर्ती सम्वादपात्रों के नाम पर और कुछ प्रतिपाद्य विषय के आधार पर वामदेव्य सूक्त यमयमी सूक्त एव कामसूक्त कहे जाने लगे थे।

क्रमश: ...

राष्ट्रीय एकता के हिमायती थे सरदार वल्लभ भाई पटेल

रमेश सर्राफ धमोरा

भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन को वैचारिक एवं क्रियात्मक रूप में एक नई दिशा देने के कारण सरदार पटेल ने राजनीतिक इतिहास में एक गौरवपूर्ण स्थान प्राप्त किया। उनके कठोर व्यक्तित्व में संगठन कुशलता, राजनीति सत्ता तथा राष्ट्रीय एकता के प्रति अटूट निष्ठा थी। जिस अदम्य उत्साह, असीम शक्ति से उन्होंने एकीकृत देश की प्रारम्भिक कठिनाइयों का समाधान किया। भारत की स्वतंत्रता संग्राम मे उनका महत्वपूर्ण योगदान था।

सरदार वल्लभ भाई पटेल का जन्म 31 अक्टूबर 1875 में गुजरात के नाडियाड में लेवा पट्टीदार जाति के एक जमींदार परिवार में हुआ था। 16 वर्ष की आयु में उनका विवाह हो गया। 22 साल की उम्र में उन्होंने मैट्रिक की परीक्षा पास की और जिला अधिवक्ता की परीक्षा में उत्तीर्ण हुए। जिससे उन्हें वकालत करने की अनुमति मिली।

देश की आजादी के संघर्ष में उन्होने जितना योगदान दिया उससे ज्यादा योगदान उन्होने स्वतंत्र भारत को एक करने में दिया। पटेल राष्ट्रीय एकता के बेजोड़ शिल्पी व नये भारत के निर्माता थे। देश के विकास में सरदार वल्लभभाई पटेल के महत्व को सैदव याद रखा जायेगा।

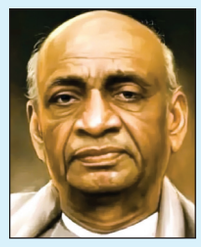

सरदार पटेल को भारत का लौह पुरुष कहा जाता है। गृहमंत्री बनने के बाद भारतीय रियासतों के विलय की जिम्मेदारी उनको ही सौंपी गई थी। उन्होंने अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए छ: सौ छोटी- बड़ी रियासतों का भारत में विलय कराया। देशी रियासतों का विलय स्वतंत्र भारत की पहली उपलब्धि थी और निर्विवाद रूप से पटेल का इसमें विशेष योगदान था। नीतिगत दृढ़ता के लिए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने उन्हें सरदार और लौह पुरुष की उपाधि दी थी। वल्लभ भाई पटेल ने आजाद भारत को एक विशाल राष्ट्र बनाने में उल्लेखनीय योगदान दिया।

स्वतंत्र भारत के पहले तीन वर्ष सरदार पटेल देश के प्रथम उप-प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, सूचना प्रसारण मंत्री रहे। पटेल ने भारतीय संघ में उन रियासतों का विलय किया जो स्वयं में सम्प्रभुता प्राप्त थीं। उनका अलग झंडा और अलग शासक था। सरदार पटेल ने आजादी के पूर्व ही देशी राज्यों को भारत में मिलाने के लिये कार्य आरम्भ कर दिया था। सरदार पटेल के प्रयास से 15 अगस्त 1947 तक हैदराबाद, कश्मीर और जूनागढ़ को छोडकर शेष भारतीय रियासतें भारत संघ में सम्मिलित हो चुकी थी।

जूनागढ़ के नवाब के विरुद्ध जब वहां की प्रजा ने विरोध कर दिया तो वह भागकर पाकिस्तान चला गया और इस प्रकार जूनागढ भी भारत में मिला लिया गया। जब हैदराबाद के निजाम ने भारत में विलय का प्रस्ताव अस्वीकार कर दिया तो सरदार पटेल ने वहां सेना भेजकर निजाम का आत्मसमर्पण करा लिया। नि:संदेह सरदार पटेल द्वारा 562 रियासतों का एकीकरण विश्व इतिहास का एक आश्चर्य था। भारत की यह रक्तहीन क्रांति थी। लक्षद्वीप समूह को भारत में मिलाने में भी पटेल की महत्त्वपूर्ण भूमिका थी। इस क्षेत्र के लोग देश की मुख्यधारा से कटे हुए थे और उन्हें भारत की आजादी की जानकारी 15 अगस्त 1947 के कई दिनों बाद मिली।

अमेरिका को क्यों लग रही कनाडा की हवा?

रहीस सिंह

कनाडा और भारत के बीच रिश्तों के बीच जो खाई बनी है वह सामान्यतया सभी को दिख रही है परंतु अमेरिका पन्नू के मामले में जिस भूमिका में दिख रहा है, उसे किस नजरिया से देखा जाए? कनाडा के प्रधानमंत्री अर्थव्यवस्था की गिरती स्थिति के ट्रैप और राजनीतिक रूप से गिरती हुई छवि से निकलने के लिए भारत विरोधी स्वांग कर रहे हैं लेकिन अमेरिका ऐसा क्यों कर रहा है?

क्या अमेरिका ने अलकायदा और तालिबान के पोषण और उसके बाद की विसंगतियों से कुछ नहीं सीखा? ऐसे अनेक उदाहरण हैं जहां अमेरिका ने अलगाववादियों और कट्टरपंथियों को मदद दी लेकिन वे अंतत: अमेरिका के खिलाफ ही खड़े हो गए। तो क्या अब कनाडा भी अपने घर में ऐसी ही पौध लगा रहा है?

यह प्रश्न बेहद महत्वपूर्ण है कि 1897 में मेजर केसर सिंह के कनाडा में बसने से शुरू हुई यह कहानी आज अपने विकृत रूप में कैसे पहुंच गई? एक प्रश्न यह भी है कनाडा में बसे उन सिखों की लिबरल पार्टी और विशेष कर प्रधानमंत्री ट्रूडो से इतनी नजदीकी क्यों है जो वहां बैठकर भारत विरोधी गतिविधियां चलाना चाहते हैं?

उल्लेखनीय है कि 1960 के दशक में वहां जब लिबरल पार्टी की सरकार बनी तो उसने प्रवासी नियमों में बदलाव किए, जिससे वहां भारतवंशियों की आबादी तेजी से बढ़ी और कुछ ही समय में सिख समुदाय वहां चौथा सबसे बड़ा धार्मिक समूह बन गया। यह लिबरल पार्टी से सिखों की नजदीकी का एक कारण हो सकता है। लेकिन अलगावादियों से उनकी नजदीकी की क्या यही एक वजह हो सकती है?

जनसांख्यिकीय दृष्टि से देखें तो सिखों का प्रवासी समुदाय कनाडा की आबादी का 2।1 प्रतिशत है जो कनाडा का एक महत्वपूर्ण मतदाता समूह है और राजनीतिक रूप से प्रभावशाली भी। यह पहला मौका नहीं है जब ट्रूडो भारत विरोधी नजरिया प्रकट कर रहे हैं। यह सिलसिला बहुत पुराना है। वर्ष 1982 की बात है तब सुरजन सिंह गिल नाम के एक शख्स ने वैंकूवर में 'खालिस्तान सरकार इन एक्साइल' का कार्यालय स्थापित किया था। उसने तब कनाडा में ही एक ब्लू खालिस्तानी पासपोर्ट और मुद्रा भी जारी की थी। 23 जून 1985 को एयर इंडिया की फ्लाइट-182 में बम विस्फोट में 329 लोग मारे गए थे।

यह हमला खालिस्तानी चरमपंथी समूह 'बब्बर खालसा' से जुड़ा हुआ था। इस घटना ने कनाडा में खालिस्तानी आतंकवाद के बढ़ते प्रभाव को उजागर किया था। यह बात अब तक पूरी दुनिया जान चुकी है कि कुछ प्रमुख संस्थाएं न केवल कनाडा में बल्कि अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया सहित कुछ अन्य देशों से भारत विरोधी गतिविधियों का संचालन करती हैं।

इन संस्थाओं में पहली है 'खालिस्तान लिबरेशन फोर्स', जिसकी स्थापना 1980 के दशक में हुई थी। दूसरी संस्था है 'खालिस्तान टाइगर फोर्स।' यह एक उग्रवादी संगठन है जो खालिस्तान आंदोलन से जुड़ा रहा है। भारत सरकार ने 2023 में इसे आतंकवादी संगठन घोषित किया था। निज्जर इसी संगठन से जुड़ा हुआ था।

तीसरी संस्था है 'सिख फॉर जस्टिस।' इसकी स्थापना 2007 में कनाडा में गुरपतवंत सिंह पन्नू ने की थी जो अलग खालिस्तान की वकालत करती है। पन्नू चूंकि अमेरिका और कनाडा की दोहरी नागरिकता रखता है इसलिए इस संस्था का मायाजाल अमेरिका से कनाडा तक पसरा हुआ है जबकि भारत इसकी संस्था को 2019 में ही प्रतिबंधित कर चुका है।

हम 1980 के दशक तक यदि न भी जाएं तो कनाडा सरकार से नई रार 2018 में शुरू हुई, जब उसने 'टेररिज्म रिस्क' संबंधी रिपोर्ट से खालिस्तानी चरमपंथ के संदर्भों को हटा दिया था। यह फैसला कनाडा सरकार के सिख मंत्री नवदीप बैंस के दबाव के बाद लिया गया था, जिस पर भारत सरकार ने आलोचना भी की थी।

विशेष बात यह है कि जिस निज्जर को लेकर कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने भारत विरोधी मुहिम का हिस्सा बनना स्वीकार कर लिया है वे क्या यह बताएंगे कि वर्ष 2018 में प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को उनकी भारत यात्रा के दौरान नई दिल्ली द्वारा वांछित लोगों की एक सूची सौंपी गई थी जिसमें हरदीप सिंह निज्जर का नाम भी शामिल था, उस पर उन्होंने क्या कार्रवाई की थी?

एक बात और, क्या निज्जर मामले में कनाडा 'क्लोज्ड डोर' और 'बैक चैनल' डिप्लोमेसी के माध्यम से भारत के साथ समाधान खोजने की कोशिश नहीं कर सकता था? लेकिन ऐसा नहीं हुआ बल्कि ट्रूडो ने संसद में पहुंचकर दुनिया भर को यह बताने की कोशिश की कि कनाडा के राष्ट्रीय सुरक्षा अधिकारियों का मानना है कि निज्जर की हत्या के पीछे भारतीय एजेंट थे।

सवाल है कि यह कनाडाई सरकार की बचकानी हरकत है या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की छवि खराब करने की साजिश? जस्टिन ट्रूडो ने 'फाइव आइज' एलायंस के सदस्य देशों को भी इस विषय पर अपनी ओर लाने की कोशिश की है। यह अलग बात है कि फाइव आइज अलायंस (अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड) के अधिकांश देश कनाडा की तरफ झुकते हुए नहीं दिख रहे हैं लेकिन अमेरिकी प्रशासन जिस तरह से प्रतिक्रिया करता हुआ दिख रहा है, वह समझ से परे है। पिछले दिनों एक खबर आई थी कि अमेरिका के 'डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस' ने पाया है कि एक भारतीय अधिकारी पन्नू को एलिमिनेट करने की कोशिश कर रहा था। वाशिंगटन पोस्ट ने अपनी रिपोर्ट में विकास यादव नाम के एक भारतीय अफसर का नाम लिखा है।

उल्लेखनीय है कि अमेरिका में रहकर पन्नू 'सिख फॉर जस्टिस' नाम का संगठन चलाता है जो सिखों के लिए अलग खालिस्तान की मांग करता है। यह अमेरिकी प्रशासन को क्यों नहीं दिखता? अमेरिका भारत को अपना 'मेजर स्ट्रेटेजिक पार्टनर' घोषित कर चुका है उसके साथ 'क्वाड' जैसे डायलॉग फोरम का निर्माण कर चुका है ताकि इंडो-पैसिफिक में वह अपनी स्थिति मजबूत करने में भारत का सहयोग ले सके। लेकिन अमेरिका में बैठकर कुछ लोग, जिन्होंने अमेरिका की नागरिकता ले रखी है, वे भारत विरोधी गतिविधियां चला रहे हैं। यह मित्रता का कैसा उदाहरण है?

आज का इतिहास

1871 नीदरलैंड के डॉककुम में प्रोटेस्टेंट यूनियन की स्थापना की गयी।
1914 ब्रिटेन तथा फ्रांस ने तुर्की के खिलाफ युद्ध की घोषणा की।
1917 प्रथम विश्व युद्ध-मित्र देशों की सेना ने बेर्शेबा की लड़ाई में बेर्शेबैन दक्षिणी फिलिस्तीन में तुर्की सैनिकों को हराया, जिसे अक्सर इतिहास में अंतिम सफल घुड़सवार सेना के रूप में रिपोर्ट किया जाता है।
1941 400 से अधिक श्रमिकों ने दक्षिण डकोटा के माउंट रशमोर में यू.एस. के निवासियों जॉर्ज वॉशिंगटन, थॉमस जेफरसन, थियोडोर रूजवेल्ट, और एब्राहम लिंकन के 60-फुट (18 मीटर) बस्ट को पूरा किया।
1953 बेल्जियम में टेलीविजन का प्रसारण शुरू हुआ।
1956 स्वेज नहर के राष्ट्रीयकरण के मिस्र के फैसले के बाद ब्रिटेन और फ्रांस ने स्वेज नहर को फिर से खोलने के लिए मिस्र पर बमबारी शुरू कर दी।
1971 लंदन के पोस्ट ऑफिस टॉवर के शीर्ष पर एक बम विस्फोट हुआ।
1973 तीन प्रोविजनल आयरिश रिपब्लिकन आर्मी के सदस्य डबलिन में अपोजिट हेलिकॉप्टर से जेल के एक्सरसाइज यार्ड में उतरने के बाद मौमोजा जेल से फरार हो गए।
1982 पोप जॉन पॉल द्वितीय स्पेन जाने वाले पहले बिशप बने।
1989 तुर्गत ओजल तुर्की के राष्ट्रपति चुने गये।
1996 रासायनिक अस्त्र प्रतिबंध संधि को लागू करने के लिए आवश्यक 65 देशों की मंजूरी मिली।
1998 इराक निरस्त्रीकरण संकट शुरू : इराक ने घोषणा की कि वह अब संयुक्त राष्ट्र के हथियार निरीक्षकों के साथ सहयोग नहीं करेगा।
1999 संयुक्त राज्य अमेरिका के मैसाचुसेट्स, मैसाचुसेट्स के तट से अटलांटिक महासागर में अचानक गिरते विमान में मिस्र के एएएआर फ्लाइट 990 में सवार सभी 217 लोगों की मौत हो गई।
2003 मलेशियाई प्रधानमंत्री महाथिर मुहम्मद के 22 वर्ष लंबे शासन का अंत हुआ।
2011 संयुक्त राष्ट्र ने घोषणा की कि दुनिया की आबादी सात अरब हो गई है।

दीवाली की शान, मानवीय मूल्यों का गान है मिट्टी का दीया

विजय मिश्रा 'अमित'

सतयुग से दीपपर्व मनाने की परम्परा आरंभ हुई थी,वह सतत चली आ रही है। कार्तिक माह के पांच दिवसीय महापर्व में क्रमश: धनतेरस, नरक चतुर्दशी, दिवाली, गोवर्धन पूजा और भाईदूज का त्योहार शामिल है। इस पर्व के दौरान मिट्टी से निर्मित दिया जलाने की प्राचीनतम प्रथा प्रचलित है।कार्तिक अमावस्या की रात सर्वाधिक मात्रा में प्रज्जवलित मिट्टी का छोटा सा दिया मानवीय मूल्यों को बनाए रखने का बड़ा संदेश देता है।यह सर्वविदित है कि मिट्टी से निर्मित वस्तुओं का जन्मजात नाता मनुष्य से जुड़ा होता है।अत्याधुनिक युग आने के बावजूद मिट्टी से निर्मित सुराही के पानी का स्वाद मंहगे फ्रिज का ठंडा पानी नहीं दे पाता।

ग्रीष्म काल के आते ही जैसे मिट्टी से निर्मित मटके की मांग बढ़ जाती है। उसी तरह दीपावली पर्व में मिट्टी के दीये की पूछ परख बढ़ जाती है। इसके बिना दीपावली मनाने की कल्पना भी नहीं की जा सकती।विविध किस्म के रंग-बिरंगे बिजली चलित झालर और खूबसूरत आकार लिए मोमबत्ती बाजार में उपलब्ध हैं,पर मिट्टी के दीये के बिना इस पर्व की दशा बिन पानी की नदिया जैसी होगी।

बालपन की बातें याद आती हैं ,जब दशहरा दिवाली की छुट्टी होती थी तो एक दिन गंवाए बिना ननिहाल के लिए रवाना हो जाते थे। वहां घरों की साफ सफाई, लिपाई पुताई में हम जुट जाते थे।नानी जी मिट्टी के दिये खरीद कर उन्हें पानी में डूबा कर रख देती थीं। वे बताती थी कि दिया अधिक पानी सोख लेगा तो तेल कम सोखेगा।आज उनकी बातें ज्यादा अच्छे ढंग से समझ में आती हैं।

वे यह भी कहती थीं कि दूसरों के जीवन को प्रकाशित करने वाले दिया तले अंधेरा ही होता है,किन्तु इससे व्यथित हुए बिना वह अपने जीवन के उद्देश्य को पूरा करने में तल्लीन रहता है। परोपकार की सीख को संचारित करता हुआ दिया सतत दूसरों के लिए जलता है। इंसानों की तरह वह दूसरों से नहीं जलता है। मनुष्य के भीतर सब कुछ बटोर लेने की बढ़ती लिप्सा के बीच बटोरने के बजाय बांटने की सीख नन्हा दिया देता है।

दीवाली को कुम्हारों के गर्व,प्रतिभा और प्रतिष्ठा का पर्व भी कह सकते हैं।कुम्हारों की मिट्टी शिल्प कला का शानदार प्रदर्शन दिवाली की रात दीपमालिका बने दीये प्रदर्शित करते हैं। दीये बनाने की कारीगरी में दक्ष कुम्हारों का यह पुश्तैनी धंधा है। मिट्टी के दिए, सुराही, मटके, खिलौने, गमले बनाने के अलावा विभिन्न देवी-देवताओं की मूर्तियां बनाकर बाजार में बेचना ही उनके जीविकोपार्जन का प्रमुख आधार है।

सुखी मिट्टी को बारीक कूट- पीटकर उसे पानी में भिगोना, गुंथना और फिर उससे कोई भी वस्तु बना देना कुम्हारों के लिए खेल की तरह होता है।यद्यपि बदलते वक्त के साथ कुम्हार समुदाय की जिंदगी में भी भारी उलटफेर हुए हैं।बदलाव की बयार ने इनकी जिंदगी से मिट्टी शिल्प कला के रिश्ता को धीरे धीरे तोड़ना भी आरंभ कर दिया है। दरअसल अन्य सामग्रियों की तरह कुम्हारों के व्यवसाय में प्रयुक्त होने वाली सामग्रियों के दाम आसमान को छू रहे हैं। कोयला,भूसा,माटी, पानी की महगांई के साथ साथ आधुनिक बाजार के बने सस्ते सामानों ने इनके व्यवसाय को बुरी तरह से प्रभावित किया है।

पसीना बहाते,रात दिन मेहनत करके बनाए समानों की लागत को ग्राहकों से निकाल पाना इनके लिए बड़ा सिरदर्द बनता जा रहा है,फलस्वरूप अब कुम्हार समुदाय के बहुत से परिवारों ने माटी से नाता तोड़कर अन्य व्यवसाय से नाता जोड़ लिया है।कुम्हार समुदाय का मिट्टी के मोह से परे जाना एक गंभीर चिंता का विषय है। मिट्टी शिल्प कला से दूर होना पर्व, परंपरा, संस्कृति सहित पुश्तैनी धंधे को विलुप्त करने की राह पर ढकेलने जैसा घातक कदम है। साथ ही जड़ से जुड़ने के बजाय टूटने का भयावह संकेत है।

मिट्टी का दिया मनुष्य को माटी और उसकी सोंधी सुगंध से जोड़ कर रखता है। जानबूझकर इससे अनजान बना इंसान आधुनिकता की आड़ में पुराने रीति-रिवाजों से दूर होता चला जा रहा है। गांव शहर में तब्दील हो रहे हैं। पवित्र मन का मालिक ग्रामीण भी अब स्वयं को शहरी चकाचौंध तड़क भड़क रंग में रंगकर झूठी शान की चादर ओढ़ने में गर्व का अनुभव कर रहा है।

ऐसे संक्रमण काल में मिट्टी का दिया और बिजली चलित झालर के बीच हो रहे संवाद की याद सहज हो आती है,जो कि इस तरह है - दिवाली की रात मिट्टी के दिये और झालर में तू तू मैं मैं की बहस चल रही थी।झालर ने कहा- सुन रे दिया, नए जमाने में तेरी पूछ परख लगातार कम हो रही है। तेरा ठिकाना केवल गांव गरीब की झोपड़ी तक सिमट कर रह गया है। मेरी जगह महलों और गगनछूती इमारतों के बीच में है।

यह सुनकर हल्की मुस्कान के साथ दिया ने कहा -हां वो तो ठीक है, पर पूजा की थाली में तुम्हें नहीं मुझे ही जगह मिलती है। झालर भाई ज्यादा घमंड मत करो। घमंडी- अहंकारी का सिर नीचे और पराजय सुनिश्चित है। हमारे विद्वानों का कहना है कि 'अंहकार'में तीन गए 'धन,वैभव और वंश,न मानो तो देख लो कौरव,रावण और कंस'।

दिया की ऐसी बातों का मनन करते हुए यह भी नहीं भूलना चाहिए कि मिट्टी का एक दिया आंधी तूफान से जूझते हुए भी अपने कर्तव्य से विमुख नहीं होता। घोर अंधकार को चीरते हुए वह बताता है - मानव निर्मित माटी का दिया सारी रात अंधेरे से लड़ता है। हे मानव, तू तो ईश्वर का बनाया हुआ है तू किस बात से डरता है।

महाविकास अघाड़ी में नहीं बनी बात

रितिका कमठान

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव अब काफी पास आ चुके है। इसी बीच महाविकास अघाड़ी (एमवीए) में जारी आंतरिक कलह का खुलासा भी हो चुका है। सभी को पता है कि महाविकास अघाड़ी (एमवीए) में सब कुछ ठीक नहीं है। शरद पवार और उद्धव ठाकरे द्वारा स्थापित किए किया गया महाविकास अघाड़ी (एमवीए) गठबंधन सफलता की सीढ़ी चढ़ता नहीं दिख रहा है।

माना जा रहा है कि इसका टूटना तय है। दरअसल विधानसभा चुनावों से पहले महाविकास अघाड़ी (एमवीए) में कई तरह के मतभेद देखने को मिल रही है। इसी बीच अघाड़ी के तीनों घटक दलों ने एक-दूसरे के खिलाफ उम्मीदवार उतार दिए हैं। महाविकास अघाड़ी में जारी अंदरुनी कलह के कारण राज्य को सुचारु रुप से चलाने की क्षमता इसमें नहीं दिख रही है। इसे लेकर लोगों के बीच काफी संदेह पैदा हुआ है। खासतौर से कांग्रेस और महाविकास अघाड़ी में चल रही अंदरूनी कलह के कारण स्थिति ठीक नहीं है। वहीं सीट बंटवारे को लेकर कांग्रेस और उद्धव ठाकरे के बीच कई बैठकें हुई जो बार-बार विफल हुई। कांग्रेस और उद्धव ठाकरे के बीच बैठक में सहमति ना बनने पर सार्वजनिक तौर इस गठबंधन के प्रति अहमति पैदा हुआ है। ऐसे विवादों के कारण गठबंधन में भी दरार आई है। इस कारण चुनाव आने के साथ ही गठबंधन का भविष्य अंधेरे में नजर आ रहा है। इस पर खतरा लगातार मंडरा रहा है। महाराष्ट्र में गठबंधन को निभा पाने में जो पार्टियां असफल होंगी वो आगे क्या करेंगी। चुनाव से पहले ही ये सवाल उठने लगा है। गठबंधन में पैदा हुए गहरे मतभेद इसी से दिखते हैं कि पार्टियों ने परांदा, दक्षिण सोलापुर, दिगराज और मिराज जैसे निर्वाचन क्षेत्रों में उम्मीदवारों को एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा करने से परहेज नहीं किया है। ऐसे में महाविकास अघाड़ी में शामिल तीनों पार्टियों को आलोचना का शिकार होना पड़ रहा है। ये संदेह भी उठ रहा है कि गठबंधन में सभी ठीक नहीं है। वहीं ये भी कहा जा रहा है कि पार्टियों को अपने कार्यकर्ताओं के बीच सामंजस्य बैठाने में भी परेशानी आ रही है। इसे लेकर भी पार्टियां संघर्ष कर रही है। उम्मीदवारों को सीट बंटवारे पर असहमति के विवाद के कारण एमवीए की छवि पर नकारात्मक प्रभाव आया है। कई स्थानीय नेता और पार्टी कार्यकर्ताओं को विरोध प्रदर्श और तोड़फोड़ की घटना को अंजाम दे चुके है। ऐसे में इन पर विश्वास करना मुश्किल है। एमवीए को संभालने के लिए अंदर और बाहर हर तरफ कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। सिर्फ सीट बंटवारे की समस्या ही नहीं, कई अन्य समस्याएं भी है। दरअसल इसके नेताओं के बीच वैचारिक और रणनीतिक असहमति बनी हुई है। इसमें मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के नामांकन समेत प्रमुख मुद्दों पर सार्वजनिक बहस होना शामिल है। इससे गठबंधन में तनाव अधिक हो रहा है। आम असहमति की कमी और जो कलह दिख रही है वो ताकत और एकता को अधिक कमजोर करने का काम कर रही है। ऐसे में चुनावी संभावनाओं के लिए बड़ी चुनौती सामने आ रही है। इस समय भाजपा और उसके सहयोगी दलों में एकजुटता नजर आ रही है। ये मिलकर आपसी समन्वय और एकजुटता का प्रदर्शन कर रहे हैं। देखा जाए तो भाजपा ने अपने गठबंधन को मजबूत बनाने और इसे बरकरार रखने के लिए कई गुटों के स्थानीय नेताओं को एकीकृत करने की बीजेपी की क्षमता एक संयुक्त मोर्चे को उजागर करती है। हालांकि एमवीए में मौजूद व्यवस्था के बिलकुल ये उलट है। ऐसे में एकता के संबंध में बीजेपी को अहमियत मिलती है। वहीं एमवीए छोटे दलों को एकजुट करने में सफल नहीं हुआ है। सीट बंटवारे की प्रक्रिया में जो दरकिनार किया गया है। स्वतंत्र तौर पर चुनाव लड़ने का विकल्प जिन उम्मीदवारों और छोटे दलों को नहीं मिला है उनमें असंतोष भी बढ़ा है। ऐसे में एमवीए की स्थिति अधिक कठिन हो गई है। एमवीए मूल रूप से सदस्यों को शामिल करने और उनमें समन्वय करने में सफलता नहीं मिली है।

त्रेता की पहली दीपावली जैसी अयोध्या का दीपपर्व

उमेश चतुर्वेदी

त्रेता युग में लंका विजय के बाद अपने राम को देख अयोध्या निहाल हो गई थी। चौदह वर्ष के वनवास के बाद सरयू के तीर पर अपने राम के स्वागत में अयोध्या ने खुद को प्रकाशमान करने की जो परंपरा डाली, आज पूरी दुनिया उसे दीपावली के नाम से जानती है। अयोध्या की इस बार की दीपावली त्रेता युग की पहली दीपावली जैसी ही है। अयोध्या के पावन मंदिर में रामलला की स्थापना के बाद दीपों का पहला त्योहार आया है। राम की वापसी के बाद अयोध्या इस बार त्रेता युग की ही तरह निहाल होने जा रही है। सरयू के तीर पर स्थित पचपन घाटों पर 28 लाख से ज्यादा दीपों के जरिए अयोध्या अपने राम का स्वागत करने जा रही है।

उत्तर प्रदेश सरकार का दावा है कि यह दीपोत्सव दुनिया में नया कीर्तिमान बनाने जा रहा है। उत्तर प्रदेश में जब से योगी सरकार आई है, तब से हर दीपावली को अयोध्या के घाट दीपों से सजाए जा रहे हैं। इस लिहाज से देखें तो यह योगी सरकार के दीपोत्सव का आठवां संस्करण है। जिसके प्रबंधन का दायित्व बाकायदा अयोध्या के ही डॉ राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की कुलपति प्रतिभा गोयल को दिया गया है। जो 30 हजार वालंटियर्स के सहयोग से 28 लाख से अधिक दीयों को प्रज्ज्वलित करने की तैयारी में हैं। दीपोत्सव के रिकॉर्ड को जांचने के लिए अयोध्या में मंगलवार यानी 29 अक्टूबर को ही गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड की टीम के कंसल्टेंट निश्चल बरोट अपने 30 सहयोगियों के साथ पहुंच गए।

दीपों के जलाते वक्त तेल बाहर ना गिरे, इसका सावधानी पूर्वक ध्यान रखने के लिए वालंटियरों को कहा गया है। 30 अक्टूबर के दिन दीपोत्सव के दीयों में तेल डालने के लिए एक-एक लीटर के सरसों तेल की बोतलें दी जा रही हैं। हर दीप में सावधानीपूर्वक तेल डालने के लिए विशेष तौर पर दिशा-निर्देश दिए गए हैं। घाट पर तेल न गिरे, इसका विशेष ध्यान रखा जायेगा।

त्रेता युग में राम के स्वागत में पूरी अयोध्या दीपों से जगमगा उठी थी। इसके बाद से ही हर साल कार्तिक

महीने की अमावस्या को पूरा सनातन समाज, उसके घर, उसकी झोपड़ियां, उसके ठीये, उसके पशुओं की नाद, उसके कुएं के चबूतरे, तुलसी के चबूतरे, मंदिरों के दरवाजे राम के स्वागत में दीपों से सजाता रहा है। सनातन समाज की हर गली, हर हर रास्ता, हर अंधियारा कोना इस दिन प्रकाश की रेखाओं से जैसे खिल उठता है। इस परंपरा में समूची अयोध्या भी इस दीपावली को इसी अंदाज में सजेगी, लेकिन योगी सरकार की डाली परंपरा के अनुसार सरयू के 55 घाट अलग ही अंदाज में नजर आएंगे। चूंकि अयोध्या के मंदिर में रामलला की स्थापना के बाद की यह पहली दीपावली है, इसलिए सरयू के घाट इस बार 28 लाख दीयों के साथ अलग ढंग से सज रहे है, जिनसे उठी रोशनियों की लंबी लकीरें सरयू की लहरों में अप्रतिम दृश्य वितान रचने जा रही हैं।

दीपोत्सव की भव्यता विश्व पटल पर दिखे, इसके लिए सरयू नदी के दसवें नंबर के घाट पर 80 हजार दीयों के जरिए स्वास्तिक बनाया गया है। इसके जरिए दीपोत्सव की टीम पूरी दुनिया को रौशनी युक्त शुभ्रता का संदेश देने की कोशिश कर रही है। माना जा रहा है कि दीपोत्सव में यह दृश्य अद्भुत आकर्षण का केन्द्र होगा। अयोध्या के घाटों पर दीयों को सजाने और उन्हें रोशनी से जगमगाने की जिम्मेदारी 30 हजार वालंटियर को दी गयी है। घाटों को र 16 गुणा 16 दीए का ब्लाक से सजाया जा रहा है। जिनमें 256 दीए सजाये जा रहे हैं। इनमें एक वालंटियर को 85 से 90 दीए प्रज्ज्वलित करने का लक्ष्य निर्धारित है। । दीपोत्सव नोडल अधिकारी प्रो0 संत शरण मिश्र के मुताबिक, उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशन में अयोध्या का जिला प्रशासन दीपोत्सव के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन को यह अप्रतिम दृश्य रचने के लिए हर संभव सहयोग दे रहा है। राम नगरी के 55 घाटों पर दीयों की सुरक्षा पुलिस प्रशासन व विश्वविद्यालय के सुरक्षा कर्मियों द्वारा की जा रही है। घाटों पर सुरक्षा सख्त कर दी गई है। बिना आई कार्ड के प्रवेश प्रतिबंधित कर दिया गया है।

यह सच है कि रोशनी के महत्व को हम तभी समझ पाते हैं, जब हमारे सामने गहन अंधकारा होता है। बेशक अपना देश वैश्विक युद्ध से बचा हुआ है। लेकिन इजरायल-फिलीस्तीन के साथ ही रूस-यूक्रेन युद्ध के आंच की ताप में दुनिया झुलस रही है। इसकी किंचित आंच भारत और भारतीयों तक भी पहुंच रही है। त्रेता युग में राम ने रावण वध और लंका विजय के जरिए संदेश दिया था कि शांति ही दुनिया और मानव जीवन की प्रगति का आधार है। रामलला के अपने पावन घर में आ विराजने के बाद की पहली दीपावली सिर्फ दीयों की संख्या के आधार पर ही रिकॉर्ड नहीं बनाने जा रही, बल्कि वह दुनिया को एक संदेश भी देने जा रही है। संदेश यह कि रोशनियों के सामने अंधेरे को हारना ही होता है। अयोध्या की यह दीपावली दुनिया को यह भी संदेश दे रही है कि युद्ध के अंधेरे से उसे निकलना ही होगा और मानव जीवन की प्रगति के लिए रोशनियों की लहरों पर ही सवार होना होगा।

उकसाने की चाल नहीं समझ पाया इस्राइल

सुरेंद्र कुमार

विगत सात अक्तूबर को हमास के अकारण, भयानक आतंकवादी हमले का एक साल पूरा हो गया, जिसमें 1,200 से अधिक निर्दोष, निहत्थे नागरिकों की हत्या की गई और 200 से अधिक लोगों को बंधक बनाया गया। यह घटना इस्राइल के लिए दुखद थी। अधिकांश पश्चिमी और कुछ भारतीय टीवी चैनलों ने उस भयावह रात को याद करते हुए और बचे हुए लोगों और उनके रिश्तेदारों से बात करके इस बारे में विस्तृत कवरेज दिया कि पिछले एक साल में वे अपने नुकसान और दुख से कैसे निपटे।

निर्दोष लोगों के मारे जाने पर गुस्सा, कड़वाहट, हताशा और पीड़ितों के रिश्तेदारों की भावनात्मक पीड़ा के लिए व्यापक सहानुभूति स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही थी। यह स्वाभाविक और समझ में आने वाला था। लेकिन जिस बात ने कई लोगों को निराश किया, वह यह थी कि मुट्ठी भर चैनलों को छोड़कर शायद ही किसी ने इस पर रिपोर्टिंग की कि गाजा के लोगों के लिए पिछला वर्ष कैसा रहा-बुजुर्ग, महिलाएं और बच्चों ने न केवल अपने प्रियजनों को खोया, बल्कि अपना घर-बार भी खो दिया।

उन्हें मवेशियों की तरह एक तरफ से दूसरी तरफ बिना भोजन, पानी और आश्रय के भटकने के लिए खदेड़ दिया गया। उन्हें हर समय इस्राइली बमों, मिसाइलों और ड्रोनों द्वारा मारे जाने का डर सताता रहता है। न केवल संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद और विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रमुखों, बल्कि अधिकांश सहायता एजेंसियों ने गाजा की तुलना कब्रिस्तान से की है।

बीते वर्ष सात अक्तूबर को हमास ने जो किया, वह सभ्य समाज में स्पष्ट रूप से गलत और अस्वीकार्य था, भले ही फलस्तीनियों में 75 साल से इस्राइल के खिलाफ दबी हुई कड़वाहट, गुस्सा और नफरत हो, क्योंकि उन्हें लगता है कि इस्राइल लगातार उनकी जमीन पर कब्जा कर रहा है और रोजाना उनका अपमान कर रहा है। हो सकता है कि यह सही भी हो, लेकिन उन्होंने जो तरीका चुना, वह पूरी तरह से गलत था। आज आम फलस्तीनियों की जो दुर्दशा है, क्या हमास यही चाहता था? क्या इसके लिए हमास या उसका आका ईरान खुद को माफ कर सकेंगे?

उसी तरह नेतन्याहू का गुस्सा और दंड देने/बदला लेने की इच्छा काफी हद तक समझ में आती है, पर जिस लापरवाही से उन्होंने पूरे गाजा को नष्ट कर दिया है, 42,000 से अधिक फलस्तीनियों को मार डाला है,

गाजा में 15 लाख लोगों को बेघर कर दिया है और उन्हें अकल्पनीय पीड़ा दी है, उसके बारे में क्या कहा जाए। क्या वह किसी उच्च नैतिक आधार का दावा कर सकते हैं? नेतन्याहू ऐसे व्यवहार करते हैं, जैसे उन्हें कहीं भी किसी भी संख्या में फलस्तीनियों और अन्य अरब नागरिकों को मारने का लाइसेंस?प्राप्त है। वह निर्दोष फलस्तीनियों की जान जाने और उनके घर-बार नष्ट करने के लिए हिटलर जैसी बेरुखी से बमबारी का आदेश देते हैं।

कई विश्व नेताओं का मानना है कि हजारों निर्दोष लोगों की हत्या करके, उनके घरों को नष्ट करके और 30 लाख लोगों (गाजा में 15 लाख और लेबनान में 15 लाख) को विस्थापित करके और उनके जीवन को नरक में बदलकर नेतन्याहू ने भी कोई कम बड़ा अपराध नहीं किया है। शर्म की बात है कि विश्व समुदाय मूकदर्शक बना हुआ है, जबकि गाजा और लेबनान में हजारों निर्दोष लोगों को बिना किसी दंड के मारा जा रहा है। उनके पास नरसंहार को रोकने के साधन हैं, लेकिन वे ऐसा नहीं करते।

एक साल का समय बहुत लंबा होता है, अमेरिका इस्राइल को रोक सकता था, लेकिन उसने अपनी घरेलू राजनीति के चलते ऐसा नहीं किया। उस पर दोहरी भूमिका निभाने का आरोप है। सर्वजनिक रूप से वह युद्ध विराम के लिए काम करने का दावा करता है, लेकिन इस्राइल को और अधिक हथियार और गोला-बारूद की आपूर्ति भी करता है, जिसका इस्तेमाल फलस्तीनियों के खिलाफ किया जाता है! क्या बाइडन द्वारा इस्राइल को भरपूर समर्थन देने की बार-बार की घोषणा नेतन्याहू को अपना हमला जारी रखने के लिए प्रोत्साहित नहीं करती है? हालांकि, यह सच है कि ईरान समर्थित प्रतिरोध की धुरी-हमास, हिजबुल्ला और हूती, इस्राइल को उकसाने वाले तरीके से हमला कर रहे हैं। यह भी सच है कि इस्राइल की भू-राजनीतिक स्थिति ऐसी है कि वह अपने खिलाफ हो रहे षड्यंत्रों को हल्के में नहीं ले सकता। यह उसके अस्तित्व से जुड़ा प्रश्न है। ऐसे में, क्या यह ओबामा द्वारा बड़ी मेहनत से तय की गई संयुक्त व्यापक कार्य योजना पर फिर से विचार करने का समय नहीं है, जिसके तहत ईरान ने अपनी परमाणु संवर्धन योजना को सीमित करने और परमाणु हथियार न बनाने का वचन दिया था? इससे अमेरिका-ईरान संबंधों में जो थोड़ी-बहुत नरमी दिखी थी, उसे ट्रंप ने परमाणु समझौते से बाहर निकलकर खत्म कर दिया। ईरानी वैज्ञानिकों, जनरलों की हत्या और ईरानी परमाणु सुविधाओं के पास अमेरिका की मौन सहमति से किए गए हमले ने दोनों देशों के बीच भरोसे को खत्म कर दिया।

ईरान द्वारा बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला (एक अक्तूबर) के बाद, कथित तौर पर ईरान के खिलाफ इस्राइली हमले के बारे में बाइडन-नेतन्याहू की फोन पर बातचीत से इसमें कोई संदेह नहीं रह जाता कि अमेरिका और ईरान एक छद्म युद्ध में लगे हुए हैं। नेतन्याहू जानते हैं कि बाइडन अब एक कमजोर राष्ट्रपति हैं और राष्ट्रपति चुनाव के दोनों उम्मीदवार इस्राइल विरोधी रुख अपनाने का जोखिम नहीं उठा सकते। इसलिए वे हालात का फायदा उठाते हुए सीरिया सहित सात-आठ मोर्चों पर हमला कर रहे हैं, उन्हें लगता है कि वे पूरे क्षेत्र को बम से उड़ाकर अपने कब्जे में कर सकते हैं। देर-सबेर नेतन्याहू को यह समझना ही पड़ेगा कि इस्राइल-फलस्तीनी संघर्ष का कोई सैन्य समाधान नहीं है। पिछले 75 वर्षों में सैन्य श्रेष्ठता के बावजूद इस्राइल ने शांति और सुरक्षा हासिल नहीं की है! फलस्तीनियों की अंधाधुंध हत्याएं आने वाली पीढ़ियों के लिए इस्राइल के शांतिपूर्ण भविष्य को भी खत्म कर रही हैं। इस्राइल और फलस्तीनियों के शुभचिंतकों को उन्हें हिंसा से दूर रहने और आपसी सम्मान, समझ, सामंजस्य और विश्वास तथा आत्मविश्वास पैदा करने के लिए निरंतर प्रयासों का विकल्प चुनने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। वेस्ट बैंक पर बस्तियों को बसने से रोकना और संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव 242 और ओस्लो समझौते का पूर्ण कार्यान्वयन, जिससे इस्राइल के साथ-साथ एक संप्रभु और स्वतंत्र फलस्तीनी मुल्क की स्थापना हो सके, इस क्षेत्र में दीर्घकालिक शांति और सुरक्षा का एकमात्र रास्ता है।

भारत-कनाडा के कमजोर होते रिश्ते

दरबारा सिंह काहलों

प्यू रिसर्च सैंटर प्वाइंट की वर्ष 2019 की कूटनीति के बारे में प्रकाशित रिपोर्ट दर्शाती है कि बढिय़ा कूटनीति शांति और आपसी मेलजोल के लिए सहायक सिद्ध होती है। प्रभावशाली और सूझ भरी कूटनीति 2 विरोधी राष्ट्रों के नेताओं को भी गहरे दोस्त बना देती है। यह जिंदा मिसाल भारत के ताकतवर सम्राट पोरस ने कायम की थी। जब सम्राट पोरस विश्व विजेता महान सिकंदर से हार गया तो उसे जंजीरों में जकड़ कर सिकंदर के समक्ष पेश किया गया। सिकंदर ने पोरस को सवाल किया कि आपके साथ कैसा व्यवहार किया जाए? पोरस का जवाब था, ''वही जो एक राजा दूसरे राजा के साथ करता है।'' सिकंदर इस गहरी और सूझ भरी कूटनीति वाले शब्दों का कायल हो गया। आखिर उसने भी कूटनीति का यही ज्ञान गुरु अरस्तु से हासिल किया था। पोरस की जंजीरें उतार दी गईं और दोनों ने एक-दूसरे को आङ्क्षलगन में ले लिया। सिकंदर और पोरस दोनों गहरे मित्र बन गए और सिकंदर ने उसका जीता हुआ राज्य भी बिना शर्त वापस कर दिया। भारत विश्व का सबसे बड़ा और सशक्त लोकतंत्र है। भारत विश्व की उभरती आर्थिक और सैन्य महाशक्ति है। यही कारण है कि चीन को लद्दाख सैक्टर में समझौता करने के लिए बाध्य होना पड़ा है। भारत एक बहु राष्ट्रीय, बहु क्षेत्रीय, बहु भाषीय, विभिन्न धर्मों, बहु संस्कृति के रंगों का वाला देश है। ऐसे ही कनाडा एक बहु प्रवासी लोगों का अति विकसित खूबसूरत देश है। भारत की तरह ही यह भी बहु राष्ट्रीय, बहु क्षेत्रीय, बहु भाषीय और विभिन्न धर्मों और संस्कृतियों के रंगों में रंगा देश है। सारा विश्व ही हैरान है कि ऐसे विकसित डिप्लोमेसी वाले माहौल में ये दोनों खूबसूरत देशों के आपसी संबंध क्यों बिगड़ रहे हैं। एक-दूसरे के डिप्लोमेट बाहर निकाले जा रहे हैं। वर्ष 1947 में भारत स्वतंत्र होने के बाद इन दोनों कॉमनवैल्थ देशों में कूटनीतिक गहरे संबंध थे। मगर 14 अप्रैल से 16 अप्रैल 2015 को भारतीय प्रधानमंत्री की कनाडा यात्रा से पूर्व दोनों राष्ट्रों के आपसी संबंध कभी भी बेहतर नहीं रहे हैं। कनाडा एक प्रवासियों का देश है और यहां पर बड़े स्तर पर भारतीय, पंजाबी और विशेषकर सिख समुदाय के लोगों के आने और बसने के बावजूद दोनों देशों के संबंध सुदृढ़ नहीं हो सके। कनाडा में करीब 2.3 प्रतिशत ड्क्षहदू, 2.1 प्रतिशत सिख, 1.0 प्रतिशत बौद्ध धर्म के लोग होने तथा पंजाबियों का यहां की राजनीति में बोलबाला होने के बावजूद दोनों देशों के बीच मित्रतापूर्वक गहरे संबंधों की कमी महसूस होती रही। भारत ने चीन और पाकिस्तान जैसे विरोधी देशों के साथ निपटने के लिए वर्ष 1974 में परमाणु टैस्ट किया। कनाडा का दोष था कि इस टैस्ट के लिए उसकी ओर से डिजाइन्ड साईरस का इस्तेमाल किया गया। इसी तरह से कनाडा ने वर्ष 1998 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी सरकार के समय पोखरन परमाणु बम धमाके का विरोध किया। अमरीका और दूसरे पश्चिमी देशों की तरह इस परीक्षण को लेकर तत्कालीन कनाडियन विदेश मंत्री मिचल शार्प ने निराशा व्यक्त करते हुए कहा, ''इस परीक्षण ने दोनों देशों के दरम्यान आपसी विश्वास को खत्म कर दिया है।'' भारत के अंदर करीब डेढ़ दशक तक पंजाब में राजनीतिक और गैर-राजनीतिक आतंकवाद के दौरान कनाडा आए सिख आतंकियों की ओर से खालिस्तानी प्रचार कभी भी भारतीय सरकारों को अच्छा न लगा। 'कनिष्क' कांड (23 जून, 1985) को लेकर भी उंगली उठती रही। इस दुर्घटना में 329 लोगों की जान चली गई। इंदिरा गांधी ने कई बार ड्क्षचता प्रकट की कि पैरे ट्रूडो सरकार खालिस्तानी समर्थकों के विरुद्ध कार्रवाई नहीं करती। वर्ष 1973 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऐसे प्रधानमंत्री हैं जो 14 अप्रैल से लेकर 16 अप्रैल 2015 को कनाडा दौरे पर गए। कनाडा में उन दिनों संसदीय चुनाव होने के कारण माहौल गर्माया हुआ था मगर तत्कालीन प्रधानमंत्री स्टीफन हार्पर ने मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया। भारत के साथ सांस्कृतिक एकता प्रकटाने और उसे मजबूत करने के लिए श्रीमती हार्पर ने भारतीय साड़ी पहनी। दोनों देशों के बीच व्यापारिक समझौते हुए। मोदी ने प्रधानमंत्री हार्पर तथा उनकी कंजर्वेटिव पार्टी की जीत की कामना की। शायद कनाडा के वर्तमान प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को यह बात अच्छी न लगी हो जो चुनाव जीत कर अगले प्रधानमंत्री बने और एक मुलाकात के समय उन्होंने मोदी को कहा कि आपकी कैबिनेट से ज्यादा मेरी कैबिनेट में सिख मंत्री हैं। जो बर्फ मोदी-हार्पर की मुलाकात के समय पिघलनी शुरू हुई थी वह ट्रूडो के समय फिर से जमनी शुरू हो गई। वर्ष 2018 में प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की भारत यात्रा और जी-20 सम्मेलन 2023 के दौरान ट्रूडो-मोदी मुलाकात के बाद भी भारत-कनाडा संबंध सुधर न सके। अमरीका के अंदर 'सिख्स फॉर जस्टिस' के खालिस्तानी हिमायती और सिख रिफ्रैंडम की मांग करने वाले गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या करने की साजिश करने के भी भारतीय खुफिया एजैंसी के निखिल गुप्ता और पूर्व रॉ अधिकारी विक्रम यादव पर आरोप लगे। 'फाइव आई' राष्ट्रों ने भारत को कनाडा के साथ निज्जर हत्याकांड की जांच में सहयोग करने के लिए कहा।

दीपावली पर सुबह से लेकर रात तक की जरूरी बातें

ब्रह्म पुराण के अनुसार दिवाली पर अर्धरात्रि के समय महालक्ष्मीजी सद्ग्रहस्थों के घरों में विचरण करती हैं। इस दिन घर-बाहर को साफ-सुथरा कर सजाया-संवारा जाता है। दीपावली मनाने से श्री लक्ष्मीजी प्रसन्न होकर स्थायी रूप से सद्गृहस्थ के घर निवास करती हैं। दीपावली धनतेरस, नरक चतुर्दशी तथा महालक्ष्मी पूजन, गोवर्धन पूजा और भाईदूज-इन 5 पर्वों का मिलन है। मंगल पर्व दीपावली के दिन सुबह से लेकर रात तक क्या करें कि महालक्ष्मी का घर में स्थायी निवास हो जाए. आइए जानें विस्तार से. दीपावली के पूजन की संपूर्ण विधियां दी गई हैं। फिर भी संक्षेप में 25 बिंदुओं से जानें कि क्या करें इस दिन -

- प्रातः स्नानादि से निवृत्त हो स्वच्छ वस्त्र धारण करें।
- अब निम्न संकल्प से दिनभर उपवास रहें- मम सर्वापच्छांतिपूर्वकदीर्घायुष्यबलपुष्टिनैरुज्यादि - सकलशुभफल प्राप्त्यर्थं

गजतुरगरथराज्यैश्वर्यादिसकलसम्पदामुत्तरोत्त राभिवृद्ध्यर्थं इंद्रकुबेरसहितश्रीलक्ष्मीपूजनं करिष्ये।

- दिन में पकवान बनाएं या घर सजाएं। बड़ों का आशीर्वाद लें।
- सायंकाल पुनः स्नान करें।
- लक्ष्मीजी के स्वागत की तैयारी में घर की सफाई करके दीवार को चूने अथवा गेरू से पोतकर लक्ष्मीजी का चित्र बनाएं। (लक्ष्मीजी का चित्र भी लगाया जा सकता है।)
- भोजन में स्वादिष्ट व्यंजन, कदली फल, पापड़ तथा अनेक प्रकार की मिठाइयां बनाएं।
- लक्ष्मीजी के चित्र के सामने एक चौकी रखकर उस पर मौली बांधें।
- इस पर गणेशजी की मिट्टी की मूर्ति स्थापित करें।
- फिर गणेशजी को तिलक कर पूजा करें।
- अब चौकी पर छः चौमुखे व 26 छोटे दीपक रखें।
- इनमें तेल-बत्ती डालकर जलाएं।
- फिर जल, मौली, चावल, फल, गुड़, अबीर, गुलाल, धूप आदि से विधिवत पूजन करें।
- पूजा के बाद एक-एक दीपक घर के कोनों में जलाकर रखें।
- एक छोटा तथा एक चौमुखा दीपक रखकर निम्न मंत्र से लक्ष्मीजी का पूजन करें- नमस्ते सर्वदेवानां वरदासि हरेः प्रिया। या गतिस्त्वत्प्रपन्नानां सा मे भूयात्वदर्चनात? साथ ही निम्न मंत्र से इंद्र का ध्यान करें- ऐरावतसमारूढो वज्रहस्तो महाबलः। शतयज्ञाधिपो देवस्तमा इंद्राय ते नमः? पश्चात निम्न मंत्र से कुबेर का ध्यान करें- धनदाय नमस्तुभ्यं निधिपद्माधिपाय च। भवंतु त्वत्प्रसादान्मे धनधान्यादिसम्पदः?
- इस पूजन के पश्चात तिजोरी में गणेशजी तथा लक्ष्मीजी की मूर्ति रखकर विधिवत पूजा करें।
- तत्पश्चात इच्छानुसार घर की बहू-बेटियों को रुपए दें।
- लक्ष्मी पूजन रात के बारह बजे करने का विशेष महत्व है।
- इसके लिए एक पाट पर लाल कपड़ा बिछाकर उस पर एक जोड़ी लक्ष्मी तथा गणेशजी की मूर्ति रखें।
- समीप ही एक सौ रुपए, सवा सेर चावल, गुड़, चार केले, मूली, हरी ग्वार की फली तथा पांच लड्डू रखकर लक्ष्मी-गणेश का पूजन करें।
- उन्हें लड्डुओं से भोग लगाएं।
- दीपकों का काजल सभी स्त्री-पुरुष आंखों में लगाएं।
- फिर रात्रि जागरण कर गोपाल सहस्रनाम पाठ करें।
- व्यावसायिक प्रतिष्ठान, गद्दी की भी विधिपूर्वक पूजा करें।
- रात को बारह बजे दीपावली पूजन के उपरान्त चूने या गेरू में रुई भिगोकर चक्की, चूल्हा, सिल तथा छाज (सूप) पर तिलक करें।
- दूसरे दिन प्रातःकाल चार बजे उठकर पुराने छाज में कूड़ा रखकर उसे दूर फेंकने के लिए ले जाते समय कहें - लक्ष्मी-लक्ष्मी आओ, दरिद्र-दरिद्र जाओ।

दीपावली की रात इन जगहों पर जरूर रखें दीप जलाकर

दीपावली पर अकसर द्वार, तुलसी या पूजा स्थान पर दीपक जलाकर रखे जाते हैं। हालांकि कुछ ऐसी भी जगहें हैं जहां पर कुछ लोग ही दीये जलाकर रखते होंगे। आओ जानते हैं कि दीवाली की रा?त को कितनी जगहों पर दीपक जलाकर रखना चाहिए। जानिए इससे मिलने वाला लाभ के बारे में भी।

1. दिपावली के दिन लक्ष?मी की पूजा करने के लिए एक दीपक जलाया जाता है। वह दीपक पीतल या स्टील का होता है। यह सात मुखी दीपक होता है जिससे माता लक्ष्मी प्रसन्न होती है।
2. कहते हैं कि दीपावली की रात को देवालय में गाय के दूध का शुद्ध घी का दीपक जलाना चाहिए। इससे तुरंत ही कर्ज से छुटकारा मिलता है और आर्थिक तंगी दूर हो जाती है।
3. दीपावली की रात को तीसरा दीया तुलसी के पास जलाया जाता है। आपके घर में तुलसी नहीं है तो और किसी पौधे के पास यह दीया रख सकते हैं। इसे भगवान विष्णु और माता तुली प्रसन्न होकर आशीर्वाद देते हैं।
4. चौथा दीपक दरवाजे के बाहर दहलीज़ के दाएं और बाएं रखा जाता है और बनाई गई रांगोली के बीच में भी रखते हैं। इसे धन की मनोकामना पूर्ण होती है।
5. पांचवां दीया पीपल के पेड़ के नीचे रखकर आते हैं। इससे यम और शनि के दोष नहीं लगते हैं। साथ ही इससे धन की समस्या भी दूर होती है।
6. छठा दीपक पास के किसी मंदिर में रखना जरूरी होता है। इससे सभी देवी और देवता प्रसन्न होते हैं।
7. सातवां दीपक कचरा रखने वाले स्थान पर रखते हैं। इससे घर की नाकारात्मकता बाहर निकल जाती है।
8. आठवां बाथरूम के कोने में रखते हैं। इससे राहु और चंद्र के दोष समाप्त हो जाते हैं।
9. नौवां दीपक मुंडेर पर या आपके घर में गैलरी हो तो वहां रखते हैं।
10. दसवां घर की दिवारों पर की मुंडेर पर या बॉउंड्रीवाल पर रखते हैं।

अज्ञान पर ज्ञान की विजय का उत्सव दीपावली

दिवाली, जिसे संपूर्ण विश्व में प्रकाश के त्यौहार के रूप में जाना जाता है, बुराई पर अच्छाई की, अंधकार पर प्रकाश की तथा अज्ञान पर ज्ञान की विजय का त्यौहार है। आज के दिन घरों में रोशनी न केवल सजावट के लिए होती है,किंतु यह जीवन कथा सत्य को भी अभिव्यक्त करती है। प्रकाश अंधकार को मिटा देता है, और जब ज्ञान के प्रकाश से आपके अंदर का अंधकार मिट जाता है, आप में अच्छाई बुराई पर विजय प्राप्त कर लेती हैं।

दिवाली मुख्यतः प्रत्येक हृदय में ज्ञान के प्रकाश को प्रज्वलित करने के लिए मनाई जाती है, प्रत्येक घर में जीवन, प्रत्येक मुख पर मुस्कान लाने के लिए मनाई जाती है।

दिवाली शब्द दीपावली का लघु रूप है, जिस का शाब्दिक अर्थ है प्रकाश की पंक्ति। जीवन के बहुत से पहलुओं तथा स्तर होते हैं। यह बहुत महत्वपूर्ण है कि आप उन सभी पर प्रकाश डालें क्योंकि यदि आपके जीवन का एक भी पहलू अंधकार मय होगा तो, आपका जीवन कभी भी पूर्णता अभिव्यक्त नहीं हो सकेगा। इसलिए दिवाली में दीपों की पंक्तियां प्रज्वलित की जाती है कि आपको ध्यान रहे कि आपके जीवन के प्रत्येक पहलू को आपके ध्यान की तथा ज्ञान के प्रकाश की आवश्यकता है।

आपके द्वारा प्रज्वलित प्रत्येक दीप, सदगुण का प्रतीक है।प्रत्येक मनुष्य में सद्गुण होते हैं। कुछ में धैर्य होता है, कुछ में प्रेम, शक्ति, उदारताः अन्य में लोगों को संगठित करने की क्षमता होती है। आप में स्थित प्रकट मूल्य दिए के समान है।जैसे ही वह प्रज्ज्वलित हो जाएं,जागृत हो जाएं,दीवाली है।

केवल एक ही दीप का प्रज्वलित कर संतुष्ट न हो, हजार दीप प्रज्वलित करें। यदि आप में सेवा का भाव है, केवल उससे ही संतुष्ट न हो, अपने में ज्ञान का दीप जलाएं, ज्ञान अर्जित करें। अपने अस्तित्व के सभी पहलुओं को प्रकाशित करें। दिवाली का एक और गुण रहस्य पटाखों के फूटने में है। जीवन में आप कई बार पटाखों के समान होते हैं, अपनी दबी हुई भावनाओं, हताशा तथा क्रोध के साथ फूट पढ़ने के लिए तैयार। जब आप अपने राग-द्वेष, घृणा को दबाये रखते हैं फूट पढ़ने की सीमा पर पहुंच जाता है। पटाखे फोड़ने की क्रिया का प्रयोग हमारे पूर्वजों द्वारा, लोगों की भावनाओं की अभिव्यक्ति देने के लिए, एक मनोवैज्ञानिक अभ्यास के रूप में किया गया। जब आप बाहर विस्फोट देखते हैं तो आप अपने अंदर भी वैसी सम्वेदनाओं का अनुभव करते हैं। विस्फोट के साथ बहुत सा प्रकाश निकलता है। जब आप अपनी दबी हुई भावनाओं से मुक्त होते हैं तब आप खाली हो जाते हैं तथा अपने ज्ञान के प्रकाश का उदय होता है। ज्ञान की सभी जगह आवश्यकता है। यदि परिवार का एक भी व्यक्ति अंधकार में है,आप खुश नहीं रह सकते। अतः आप को अपने परिवार के प्रत्येक सदस्य में ज्ञान का प्रकाश स्थापित करना होगा। इससे समाज के प्रत्येक सदस्य तक ले जाएं, पृथ्वी के प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचाएं। जब सच्चा ज्ञान उदित होता है, उत्सव होता है। अधिकतर उत्सव में हम अपनी सजगता अथवा एकाग्रता को देते हैं।उत्सव में सजगता बनाए रखने के लिए, हमारे ऋषि यों ने प्रत्येक उत्सव को पवित्रता तथा पूजा विधियों से जोड़ दिया है। इसलिए दिवाली भी पूजा का समय है। दिवाली का आध्यात्मिक पहलू, उत्सव में गांभीर्य लाता है। प्रत्येक उत्सव में आध्यात्म होना चाहिए क्योंकि आध्यात्म से हीन उत्सव असत ही होता है।

कैसे करते थे हमारे पूर्वज महालक्ष्मी का आह्वान

पद्मानने पद्मिनी पद्मपत्रे पद्मप्रिये
पद्मदलायताक्षि विश्वप्रिये विश्वमनोनुकूले
त्वत्पादपद्मं मयि सन्निधस्त्व।।
हे लक्ष्मी देवी, आप कमलमुखी, कमलपुष्प पर विराजमान,
कमल दल के समान नेत्रों वाली
कमल पुष्पों को पसंद करने वाली हैं।
सृष्टि के सभी जीव आपकी कृपा की कामना करते हैं,
आप सबको मनोनुकूल फल देने वाली हैं।
आपके चरण सदैव मेरे हृदय में स्थित हों।

विपुल ऐश्वर्य, सौभाग्य, समृद्धि और वैभव की अधिष्ठात्री देवी श्री महालक्ष्मी का पूजन, अर्चन, वंदन स्तवन का पर्व है दीपावली। दीपावली के अगणित दीपों के प्रकाश में विष्णुप्रिया महालक्ष्मी का आह्वान किया जाता है।

अनुपम सौंदर्य और आरोग्य को देने वाली श्री महालक्ष्मी का दीपोत्सव की उजली बेला में आगमन भला कौन नहीं चाहेगा? हमारी संस्कृति में इस पर्व को अति विशिष्ट स्थान प्राप्त है और इस पर्व में महालक्ष्मी का महत्व अतुलनीय है। समुद्र मंथन के पश्चात श्री लक्ष्मी अवतरण से ही इस दैदीप्यमान त्योहार की कहानी आरंभ होती है। ऋग्वेद के दूसरे अध्याय के छठे सूक्त में आनंद कर्दम ऋषि द्वारा श्री देवी को समर्पित वाक्यांश मिलता है। इन्हीं पवित्र पंक्तियों को भारतीय जनमानस ने मंत्र के रूप में स्वीकारा है।

ऊँ हिरण्य वर्णा हरिणीं सुवर्णरजस्त्राम
चंद्रा हिरण्यमयी लक्ष्मी जात वेदो म्आवह। अर्थात हरित और हिरण्यवर्णा, हार, स्वर्ण और रजत सुशोभित चंद्र और हिरण्य आभा देवी लक्ष्मी का, हे अग्नि, अब तुम करो आह्वान

इसी मंत्र की आगे सुंदर पंक्तियां हैं
'तामं आवह जात वेदो लक्ष्मी मनपगामिनीम,
यस्या हिरण्यं विदेयं गामश्वं पुरुषानहम
अश्वपूर्वा रथमध्यां हस्तिनाद प्रमोदिनीम,
श्रियं देवी मुपह्वयें श्रीर्मा देवी जुषताम।।

इसका काव्यात्मक अर्थ किया जाए तो इस तरह होगा कि -
'करो आह्वान हमारे गृह अनल, उस देवी श्री का अब, वास हो जिसका सदा और जो दे धन प्रचुर, गो, अश्व, सेवक, सुत सभी, अश्व जिनके पूर्वतर, मध्यस्थ रथ, हस्ति रव से प्रबोधित पथ, देवी श्री का आगमन हो, यही प्रार्थना है!

दीपोत्सव का समापन दिवस है भाईदूज

शास्त्रों के अनुसार भैयादूज अथवा यम द्वितीया को मृत्यु के देवता यमराज का पूजन किया जाता है। इस दिन बहनें भाई को अपने घर आमंत्रित कर अथवा सायं उनके घर जाकर उन्हें तिलक करती हैं और भोजन कराती हैं। ब्रजमंडल में इस दिन बहनें भाई के साथ यमुना स्नान करती हैं, जिसका विशेष महत्व बताया गया है। भाई के कल्याण और वृद्धि की इच्छा से बहने इस दिन कुछ अन्य मांगलिक विधान भी करती हैं। यमुना तट पर भाई-बहन का समवेत भोजन कल्याणकारी माना जाता है। पौराणिक कथा के अनुसार इस दिन भगवान यमराज अपनी बहन यमुना से मिलने जाते हैं। उन्हीं का अनुकरण करते हुए भारतीय भ्रातृ परम्परा अपनी बहनों से मिलती है और उनका यथेष्ट सम्मान पूजनादि कर उनसे आशीर्वाद रूप तिलक प्राप्त कर कृतकृत्य होती हैं। बहनों को इस दिन नित्य कृत्य से निवृत्त हो अपने भाई के दीर्घ जीवन, कल्याण एवं उत्कर्ष हेतु तथा स्वयं के सौभाग्य के लिए अक्षत (चावल) कुंकुमादि से अष्टदल कमल बनाकर इस व्रत का संकल्प कर मृत्यु के देवता यमराज की विधिपूर्वक पूजा करनी चाहिए। इसके पश्चात यमभगिनी यमुना, चित्रगुप्त और यमदूतों की पूजा करनी चाहिए। तदंतर भाई के तिलक लगाकर भोजन कराना चाहिए। इस विधि के संपन्न होने तक दोनों को व्रती रहना चाहिए।

दीपोत्सव का समापन दिवस है कार्तिक शुक्ल द्वितीय, जिसे भैयादूज कहा जाता है। इस पर्व के संबंध में पौराणिक कथा इस प्रकार मिलती है। सूर्य की संज्ञा से दो संतानें थीं- पुत्र यमराज तथा पुत्री यमुना। संज्ञा सूर्य का तेज सहन न कर पाने के कारण अपनी छायामूर्ति का निर्माण कर उसे ही अपने पुत्र-पुत्री को सौंपकर वहां से चली गई। छाया को यम और यमुना से किसी प्रकार का लगाव न था, किंतु यम और यमुना में बहुत प्रेम था। यमुना अपने भाई यमराज के यहां प्रायः जाती और उनके सुख-दुख की बातें पूछा करती। यमुना यमराज को अपने घर पर आने के लिए कहती, किंतु व्यस्तता तथा दायित्व बोझ के कारण वे उसके घर न जा पाते थे। एक बार कार्तिक शुक्ल द्वितीय को यमराज अपनी बहन यमुना के घर अचानक जा पहुंचे। बहन यमुना ने अपने सहोदर भाई को बड़ा आदर-सत्कार किया। विविध व्यंजन बनाकर उन्हें भोजन कराया तथा भाल पर तिलक लगाया। यमराज अपनी बहन से बहुत प्रसन्न हुए और उन्होंने यमुना को विविध भेंट समर्पित की। जब वे वहां से चलने लगे, तब उन्होंने यमुना से कोई भी मनोवांछित वर मांगने का अनुरोध किया। यमुना ने उनके आग्रह को देखकर कहा- भैया! यदि आप मुझे वर देना ही चाहते हैं तो यही वर दीजिए कि आज के दिन प्रतिवर्ष आप मेरे यहां आया करेंगे और मेरा आतिथ्य स्वीकार किया करेंगे। इसी प्रकार जो भाई अपनी बहन के घर जाकर उसका आतिथ्य स्वीकार करे तथा उसे भेंट दें, उसकी सब अभिलाषाएं आप पूर्ण किया करें एवं उसे आपका भय न हो। यमुना की प्रार्थना को यमराज ने स्वीकार कर लिया। तभी से बहन-भाई का यह त्योहार मनाया जाने लगा। वस्तुतः इस त्योहार का मुख्य उद्देश्य है भाई-बहन के मध्य सौमनस्य और सद्भावना का पावन प्रवाह अनवरत प्रवाहित रखना तथा एक-दूसरे के प्रति निष्कपट प्रेम को प्रोत्साहित करना है। इस प्रकार 'दीपोत्सव-पर्व' का धार्मिक, सामाजिक एवं राष्ट्रीय महत्व अनुपम है।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

प्रधानमंत्री मोदी 4 नवंबर को चाईबासा आएंगे : हिमंता

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री और झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा के सह-प्रभारी हिमंत बिस्वा सरमा ने आज बड़ी जानकारी दी है। हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी 4 नवंबर को चाईबासा आएंगे। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि हमारी टीम (पार्टी) बहुत मजबूत स्थिति में है। हम (चुनाव) अच्छे से लड़ेंगे और इस बार हम चाईबासा की सभी सीटें जीतने की कोशिश करेंगे। झारखंड के लिए मुख्यमंत्री पद के चेहरे पर उन्होंने कहा कि हमने एनडीए की ओर से मुख्यमंत्री पद के चेहरे पर फैसला नहीं किया है। हमारा लक्ष्य (राज्य के लिए) एक अच्छा मुख्यमंत्री चुनना होगा। इसके साथ ही हिमंता ने कहा कि झारखण्ड की कुछ सीटों पर जेएमएम और कांग्रेस ने अपने कार्यकर्ताओं को नजरअंदाज कर अन्य लोगों को टिकट दिया। भाजपा ने इस बार उन लोगों को टिकट दिया है जो पार्टी से जुड़े हैं। हमारी पार्टी ने न तो उम्मीदवारों के बैंक बैलेंस और न ही परिवार पर, केवल उनकी क्षमता और विचारधारा को प्राथमिकता दी।

पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर में कभी सफल नहीं होगा : फारूक

श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर में कभी सफल नहीं होगा और जो लोग इस क्षेत्र को पाकिस्तान में मिलाना चाहते थे, वे असफल हो चुके हैं। पूर्व मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने कहा, भारत की ताकत एकता में विविधता है और देश की शांति, प्रगति तथा विकास के लिए हमें भाईचारे को मजबूत कर एक-दूसरे के प्रति नफरत को दूर करना होगा। अब्दुल्ला ने कहा कि लोगों को नयी सरकार से काफी उम्मीदें हैं और उन्हें उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में जम्मू कश्मीर विकास के रास्ते पर लौटेगा तथा नयी ऊंचाइयों पर पहुंचेगा। अब्दुल्ला ने कश्मीर घाटी में अलगाववादियों का जिक्र करते हुए कहा, हमें आतंकवाद से उसी तरह लड़ना होगा, जैसे हम पिछले कई साल से लड़ते आ रहे हैं। हमें इस बीमारी का सामना करना होगा और इसे हराना होगा। जो लोग चाहते थे कि हम पाकिस्तान में शामिल हो जाएं, वे विफल हो चुके हैं। उन्होंने कहा, पाकिस्तान यहां कभी सफल नहीं होगा।

भारत-चीन सीमा पर जवानों संग राजनाथ मनाएंगे दिवाली

नईदिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 31 अक्टूबर, दिवाली के दिन अरुणाचल प्रदेश का दौरा करने वाले हैं। अपने दौरे नें रक्षा मंत्री तवांग जिले में जाएंगे। जानकारी के अनुसार, वह मेजर रालेंगनाओ बॉब खाथिंग को समर्पित वीरता संग्रहालय का उद्घाटन करने और भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की एक प्रतिमा का अनावरण करने के लिए बृहस्पतिवार को अरुणाचल प्रदेश के तवांग जिले का दौरा करेंगे। अधिकारियों ने आज कहा कि सिंह भारत-चीन सीमा पर तैनात सैनिकों के साथ दिवाली मनाएंगे। उन्होंने बताया कि मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह भी कार्यक्रम में शामिल होंगे। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर यह सूचना साझा करते हुए राजनाथ सिंह और मणिपुर के मुख्यमंत्री दोनों का राज्य में स्वागत किया।

जीतू पटवारी की नई टीम पर भड़के अजय सिंह

भोपाल। कांग्रेस की मध्य प्रदेश इकाई में हाल ही में हुए फेरबदल से पार्टी में मतभेद शुरू हो गए हैं। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि मध्य प्रदेश में कांग्रेस की गिरावट के लिए जिम्मेदार नेता अभी भी पार्टी में फैसले ले रहे हैं। दो दिग्गज नेताओं और पूर्व मुख्यमंत्रियों कमलनाथ और दिग्विजय सिंह पर परोक्ष हमला करते हुए, पूर्व सीएम दिवंगत अर्जुन सिंह के बेटे, वरिष्ठ कांग्रेस नेता अजय सिंह ने कहा कि मध्य प्रदेश में पार्टी की गिरावट के लिए जिम्मेदार नेता अभी भी पार्टी में फैसले ले रहे हैं जैसा कि पुनर्गठित पार्टी से संकेत मिलता है। कमलनाथ और दिग्विजय सिंह को मध्य प्रदेश में पुनर्गठित प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) की राज्य कार्यकारिणी में सदस्य बनाया गया है। इस पर अजय सिंह ने कहा कि दो दशक से भी अधिक समय से, वही लोग जो पार्टी में मौजूदा दयनीय स्थिति के लिए जिम्मेदार हैं, वे अभी भी पार्टी में प्रभावशाली हैं।

भाजपा नवाब मलिक के लिए नहीं करेंगी प्रचार

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार) के नवाब मलिक की उम्मीदवारी पर महायुति में रार कम होती दिखाई नहीं दे रही है। इन सबके बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के मुंबई प्रमुख आशीष शेलार ने साफ कर दिया है कि पार्टी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार) के नवाब मलिक, मानखुर्द शिवाजी नगर विधानसभा से उम्मीदवार के समर्थन में प्रचार नहीं करेगी। पार्टी के मुंबई प्रमुख ने कहा है कि पार्टी ने अपना रुख बहुत स्पष्ट कर दिया है और भले ही उनके महायुति गठबंधन के सहयोगियों को कोई भी उम्मीदवार घोषित करने का अधिकार है, लेकिन उन्होंने पहले भी नवाब मलिक की उम्मीदवारी का विरोध किया है और कहा है कि उन पर दाऊद इब्राहिम से संबंध रखने का आरोप है। मुंबई बीजेपी प्रमुख आशीष शेलार ने कहा कि इस मुद्दे पर भाजपा का रुख बिल्कुल साफ है। हमारा मानना है कि महायुति के सभी सहयोगियों को अपने उम्मीदवार घोषित करने का अधिकार है।

चुनाव से पहले एक मंच पर जुटेंगे राहुल-उद्धव और शरद पवार

महाराष्ट्र के लिए करेंगे चुनावी गारंटी की घोषणा

मुंबई। महाराष्ट्र में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले लोकसभा में विपक्ष क नेता राहुल गांधी छह नवंबर को महाविकास अघाड़ी (एमवीए) के एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए मुंबई का दौरा करेंगे। इस कार्यक्रम में राकांपा-एसपी नेता शरद पवार, शिवसेना (यूबीटी) नेता उद्धव ठाकरे समेत महाविकास अघाड़ी के अन्य नेता भी मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम के दौरान राहुल गांधी राज्य के लिए कांग्रेस की चुनावी गारंटी की घोषणा करेंगे। नवंबर में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले बुधवार को कांग्रेस ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने भाजपा, शिवसेना और राकांपा की महायुति को भ्रष्टयुति बताया। इसके साथ ही उन्होंने राज्य सरकार की विफलताओं को भी गिनाया।

महाराष्ट्र में कांग्रेस प्रभारी रमेश चेन्निथला ने प्रसे कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। उन्होंने बताया कि कांग्रेस समाजवादी पार्टी से बात कर रही है और महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी (एमवीए) की सरकार बनाने की योजना बना रही है। चेन्निथला ने कहा, हम समाजवादी पार्टी से बात कर रहे हैं। हमारा लक्ष्य महाराष्ट्र में एमवीए सरकार बनाना है और हम अपने लक्ष्य पर काम कर रहे हैं। ईसीआई ने महाराष्ट्र सरकार की लाडली बहन योजना पर रोक लगा दी है, क्योंकि राज्य सरकार के खजाने में पैसे नहीं हैं। सरकार की तरफ से महाराष्ट्र की महिलाओं को पैसा नहीं मिल रहा है। यह सब चुनाव से पहले बोला गया झूठ था।

उन्होंने आगे कहा, सभी 288 सीटों पर महाविकास अघाड़ी के उम्मीदवारों द्वारा नामांकन दाखिल किया गया है। अगर आप एमवीए के साथ महायुति की तुलना करते हैं तो हमारे ग्रुप में कोई झगड़ा नहीं है। महायुति अब खत्म हो चुकी है। हम एमवीए में सभी पार्टियों को समान दर्जा देते हैं। महायुति में भाजपा ने राकांपा और शिवसेना की सीटों पर कब्जा कर लिया है। यह स्पष्ट संदेश है कि भाजपा अपने गठबंधन सहयोगियों को खत्म करना चाहती थी। हमने केवल उन्ही उम्मीदवारों को एबी फॉर्म दिया है, जिनके नाम की घोषणा पार्टी ने की थी। जिन कांग्रेस नेताओं ने स्वतंत्र रूप से नामांकन दाखिल किया था, उन्हें अपना नामांकन वापस ले लेना चाहिए।

महाराष्ट्र में एक ही चरण में होंगे चुनाव

288 सदस्यीय महाराष्ट्र विधानसभा के लिए चुनाव 20 नवंबर को एक ही चरण में होंगे, जबकि विधानसभा चुनाव के मतों की गिनती 23 नवंबर को होगी। वहीं मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना, भाजपा और अजीत पवार की एनसीपी से मिलकर बनी महायुति सत्ता बरकरार रखने की कोशिश कर रही है, जबकि शिवसेना (यूबीटी), एनसीपी (एसपी) और कांग्रेस की विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) इसे सत्ता से बेदखल करने के प्रयास में है।

ईसी की फटकार के बाद अब भाजपा का कांग्रेस पर हमला

■ कहा- लोकतंत्र आपके परिवार के हिसाब से नहीं चलेगा

नई दिल्ली। भारत के चुनाव आयोग ने हाल ही में हरियाणा विधानसभा चुनावों में अनियमितताओं के कांग्रेस के आरोपों को खारिज कर दिया। साथ ही इन आरोपों को निराधार, गलत और तथ्यों से रहित बताया। अब इस मुद्दे को लेकर भाजपा ने कांग्रेस को लोकतंत्र विरोधी पार्टी बताया। साथ ही कहा कि आपातकाल वाली पार्टी एक स्वस्थ लोकतंत्र को पचा नहीं सकती है।

भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा, चुनाव आयोग ने कांग्रेस पार्टी की साजिश का पर्दाफाश किया है। कांग्रेस लोकतंत्र विरोधी पार्टी है, इसलिए वह बिना किसी सबूत, अर्धसत्य और फर्जी खबर के आधार पर हर लोकतांत्रिक व्यवस्था की विश्वसनीयता पर सवाल उठाती है।

उन्होंने आगे कहा, कांग्रेस ने चुनाव आयोग, ईवीएम और सुप्रीम कोर्ट पर सवाल उठाए। मैं कहना चाहता हूं कि आप (कांग्रेस) आपातकाल की पार्टी हैं, आपने संविधान को तहस नहस कर दिया। आप एक स्वस्थ लोकतंत्र को पचा नहीं सकते, लेकिन यह लोकतंत्र आपके परिवार के हिसाब से नहीं चलेगा। यह कानून के शासन के अनुसार चलेगा। आज आप सभी को देश से माफी मांगना चाहिए कि उन्होंने चुनाव आयोग पर सवाल खड़े किए।

वहीं, भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा, आप देखते हैं, भारत का चुनाव आयोग अभी तक एक और संवैधानिक संस्था है, जिसने कांग्रेस पार्टी को उसके गैरजिम्मेदार, निराधार आरोपों के लिए फटकार लगाई है जो किसी भी तथ्य से रहित हैं। कांग्रेस पार्टी जब भी चुनाव जीतती है, चाहे वह उस समय कर्नाटक में हो या तेलंगाना में, ईवीएम और चुनाव आयोग को ठीक मानती है। जब वह चुनाव हारती है तो संवैधानिक संस्थाओं को गाली देना शुरू कर देती है।

उन्होंने कहा कि इसी प्रकार न्यायपालिका में भी यदि कांग्रेस कोई मामला जीतती है तो न्यायपालिका और लोकतंत्र ठीक हैं। अन्यथा, लोकतंत्र और न्यायपालिका खतरे में हैं। इसे संविधान के प्रति सशर्त प्रतिबद्धता कहा जाता है। इस तरह की प्रतिबद्धता केवल तभी होती है, जब आप कोई केस जीतते हैं या जब आप चुनाव जीतते हैं तो आप प्रतिबद्ध होते हैं। अन्यथा, आप संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग करते हैं। हरियाणा में उन्होंने चुनाव के बाद दोष मढ़ना शुरू कर दिया। अब महाराष्ट्र और झारखंड में वे चुनाव पूर्व दोष मढ़ रहे हैं। वे ईवीएम को पहले ही दोष दे रहे हैं।

दरअसल कांग्रेस ने चुनाव आयोग से कई शिकायतें की थीं, जिनमें आठ अक्तूबर को मतगणना प्रक्रिया में धीमी गति के आरोप भी शामिल थे। इस दिन हरियाणा और जम्मू-कश्मीर चुनावों के परिणाम घोषित किए गए थे। कांग्रेस ने 26 विधानसभा क्षेत्रों के कुछ मतदान केंद्रों पर मतगणना के दौरान इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) की कंट्रोल यूनिट (सीयू) पर 99 प्रतिशत बैटरी स्थिति प्रदर्शित होने पर भी स्पष्टीकरण मांगा था। कांग्रेस ने हरियाणा चुनाव में 26 शिकायतें की थीं।

मतगणना के लगभग 20 दिन बाद चुनाव आयोग ने मंगलवार को 1600 पन्नों में आरोप का जवाब दिया। चुनाव आयोग ने कांग्रेस के आरोपों पर कि कांग्रेस और अन्य राजनीतिक दलों को वोटिंग और काउंटिंग जैसे संवेदनशील समय पर इस तरह के सनसनीखेज आरोप लगाने को लेकर चेताया। चुनाव आयोग ने कहा कि इस तरह के गैर-जिम्मेदाराना आरोप अशांति और अराजकता का कारण बन सकते हैं।

वायनाड उपचुनाव को लेकर प्रियंका को लेकर मोकेरी ने कह दी बड़ी बात

वायनाड। आगामी वायनाड लोकसभा उपचुनाव के लिए एलडीएफ उम्मीदवार सत्यन मोकेरी ने नामांकन के बाद निर्वाचन क्षेत्र में अपने यूडीएफ प्रतिद्वंद्वी प्रियंका गांधी वाड्रा के संक्षिप्त प्रवास के लिए खुले तौर पर आलोचना की है। बुधवार को, उन्होंने क्षेत्र से उनकी अनुमानित अनुपस्थिति की तुलना उनके भाई राहुल गांधी के पिछले कार्यकाल से की। उन्होंने कहा कि यदि वो निर्वाचित होती हैं, तो वे स्थानीय मुद्दों को संबोधित करने के लिए सक्रिय रूप से मौजूद नहीं होंगी।

सीपीआई के अनुभवी नेता और पूर्व विधायक मोकेरी ने राहुल गांधी से मतदाताओं के मोहभंग की भी बात कही। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनावों में दूसरे कार्यकाल के लिए चुने जाने के बाद कथित तौर पर अगले दिन वायनाड से चले गए और उसके बाद शायद ही कभी दिखाई दिए। मोकेरी का तर्क है कि यह पैटर्न निर्वाचन क्षेत्र की जरूरतों के प्रति समर्पण की कमी को दर्शाता है, एक ऐसी भावना जिसे वह मानते हैं कि प्रियंका गांधी भी दोहरा सकती हैं।

मोकेरी ने राहुल गांधी और प्रियंका गांधी दोनों के वायनाड में योगदान को भी चुनौती दी, खासकर एक भयंकर भूस्खलन आपदा के बाद। उन्होंने लोकसभा में विपक्ष के नेता पर मानव-पशु संघर्ष और रात में यात्रा पर प्रतिबंध जैसे आवश्यक क्षेत्रीय मामलों की उपेक्षा करने का आरोप लगाया। ये आरोप प्रियंका के दो दिवसीय अभियान के दौरान आए, जिसमें वायनाड में चार स्थानों पर नुक्कड़ सभाएँ शामिल थीं, जिसका उद्देश्य 13 नवंबर को होने वाले चुनावों के लिए समर्थन जुटाना था।वायनाड, एक महत्वपूर्ण पहाड़ी निर्वाचन क्षेत्र है, जहाँ राहुल गांधी द्वारा रायबरेली निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने के बाद सीट छोड़ने के बाद उपचुनाव की घोषणा की गई थी। अब इस पद के लिए मोकेरी और भाजपा से नव्या हरिदास, कोझिकोड निगम की दो बार पार्षद रह चुकी हैं, के बीच मुकाबला है। मोकेरी के दावे चुनाव के एक महत्वपूर्ण पहलू को उजागर करते हैं, जो उम्मीदवारों की उपलब्धता और स्थानीय लोगों की चिंताओं को दूर करने के प्रति समर्पण पर केंद्रित है।

अपनी आलोचना में, मोकेरी ने गांधी परिवार द्वारा परित्याग के कथित पैटर्न को रेखांकित किया, नामांकन के बाद प्रियंका गांधी के तुरंत चले जाने को वायनाड के मामलों से उनके संभावित अलगाव का संकेत बताया।

खेल
प्रमुख समाचार

भारत को सम्मान बचाने तीसरा टेस्ट जीतना ही होगा

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे और अंतिम टेस्ट मैच के लिए तैयार है। यह मुकाबला 1 नवंबर को मुंबई के वानखेड़े मैदान पर खेला जाएगा। लगातार दो हार झेलने के बाद भारतीय टीम की नजरें इस मैच को जीतने पर होगी। पहले मुकाबले में 8 विकेट से हार और दूसरे में 113 रन से हार के बाद भारत क्लीन स्वीप से बचने के लिए दबाव में है।

भारतीय टीम को अपने घर पर मिली हार ने टीम के लिए एक चेतावनी के रूप में काम किया है। अपने सम्मान को बचाने के लिए भारत को हर हाल में तीसरा मैच जीतना होगा। मुंबई का मैदान टेस्ट क्रिकेट में भारतीय टीम के लिए एक किला रहा है। यहां खेले गए 26 टेस्ट मैचों में से भारत ने 12 में जीत दर्ज की है, जबकि केवल 7 में हार मिली है और 7 मैच ड्रॉ रहे हैं। यह दमदार रिकॉर्ड इस मैदान पर भारत के दबदबे को दिखाता है, जो न्यूजीलैंड के खिलाफ़ होने वाले मैच में जीत की उम्मीद है। आंकड़े घरेलू टीम के पक्ष में हैं, लेकिन इस सीरीज में अब तक न्यूजीलैंड ने शानदार प्रदर्शन किया है। भारतीय टीम का मुंबई में न्यूजीलैंड के खिलाफ़ शानार ट्रैक रिकॉर्ड है, इस मैदान पर भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ़ खेले गए 3 में से 2 टेस्ट मैच जीते हैं। तीसरे टेस्ट के लिए भारतीय टीम में अनुभवी और युवा खिलाड़ियों का मिश्रण है। टीम का नेतृत्व कप्तान रोहित शर्मा कर रहे हैं। टीम में जसप्रीत बुमराह, विराट कोहली और रवींद्र जडेजा जैसे प्रमुख खिलाड़ी शामिल हैं, साथ ही यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल जैसे होनहार खिलाड़ी भी हैं। अनुभवी और नए खिलाड़ियों का यह मिश्रण एक मजबूत लाइनअप बनाता है, जिसका लक्ष्य सीरीज के मौजूदा रुख को पलटना है। भारतीय बल्लेबाजी लाइनअप अब तक सीरीज में लड़खड़ाई नजर आई है। सीरीज के पहले मैच में भारत मात्र 46 रन पर आउट हो गया था, जिससे उसे 8 विकेट से हार का सामना करना पड़ा।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 427 अंक गिरा निफ्टी 24,340 पर बंद

नईदिल्ली। बुधवार को भारतीय शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिला और प्रमुख सूचकांक बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी50 दो दिन की बढ़त के बाद गिरावट के साथ बंद हुए। मिक्स्ड ग्लोबल संकेतों के बीच, बीएसई सेंसेक्स 426.85 अंक यानी 0.53 प्रतिशत की गिरावट के साथ 79,942.18 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी50 125.99 अंक या 0.51 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,340.85 पर बंद हुआ। निफ्टी50 के 50 में से 31 शेयर लाल निशान में बंद हुए, जिनमें सिप्ला, श्रीराम फाइनेंस, इंफोसिस, एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस और ट्रेंट में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई। इन शेयरों में गिरावट 4.03 प्रतिशत तक रही। दूसरी ओर, अदाणी एंटरप्राइजेज, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, हीरो मोटोकॉर्प, ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज और मारुति सुजुकी इंडिया जैसे 19 शेयर हरे निशान में बंद हुए, जिनमें 3.74 प्रतिशत तक की बढ़त दर्ज की गई।

भारत के विदेशी मुद्रा भंडार से 11.2 महीने का आयात संभव

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार देश का विदेशी मुद्रा भंडार आयात (भुगतान संतुलन के आधार पर) को 11.2 महीने तक कवर कर सकता है। इसका मतलब है कि 11.2 महीने के कुल आयात खर्च को वर्तमान विदेशी मुद्रा भंडार का इस्तेमाल कर पूरा किया जा सकता है। मंगलवार को जारी आरबीआई की रिपोर्ट में भारत के विदेशी मुद्रा भंडार, आयात कवर और अंतरराष्ट्रीय निवेश की स्थिति (आईआईपी) पर अपडेट दिया गया है। यह रिपोर्ट जून 2024 के अंत तक देश की बाहरी वित्तीय स्थिति की जानकारी दी है। देश के आयात कवर का नवीनतम आंकड़ा मार्च 2024 के अंत में दर्ज 11.3 महीने के कवर से थोड़ा कम है। आयात कवर आयात के महीनों की संख्या का एक माप है जिसे विदेशी मुद्रा भंडार के वर्तमान स्तर से पूरा किया जा सकत है।

एलएंडटी को मिलीं बिजली ग्रिड के विस्तार के लिए परियोजनाएं

नईदिल्ली। बुनियादी ढांचा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी लार्सन एंड टुब्रो ने पश्चिम एशिया और अफ्रीका में उच्च वोल्टेज बिजली ग्रिड के विस्तार और मजबूती के लिए 'बड़ी' परियोजनाएं मिली हैं। कंपनी ने बीएसई को दी सूचना में बताया, ये ठेके लार्सन एंड टूब्रो (एलएंडटी) की विद्युत पारेषण एवं वितरण (पीटीएंडडी) इकाई को मिले हैं। एलएंडटी 1,000 करोड़ रुपये से 2,500 करोड़ रुपये के बीच के मूल्य के ठेके को '' बड़ा ठेका '' बताती है। कंपनी सूचना के अनुसार, पश्चिम एशिया में सऊदी अरब में उच्च-वोल्टेज पारेषण लाइन के निर्माण के लिए नए ठेके मिले हैं। कतर में जारी विद्युत प्रणाली विस्तार परियोजना में अतिरिक्त गैस 'इंसुलेटेड सबस्टेशन' की परियोजनाएं भी मिली हैं। लार्सन एंड टुब्रो 27 अरब अमेरिकी डॉलर की भारतीय बहुराष्ट्रीय कंपनी है जो कई भौगोलिक क्षेत्रों में परिचालन करती है।

मीशो का समायोजित घाटा कम होकर 53 करोड़ रुपये

नईदिल्ली। सॉफ्टबैंक समर्थित ऑनलाइन बिक्री मंच मीशो का वित्त वर्ष 2023-24 में समायोजित घाटा गिरावट के साथ 53 करोड़ रुपये रहा। कंपनी का समायोजित घाटा वित्त वर्ष 2022-23 में 1,569 करोड़ रुपये रहा था। मीशो ने बयान में कहा, परिचालन आय के प्रतिशत के रूप में हमारे विक्रय, सामान्य तथा प्रशासनिक व्यय में तेजी से गिरावट आई.. इसमें कहा गया, परिणामस्वरूप हमारा समायोजित घाटा 1,569 करोड़ रुपये से 97% घटकर 53 करोड़ रुपये रह गया, जिसमें कर्मचारी शेयर आधारित मुआवजा व्यय शामिल नहीं है।'' मीशो की परिचालन आय वित्त वर्ष 2023-24 में 33 प्रतिशत बढ़कर 7,615 करोड़ रुपये हो गई, जो वित्त वर्ष 2022-23 में 5,735 करोड़ रुपये थी। वित्त वर्ष 2023-24 में ई-कॉमर्स कंपनी की ऑर्डर आपूर्ति 36 प्रतिशत बढ़कर 84.3 करोड़ हो गई, जो वित्त वर्ष 2022-23 में 62.2 करोड़ थी।

वैश्विक संघर्ष से बढ़ रहीं आर्थिक चुनौतियां

डॉ जयंती लाल भण्डारी

इन दिनों ईरान और इजराइल सहित पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष तथा रूस-यूक्रेन युद्ध के विस्तारित होने से भारत की आर्थिक चुनौतियां बढ़ गई हैं। ये चुनौतियां कच्चे तेल की कीमतों, शेयर बाजार में गिरावट, माल ढुलाई की लागत बढ़ने, खाद्य वस्तुओं की महंगाई, भारत से चाय, मशीनरी, इस्पात, रत्न, आभूषण तथा फुटवियर जैसे क्षेत्रों में निर्यात आदेशों में कमी, निर्यात के लिए बीमा लागत में वृद्धि तथा इजराइल और ईरान के साथ द्विपक्षीय व्यापार में कमी के रूप में दिखाई दे रही हैं। स्थिति यह है कि वैश्विक शेयर बाजार के साथ-साथ भारत के शेयर बाजार पर भी असर पड़ना शुरू हुआ है।

पश्चिम एशिया संकट और चीन से सरकारी प्रोत्साहन के दम पर बाजार चढ़ने के मद्देनजर भारत के शेयर बाजार में कुछ विदेशी निवेशकों के द्वारा जोखिम वाली संपत्तियां बेची जा रही हैं और वे अपना कुछ निवेश निकाल रहे हैं। स्थिति यह है कि सेंसेक्स और निफ्टी के लिए अक्तूबर 2024 का पहला सप्ताह 4.5 फीसदी के नुकसान के साथ दो साल की सबसे बड़ी गिरावट का सप्ताह रहा है।

युद्ध बढ़ने की आशंका के बीच निवेशक सुरक्षित निवेश के तौर पर सोने की खरीदी का भी रुख कर रहे हैं। इससे वैश्विक स्तर के साथ-साथ भारत में भी सोने की खपत और सोने की कीमत बढ़ने लगी है। यदि कच्चे तेल की कीमतें तेजी से बढ़ेंगी तो दुनियाभर में कई वस्तुओं के दाम बढ़ने के साथ-साथ भारत में भी कीमतें बढ़ने का सिलसिला शुरू हो सकता है।

चूंकि ईरान दुनिया के सबसे बड़े कच्चा तेल उत्पादकों में से एक है और यह देश

पश्चिम एशिया के संवेदनशील इलाके में स्थित है, ऐसे में ईरान के तेल बाजार में अस्थिरता से कच्चे तेल की कीमतें तेजी से बढ़ने पर पेट्रोल, डीजल और अन्य पेट्रोलियम उत्पाद महंगे होने लगेंगे। इसका असर भारत पर विशेष रूप से पड़ेगा, क्योंकि भारत अपनी तेल की जरूरतों के करीब 80 फीसदी तक आयात पर निर्भर है।

चूंकि ईरान प्राकृतिक गैस के भी बड़े उत्पादकों में से एक है, युद्ध की स्थिति में ईरान से होने वाले गैस निर्यात पर भी असर पड़ सकता है और इससे यूरोप और एशिया के साथ-साथ भारत में भी प्राकृतिक गैस की कीमतें बढ़ सकती हैं। एक चिंताजनक बात यह भी है कि ईरान और इजराइल के बीच संघर्ष का असर वैश्विक शिपिंग रूट्स पर भी पड़ सकता है, खासकर होर्मुज जलडमरूमध्य पर। यह वैश्विक यातायात का एक अत्यंत महत्वपूर्ण मार्ग है। दुनिया को मिलने वाला करीब एक तिहाई तेल और खाद्य व कृषि उत्पादों का अधिकांश यातायात इसी मार्ग से होता है।

ऐसे में इस क्षेत्र में शिपिंग बाधित होने से ग्लोबल सप्लाई चेन प्रभावित हो सकती है। इससे खाद्य पदार्थों, जैसे कि गेहूं, चीनी और अन्य कृषि उत्पादों की कीमतें बढ़ने लगेंगी। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि ईरान और इजराइल के बीच युद्ध का अप्रत्यक्ष प्रभाव भारतीय फार्मास्युटिकल उद्योग पर भी पड़ सकता है, क्योंकि भारत अभी भी ज्यादातर दवाओं के लिए कच्चे माल का बड़ा हिस्सा विदेश से आयात करता है।

ऐसे में दवाओं की कीमतों में बढ़ोत्तरी की आशंका होगी। इसमें कोई दो मत नहीं है कि पश्चिम एशिया में युद्ध के बढ़ने पर बाजार में तेज गिरावट और महंगाई वृद्धि का दौर निर्मित होते हुए दिखाई दे सकता है। लेकिन युद्ध की ऐसी आशंकाओं के बीच भी भारत के कई ऐसे मजबूत आर्थिक पक्ष हैं जिनसे भारत के आम आदमी और भारतीय अर्थव्यवस्था को अधिक नुकसान नहीं हो सकेगा।

खास बात यह है कि इस समय भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है। भारत खाद्यान्न अधिशेष वाला देश है और देश के 80 करोड़ से अधिक कमजोर वर्ग के लोगों को निःशुल्क खाद्यान्न वितरित किया जा रहा है। युद्ध की आशंका के बीच भी भारत पर दुनिया का आर्थिक विश्वास बना हुआ है।

13 से 20 नवम्बर तक एग्जिट पोल के आयोजन और प्रसारण पर रहेगा प्रतिबंध

रायपुर। भारत निर्वाचन आयोग ने आगामी 13 नवम्बर से 20 नवम्बर तक किसी भी तरह के एग्जिट पोल के आयोजन तथा प्रसारण को प्रतिबंधित किया है। आयोग द्वारा इस संबंध में अधिसूचना जारी करते हुए लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के प्रावधानों के तहत इस अवधि के दौरान किसी भी प्रकार के एग्जिट पोल के आयोजन तथा प्रसारण को प्रतिबंधित किया गया है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी अधिसूचना में उल्लेखित है कि झारखंड और महाराष्ट्र की विधानसभाओं के आम निर्वाचन तथा 48 विधानसभाओं और दो संसदीय क्षेत्रों में उप-निर्वाचन के दृष्टिगत 13 नवम्बर 2024 को प्रात: सात बजे से 20 नवम्बर 2024 की शाम सा? छह बजे तक की अवधि में इन निर्वाचनों के संदर्भ में किसी भी प्रकार के एग्जिट पोल का संचालन और प्रकाशन करने, प्रिंट या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से प्रचार करने या किसी प्रकार की अन्य रीति में उसके परिणाम के प्रकाशन या प्रचार या प्रसार करने पर प्रतिबंध होगा। आयोग ने अधिसूचना में यह भी स्पष्ट किया है कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 126 (1)ख के अंतर्गत झारखंड और महाराष्ट्र की विधानसभाओं के आम निर्वाचन तथा 48 विधानसभाओं और दो संसदीय क्षेत्रों में उप-निर्वाचन के संबंध में मतदान की समाप्ति के लिए नियत समय पर समाप्त होने वाली 48 घंटों की अवधि के दौरान किसी भी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में किसी भी ओपिनियन पोल या किसी अन्य मतदान सर्वेक्षण के परिणामों सहित किसी भी प्रकार के निर्वाचन संबंधी मामले के प्रदर्शन पर प्रतिबंध रहेगा।

कमिश्नर कावरे ने विकासखंड शिक्षा अधिकारी आर.पी. दास को किया निलंबित

रायपुर। रायपुर कमिश्नर महादेव कावरे ने बड़ी कार्यवाही करते हुए गरियाबंद विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्री आर.पी. दास को निलंबित कर दिया है। विकासखंड एवं शिक्षा अधिकारी के गरिमाविहीन व्यवहार एवं विलंबकारी कार्यनिति और अपने पद का सहजता से कार्य नही करने के कारण लगातार शिकायतें गरियाबंद कलेक्टर श्री दीपक अग्रवाल के पास आ रही थी। जिसकी जांच पुष्टि करने पर श्री आर. पी. दास विकासखंड एवं शिक्षा अधिकारी (प्राचार्य) के गरिमाविहीन व्यहार एवं विलंबकारी कार्य में दोष सिध्द होने के कारण जिला कलेक्टर गरियाबंद के प्रतिवेदन के आधार पर श्री आर.पी. दास विकासखंड शिक्षा अधिकारी गरियाबंद (मूल पद प्राचार्य) को छत्तीसग? सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1966 के नियम 9 के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया। निलंबन अवधि में मुख्यालय एवं कार्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी छूरा नियत किया जाता है कि श्री दास को निलंबन अवधि में नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा।

नेता प्रतिपक्ष डॉ. महंत ने दीपावली पर्व की शुभकामनाएं दी

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने प्रदेशवासियों को दीपावली पर्व पर प्रदेशवासियों को अपनी बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। शुभकामना संदेश में विधानसभा नेता प्रतिपक्ष डॉ. महंत ने कहा कि धनतेरस से लेकर भाई दूज तक चलने वाला ये पांच दिन का पर्व हमारी सभ्यता और संस्कृति की गौरव-गाथा है। दीपावली का पर्व भारतीय संस्कृति का गौरव है, यह पर्व रोशनी का है और तमस (अंधकार) को दूर करता है इसलिए यह पर्व ज्ञान का प्रकाश पहुंचाने के संकल्प का पर्व भी कहलाता है। डॉ. महंत ने कहा कि दीपावली मनाने की सार्थकता तभी है जब भीतर का अंधकार दूर हो।

आल इंडिया ऑप्थेल्मोलॉजिकल सोसायटी की टीम ने दंतेवाड़ा से रिफर किए आंख के मरीजों की जाँच की

रायपुर। तीन सदस्यीय टीम ने मरीजों की जाँच के उपरांत कहा कि मरीजों को वर्तमान में उच्च संस्थान के समकक्ष गुणवत्तापूर्ण उपचार प्रदान किया जा रहा है

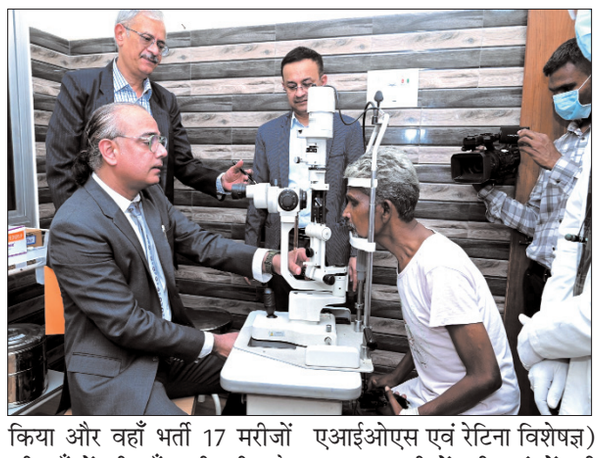

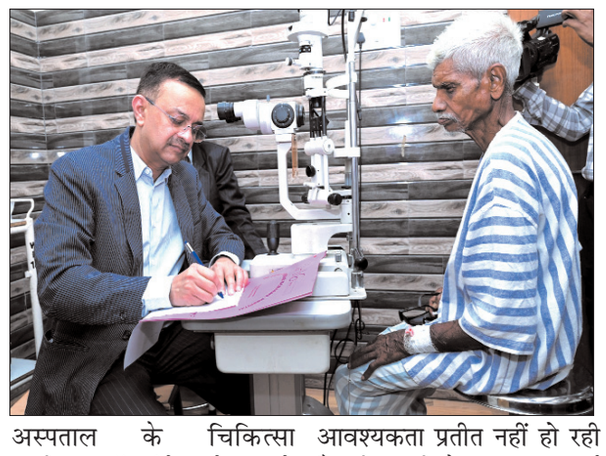

रायपुर। छत्तीसगढ़ के लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल के निर्देशानुसार जिला दंतेवाड़ा से पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय एवं डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय स्थित नेत्र रोग विभाग (क्षेत्रीय नेत्र अनुसंधान केंद्र) में रिफर किए गए मरीजों की जाँच एवं मार्गदर्शन देने हेतु आल इंडिया ऑप्थेल्मोलॉजिकल सोसायटी (ढ्ढह्वस्) द्वारा गठित टीम के सदस्यों ने बुधवार को अम्बेडकर अस्पताल का दौरा किया और वहाँ भर्ती 17 मरीजों की आँखों की जाँच की। टीम के सदस्य के रूप में डॉ. उदय गाजीवाला (अध्यक्ष एआईओएस एडवर्स इवेंट्स रिपोर्टिंग कमेटी), डॉ. अरविंद कुमार मोर्या (राष्ट्रीय संयोजक, एआईओएस एडवर्स इवेंट्स रिपोर्टिंग समिति), डॉ. प्रशांत केशाओ बावनकुले (शैक्षणिक एवं अनुसंधान समिति एआईओएस एवं रेटिना विशेषज्ञ) द्वारा 17 मरीजों की आंखों की गहनता से जांच की गई और पाया कि नेत्र रोग विभाग द्वारा सभी मरीजों की उचित प्रकार से देखभाल की जा रही है एवं आवश्यक मेडिकल एवं सर्जिकल उपचार प्रदान किया जा रहा है। इस संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए अम्बेडकर अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. संतोष सोनकर ने बताया कि राष्ट्रीय टीम के रेटिना विशेषज्ञों द्वारा राय दी गयी है कि सभी मरीजों का समुचित इलाज जारी है और किसी भी अन्य उच्च संस्थान के समकक्ष गुणवत्तापूर्ण इलाज प्रदान किया जा रहा है। किसी भी मरीज को अन्य संस्थान में रिफर करने की आवश्यकता प्रतीत नहीं हो रही है। दीपावली के इस पावन पर्व पर हर्ष का विषय है कि 17 में से 14 मरीजों की आँखों में रोशनी आने की संभावना है किन्तु इसमें समय लग सकता है। इन मरीजों में दवाई एवं शल्यक्रिया उपरांत सुधार प्रतीत हो रहा है। 3 मरीजों की आँख में संक्रमण अधिक होने से राष्ट्रीय टीम के सुझाव अनुसार अन्य शल्यक्रिया की जायेगी। डॉ. सोनकर के अनुसार सभी मरीजों की उचित देखभाल एवं देखरेख चिकित्सा के निर्धारित प्रोटोकॉल अनुसार नेत्र रोग विभाग के डॉक्टरों द्वारा किया जा रहा है।

तीन सदस्यीय राष्ट्रीय ऑप्थल्मोलॉजिस्ट की टीम ने स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल से मरीजों के इलाज़ के संबंध में फोन पर चर्चा की और इस केस में मरीजों के हित में शासन की त्वरित सजगता और तत्परता के लिए सराहना की। स्वास्थ्य मंत्री की ओर से भी टीम को आश्वस्त किया गया कि मरीजों के इलाज में शासन की तरफ से कोई कमी नहीं होगी।

सितम्बर और अक्टूबर के वेतन के भुगतान के लिए नगरीय निकायों को 25.9 करोड़ आबंटित

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद नगरीय प्रशासन विभाग ने निकायों को जारी की राशि, तत्काल वेतन भुगतान के दिए निर्देश

रायपुर। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने राज्य के 101 नगरीय निकायों में अधिकारियों-कर्मचारियों के सितम्बर और अक्टूबर माह के वेतन के भुगतान के लिए 25 करोड़ 90 लाख रुपए आबंटित किए हैं। इस राशि से नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों में कार्यरत प्लेसमेंट व नियमित अधिकारियों-कर्मचारियों को दो महीने के वेतन का भुगतान किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन मंत्री श्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद विभाग ने निकायों को राशि जारी कर दी है। श्री साव ने सभी नगरीय निकायों में तत्काल वेतन भुगतान के निर्देश भी दिए हैं। नगरीय प्रशासन विभाग ने शहरों में विकास कार्यों को और तेज करने के लिए भी बड़ी राशि जारी की है। उप मुख्यमंत्री एवं विभागीय मंत्री श्री अरुण साव के निर्देश पर राज्य के 129 नगरीय निकायों में अधोसरंचना मद के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों के लिए 144 करोड़ 65 लाख रुपए आबंटित किए गए हैं। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने प्रदेशवासियों को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विकास कार्यों के लिए राशि की कमी नहीं है। नगरीय निकायों को विकास कार्यों और जन सुविधाएं विकसित करने के लिए पर्याप्त राशि दी जा रही है। नगरीय निकाय गुणवत्तापूर्ण कार्य संपादित कराते हुए इन राशियों का सदुपयोग करें। उप मुख्यमंत्री साव नगरीय निकायों के कार्यों की लगातार समीक्षा कर समस्याओं एवं जरूरतों की जानकारी ले रहे हैं। उन्होंने शहरों के सुनियोजित और सुव्यवस्थित विकास के लिए कार्ययोजना बनाकर उनके अनुरूप कार्य करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए हैं।

लोनिवि में अभियंताओं की दीपावली की खुशियां हुई दुगुनी, मिली पदोन्नति

रायपुर। राज्य शासन के लोक निर्माण विभाग में अभियंताओं की दीपावली की खुशियां दुगुनी हो गई है। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री श्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद विभाग ने आज मंत्रालय से 47 अधिकारियों की पदोन्नति के आदेश जारी किए हैं। लोक निर्माण विभाग द्वारा 41 उप अभियंताओं को सहायक अभियंता और चार मानचित्रकारों को सहायक अभियंता के पद पर पदोन्नत किया गया है। विभाग ने आज दो अभियंताओं को 29 मई 2020 से भूतलक्षी प्रभाव से मुख्य अभियंता के पद पर पदोन्नति के भी आदेश जारी किए हैं। इन पदोन्नत अधिकारियों की पदस्थापना बाद में की जाएगी। लोक निर्माण विभाग द्वारा पिछले कई वर्षों से अभियंताओं की लंबित पदोन्नति के आदेश चालू अक्टूबर माह में जारी किए गए हैं। हाल ही में 14 अक्टूबर को 51 अधिकारियों को भी पदोन्नत किया गया था। इनमें तीन कार्यपालन अभियंताओं को अधीक्षण अभियंता तथा 48 सहायक अभियंताओं को कार्यपालन अभियंता के रूप में पदोन्नति दी गई थी।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.